@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

बुधवार, 11 फरवरी 2026

VISIT: www.qaumipatrika.in Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 98 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

छग का 'बस्तर पंडुम' बस्तर की बदली पहचान का सशक्त प्रतीक : मोदी

● 'अब बस्तर शांति, विकास और स्थानीय लोगों के बढ़ते आत्मविश्वास के लिए जाना जा रहा है।'

एजेंसी

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 7 से 9 फरवरी के बीच छत्तीसगढ़ में आयोजित बस्तर पंडुम को बस्तर की समृद्ध संस्कृति, परंपरा और जनजातीय विरासत का भव्य उत्सव बताया और उन्होंने इससे जुड़े सभी सहभागियों को हार्दिक बधाई दी। प्रधानमंत्री मोदी ने मंगलवार को ट्वीट करते हुए लिखा कि बस्तर पंडुम जैसे आयोजन हमारी

सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने के साथ-साथ स्थानीय समुदायों को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा, एक समय बस्तर का नाम आते ही माओवाद, हिंसा और विकास में पिछड़ेपन की छवि उभरती थी, लेकिन आज परिस्थितियाँ पूरी तरह बदल चुकी हैं। अब बस्तर शांति, विकास और स्थानीय लोगों के बढ़ते आत्मविश्वास के लिए जाना जा रहा है। उन्होंने कामना की कि बस्तर का आने वाला समय शांति, प्रगति और सांस्कृतिक गौरव से परिपूर्ण हो।

प्रधानमंत्री मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में बस्तर आज सांस्कृतिक गौरव और समावेशी विकास के सशक्त प्रतीक के रूप में अपनी नई पहचान गढ़ रहा है।

पीएम नरेंद्र मोदी डिग्री मामला

'केवल सनसनी फैलाने का प्रयास'

● डीयू का दो टूक जवाब; दिल्ली हाईकोर्ट ने दिया 3 हफ्ते का समय

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की शैक्षणिक डिग्री से जुड़ी जानकारी के खुलासे को लेकर चल रहे मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने मंगलवार को दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) को बड़ी राहत दी। कोर्ट ने अपील दाखिल करने में हुई देरी पर आपत्ति दर्ज कराने के लिए विश्वविद्यालय को तीन सप्ताह का अतिरिक्त समय दे दिया। मुख्य न्यायाधीश डी.के. उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस करिया की खंडपीठ ने कहा जैसा कि प्रार्थना की गई है, देरी माफ करने से संबंधित आवेदन पर आपत्ति दाखिल करने के लिए तीन सप्ताह का समय दिया जाता है।

अपीलकर्ताओं का तर्क: देरी मामूली

अपीलकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ वकील ने कोर्ट को बताया कि करीब ढाई महीने बीत जाने के बावजूद डीयू ने देरी पर आपत्ति दाखिल नहीं की है। उन्होंने कहा कि यह देरी केवल 15 से 45 दिनों की है, जिसे अदालत आसानी से माफ कर सकती है। वकील ने यह भी मांग की कि यदि दिल्ली विश्वविद्यालय मुख्य अपील पर जवाब देना चाहता है, तो कोर्ट औपचारिक नोटिस जारी करे। इस पर सॉलिसिटर जनरल मेहता ने आपत्ति जताते हुए कहा नोटिस जारी करना सिर्फ सनसनी फैलाने के लिए नहीं हो सकता।

मामले की अगली सुनवाई 27 अप्रैल को होगी। दिल्ली विश्वविद्यालय की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत में दलील दी कि इस पूरे मामले में कुछ भी ठोस नहीं है और इसे केवल सनसनी फैलाने के लिए आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने अपील में हुई देरी के साथ-साथ मामले के गुण-दोष पर जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा।

स्पीकर बिरला के खिलाफ विपक्ष का अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस, 118 सांसदों के हस्ताक्षर

एजेंसी

नई दिल्ली। संसद में जारी गतिरोध के बीच विपक्ष ने लोकसभा स्पीकर के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। विपक्ष स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया है। मंगलवार को सचिवालय को स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दे दिया गया है। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने बताया कि स्पीकर को हटाने के लिए संविधान के अनुच्छेद 94-सी के तहत लोकसभा सचिवालय को नोटिस दिया गया है। नोटिस पर 118 विपक्षी सांसदों के हस्ताक्षर मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, विपक्ष के 118 सांसदों ने इस नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं। हस्ताक्षर करने वाले सांसदों में कांग्रेस, डीएमके, सपा के सांसद शामिल हैं।

नोटिस में विपक्ष ने कहा है, लोकसभा स्पीकर लगातार विपक्षी सांसदों को जनहित के मुद्दे उठाने से रोक रहे हैं। नोटिस में बताया गया कि अनुच्छेद 94(सी) के तहत नोटिस दिया गया है क्योंकि स्पीकर खुलेआम पक्षपात कर रहे हैं। विपक्ष के आठ सांसदों को मनमाने ढंग से निलंबित कर दिया गया है; उन्हें केवल लोकतांत्रिक अधिकारों का

प्रयोग करने के लिए दंडित किया जा रहा है। कई मौकों पर विपक्षी दलों के नेताओं को बोलने की अनुमति ही नहीं दी गई, जबकि यह उनका मौलिक अधिकार है। कांग्रेस सांसद और चीफ व्हिप के सुरेश ने कई विपक्षी पार्टियों की तरफ से लोकसभा सचिवालय को यह नोटिस दिया। गौरतलब है कि टीएमसी के सांसदों ने इस नोटिस पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं और न ही वे इस नोटिस का हिस्सा हैं।

शशि थरूर ने बजट चर्चा में उठाए अमेरिकी व्यापार समझौते और बेरोजगारी पर सवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र के दौरान लोकसभा में जारी गतिरोध समाप्त होने के बाद कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने लोकसभा में आम बजट 2026 पर चर्चा की शुरुआत की। इस दौरान उन्होंने सरकारी खर्च में कमी और कर राजस्व संग्रह में ठहराव की आलोचना की। केरल की तिरुवनंतपुरम लोकसभा सीट से निर्वाचित शशि थरूर ने किसानों को दी जाने वाली पीएम किसान सम्मान निधि (पीएमकेवाई) की राशि बढ़ाने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि सरकार को दो हजार रुपये की आर्थिक मदद को बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने मनरेगा को बदल कर बनाए गए वीबी जी राम जी कानून पर भी सवाल उठाए। थरूर ने कहा कि शिक्षित युवाओं की बेरोजगारी दर लगातार ऊंचे स्तर पर बनी

हुई है। स्मार्ट सिटी योजना की घोषणा के बाद समय-सीमा बार-बार बढ़ती रही, लेकिन जमीन पर कोई ठोस बदलाव नहीं हुआ। उन्होंने अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौते पर भी सवाल उठाए और कहा कि भारत का व्यापार फायदा 45 अरब डॉलर है, लेकिन हमने यह डील कर ली कि अगले पांच साल में 500 अरब डॉलर के अमेरिकी सामान खरीदेंगे। यह निश्चित क्रय प्रतिबद्धता भारत के हित में नहीं है और दीर्घकाल में नुकसानदायक साबित होगी।

देश में जानबूझकर अस्थिरता का माहौल बनाने का प्रयास कर रहा विपक्षः भाजपा

एजेंसी

नई दिल्ली। संसद में हंगामे को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस समेत विपक्षी दलों पर देश में जानबूझकर अस्थिरता का माहौल बनाने के प्रयास का आरोप लगाया है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं सांसद डॉ. संबित पात्रा ने यहां पार्टी मुख्यालय में मंगलवार को पत्रकार वार्ता में कहा कि सभी देख रहे हैं कि मीडिया में किस प्रकार सदन में हो रही गतिविधियों को लेकर घमासान मचा हुआ है। पूरे देश में विपक्ष जानबूझकर अस्थिरता का माहौल बनाने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह सब आज से नहीं हो रहा, बल्कि जब से भाजपा-नीत राजग की सरकार बनी है, तब से राहुल गांधी, कांग्रेस और उसके सहयोगी दल जॉर्ज सोरोस के इशारों पर देश के संवैधानिक संस्थानों पर गातार हमले कर रहे हैं। ये देश में अस्थिरता फैलाना चाहते हैं। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर पात्रा ने कहा कि ममता बनर्जी ने एसआईआर को फर्जी बताकर एक खास तरह का माहौल बनाने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि यह नैरेटिव गढ़ा गया कि एसआईआर फर्जी है, यह चुनावी रोल की शुचिता के लिए नहीं है, यह भाजपा के फायदे के लिए है और यह मसौदा गैरकानूनी है।

भाजपा प्रवक्ता पात्रा ने कहा कि बीते सप्ताह ममता बनर्जी ने सुप्रीम कोर्ट में दलील दी कि एसआईआर के माध्यम से बंगाल में अत्याचार हो रहा है और इसे तुरंत खारिज किया जाना चाहिए, लेकिन उच्चतम न्यायालय ने जो निर्णय दिया है वह ममता और उनकी सरकार के लिए करारा झटका है।

'मुख्यमंत्री सेहत योजना' के बारे में पंजाब विरोधी ताकतों के दुष्प्रचार पर भरोसा न करें: मुख्यमंत्री मान

कौमी पत्रिका

चंडीगढ़, 10 फरवरी। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज पंजाबवासियों से अपील की कि राज्य सरकार द्वारा हर परिवार के लिए शुरू की गई 'मुख्यमंत्री सेहत योजना' के बारे में पंजाब विरोधी ताकतों द्वारा किए जा रहे दुष्प्रचार से गुमराह न हों। एक वीडियो संदेश के माध्यम से लोगों को संबोधित करते हुए भगवंत सिंह मान ने कहा, पंजाब सरकार ने लोक भलाई वाली इस प्रमुख योजना की शुरुआत की है ताकि पंजाब के हर नागरिक, खास तौर पर समाज के कमजोर वर्गों को कैशलेस इलाज तक सीधी पहुंच मिल सके। इस पहल के बारे में बताते हुए भगवंत सिंह मान ने कहा, लोगों को व्यापक स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने के लिए राज्य सरकार ने 'मुख्यमंत्री सेहत योजना' शुरू की है, जो देश में अपनी तरह की पहली योजना है। इसके तहत पंजाब का हर परिवार 10 लाख रुपये तक का कैशलेस इलाज करवा सकता है। इसे ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, यह बहुत गर्व और संतुष्टि की बात है कि पंजाब व्यापक स्तर पर मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने वाला भारत का पहला राज्य बन गया है। यह योजना लोगों पर वित्तीय बोझ को काफी कम करेगी और साथ ही गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच को सुनिश्चित करेगी। इस योजना में रजिस्ट्रेशन के बारे में जानकारी देते हुए भगवंत सिंह मान ने कहा, इस ऐतिहासिक कदम का उद्देश्य राज्य के सभी परिवारों को कैशलेस स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है। सभी सरकारी कर्मचारी, पेंशनभोगी और अन्य नागरिक स्वास्थ्य कार्ड के लिए पात्र हैं। यह स्वास्थ्य कार्ड सुविधा केंद्रों और

कॉमन सर्विस सेंटरों से या आधार कार्ड या वोटर कार्ड का उपयोग करके ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है। लोगों से मिल रहे उत्साह का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इस योजना का पंजाब के लोगों ने भरपूर स्वागत किया है और लोग इस योजना का लाभ लेने के लिए ब ?ी संख्या में आगे आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस पहल ने उन परिवारों को ब ?ी राहत पहुंचाई है, जिन्हें पहले बीमारी के इलाज का भारी खर्च अपनी जेब से देना प ?ता था। मुख्यमंत्री ने भ्राम जानकारी फैलाने के खिलाफ चेतावनी देते हुए कहा कि कुछ पंजाब विरोधी ताकतें, जो नहीं चाहतीं कि राज्य के लोगों को ऐसी सुविधाएं मिलें, जानबूझकर इस प्रमुख योजना के बारे में झूठ फैला रही हैं। उन्होंने आगे कहा कि विपक्षियों द्वारा योजना को लेकर की जा रही बेतुकी बयानबाजी का मकसद लोगों को इस योजना से सिर्फ निराश करना है, जो पूरी तरह से गैर-वाजिब और अनुचित है। अस्पतालों को पैनल में शामिल करने की प्रक्रिया को स्पष्ट करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य सरकार ने इस योजना के तहत अधिक से अधिक निजी अस्पतालों को सूचीबद्ध किया है और इस योजना के तहत सरकार ने लगभग 2,600 बीमारियों और इलाज सेवाओं के लिए दरें निर्धारित की हैं। भुगतान विधि के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि सरकार अस्पतालों को आपसी सहमति से तय दरों के अनुसार भुगतान करेगी, चाहे वे अस्पताल किसी बीमारी या इलाज सेवा के लिए बाहर के व्यक्तियों से कितनी भी अधिक राशि वसूल रहे हों। अस्पतालों की जवाबदेही के बारे में बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि योजना के तहत सूचीबद्ध सभी अस्पताल सरकार द्वारा निर्धारित दरों पर इलाज देने के लिए बाध्य हैं और उन्हें यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि लाभार्थियों को कैशलेस इलाज मिले।

शेष पृष्ठ 3 पर

कयामत के लिए जीने वालों कायदे से रहो अब बाबरी मस्जिद कभी नहीं बनेगी : योगी

● 'ये सपना नहीं होगा पूरा'

एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि भाजपा सरकार रुकने वाली नहीं है। ये सरकार जितना बोलती उतना करती है। उतना ही बोलती है जितना करती है। जो कयामत के दिन आने का सपना देख रहे है वह दिन आने वाला नहीं है। बाबरी मस्जिद अब कभी भी नहीं बनने वाली है। हम अपनी विरासत को यूं ही मजबूत करेंगे। याद करिए 500 साल बाद अयोध्या में गौरवपूर्ण क्षण आया। कितनी सरकारें आई कितनी गईं। कितने राजा महाराजा हुए मगर अयोध्या में राम मंदिर क्यों नहीं बनवाया। राम सबके है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग ऐसे हैं जो अवसरवादी रवैया अपनाकर संकट में राम को याद करते हैं। बाकी राम को विस्मित कर देते हैं इसलिए अब भगवान राम उनको भूल चुके हैं। सीएम योगी ने आगे कहा कि कयामत के लिए मत जियो। हिंदुस्तान में कायदे से रहना सीखो। कानून

मानोगे तो फायदे में रहोगे। नहीं तो आगे का रास्ता सीधा जहन्नुम जाता है। कानून तोड़ने वाले जहन्नुम जाएंगे। हर भारत वासी का एक ध्येय एक भारत श्रेष्ठ भारत हो। हमारा देश वैभवशाली हो। विकसित हो। हर संत देश के लिए है और धर्म भी देश के लिए है। धर्म और देश एक आत्मा और शरीर है। भारत और सनातन एक दूसरे के पूरक है। सीएम योगी मंगलवार को दरियाबाद विधानसभा क्षेत्र में दुल्हदेपुर स्थित बाबा हरिशंकर दास की कुटी पर आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

दोपहर करीब सवा दो बजे सीएम का हेलीकॉप्टर कुटी के पास उतरा। यहां महंत बलरामदास ने उनका स्वागत किया। यहां पहुंचकर उन्होंने कथा मंडप का उद्घाटन किया और रामार्चा यज्ञ में आहुतियां अर्पित की।

बाल जोगी परगट नाथ की भगवान वाल्मीकि जी तीर्थ स्थल के श्राइन बोर्ड के सलाहकार बोर्ड के चेयरमैन के तौर पर नियुक्ती

कौमी पत्रिका

चंडीगढ़, 10 फरवरी। भगवान वाल्मीकि जी तीर्थ स्थल को ब ? और अंतरराष्ट्रीय केंद्र के तौर पर विकसित करने के स्पष्ट विजन के साथ मुख्य मंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने श्री बाल जोगी परगट नाथ को भगवान वाल्मीकि जी तीर्थ स्थल के श्राइन बोर्ड के सलाहकार बोर्ड का चेयरमैन नियुक्त किया है। यह नियुक्ति भगवान वाल्मीकि जी तीर्थ स्थल को दलित आस्था, विरासत और आध्यात्मिक फलसफे के विश्व स्तरीय मान्यता प्राप्त केंद्र के तौर पर उभारने की भगवंत मान सरकार की नीयत को दर्शाता है। मुख्य मंत्री भगवंत सिंह मान ने श्री बाल जोगी परगट नाथ को बधाई देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में भगवान वाल्मीकि जी तीर्थ स्थल को दलित आस्था के अंतरराष्ट्रीय केंद्र के तौर पर विकसित किया जाएगा, जो दुनिया भर के श्रद्धालुओ, विद्वानों और सैलानियों के लिए आकर्षण का केंद्र होगा। पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि भारत के विकास में दलित भाईचारे का ब ?ा योगदान रहा है और भगवंत मान सरकार इस योगदान का सम्मान करने और इसको घर- घर पहुंचाने के लिए पूरी तरह वचनबद्ध है। उन्होंने कहा, भगवान वाल्मीकि जी तीर्थ स्थल न केवल आस्था का पवित्र स्थान है, बल्कि बहुत ब ?ी सभ्यता वाला महत्वपूर्ण स्थान भी है। इसका अंतरराष्ट्रीय स्तर का विकास भगवान वाल्मीकि जी के बराबरी, सम्मान और सामाजिक न्याय की शिक्षाओं को विश्व के कोने- कोने तक पहुंचाने में सहायक होगा। वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि भगवंत मान सरकार भगवान वाल्मीकि जी तीर्थ स्थल को ऐसे तरीके के साथ विकसित करने के लंबे समय के विजन के साथ काम कर रही है कि भगवान वाल्मीकि जी के जीवन, फलसफे और शाश्वत योगदान को विश्व मंच पर पेश किया जा सके। उन्होंने कहा, कोशिश यह है कि भगवान वाल्मीकि जी तीर्थ स्थल को अंतरराष्ट्रीय प्रसिद्धि वाले ऐसे स्थान के तौर पर विकसित किया जाए, जहां आस्था, इतिहास और शिक्षा का मेल हो, जिसके साथ अलग- अलग देशों के लोग आदि कवि भगवान वाल्मीकि जी की आध्यात्मिक और बौद्धिक विरासत के साथ जु ? सकें। पंजाब के वित्त मंत्री ने कहा, दलित आस्था और विरासत को विश्व स्तरीय मान्यता देना सम्मान एंव न्याय का विषय है। भगवान वाल्मीकि जी तीर्थ स्थल को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विकसित करना सरकार के इस संकल्प को दर्शाता है कि इस विरासत को वह सम्मान और मान्यता मिले जिसकी यह दुनिया भर में हकदार है।

भगवान वाल्मीकि जी तीर्थ स्थल- आस्था, इतिहास और आध्यात्मिक विरासत का प्रतीक

अमृतसर के नजदीक स्थित भगवान वाल्मीकि जी का यह पवित्र स्थान आस्था, इतिहास और आध्यात्मिक विरासत का एक शाश्वत प्रतीक है। अमृतसर से लगभग 12 किलोमीटर पश्चिम में चोगावां रोड पर स्थित भगवान वाल्मीकि जी तीर्थ स्थल रामायण काल का है और महारिषी वाल्मीकि जी के आश्रम के तौर पर जाना जाता है। इस पवित्र स्थान पर एक प्राचीन सरोवर और कई मंदिर है। यहां एक कुटिया भी है जो उस स्थान की निशानदेही करती है जहां माता सीता जी ने अपने दो पुत्रों लव और कुश को जन्म दिया था। इस तीर्थ पर भगवान वाल्मीकि जी की कुटिया भी मौजूद है। यहां पुरातन समय से नवंबर में पूर्णमाशी की रात से चार दिवसीय मेला लगता आ रहा है।

शेष पृष्ठ 3 पर

दिल्ली पुलिस का एएसआई 15 हजार की घूस लेते गिरफ्तार

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने दिल्ली पुलिस के सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) ओम प्रकाश को 15 हजार रुपये की घूस लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। सीबीआई ने मंगलवार को बताया कि एजेंसी ने 07 फरवरी को मामला दर्ज किया था। आरोप था कि एएसआई ने शिकायतकर्ता से उसके भाई को जमानत दिलाने में मदद करने के लिए 25 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी और रकम न देने पर अन्य मामलों में फंसाने की धमकी दी थी। सीबीआई ने उसी दिन जाल बिछाया और आरोपित को शिकायतकर्ता से 15 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। ओम प्रकाश पश्चिम विहार थाने में तैनात थे। सीबीआई ने बताया कि मामले में आगे की जांच जारी है।

ग्वालियर के डबरा में नवग्रह पीठ कलश यात्रा के दौरान मची भगदड़, एक महिला की मौत, सात घायल

ग्वालियर। ग्वालियर के डबरा में मंगलवार को नवग्रह पीठ की कलश यात्रा के दौरान मची भगदड़ ने एक महिला की जान ले ली। हादसे में सात लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। यह कार्यक्रम पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा के सौजन्य से आयोजित किया जा रहा था, जिसमें भारी जनसैलाब उमड़ा था। मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिले में मंगलवार को नवग्रह पीठ की कलश यात्रा के दौरान भगदड़ मच गई। भगदड़ में एक महिला की मौत हो गई। सात लोग घायल हुए हैं, जिनमें ज्यादातर महिलाएं शामिल हैं। सभी को डबरा अस्पताल में भर्ती कराया गया है और एक महिला की हालत गंभीर बताई जा रही है।

भारत ने सऊदी अरब के 'वर्ल्ड डिफेंस शो' में दिखाई स्वदेशी हथियारों की ताकत

● रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने 'इंडिया पवेलियन' का उद्घाटन किया

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने सऊदी अरब के रियाद में हुए वर्ल्ड डिफेंस शो में स्वदेशी हथियारों के जरिए अपनी ताकत दिखाई है। रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने इंडिया पवेलियन का उद्घाटन किया, जिसमें भारत में बने हथियारों का प्रदर्शन किया गया। उन्होंने सऊदी अरब के रक्षा उद्योगों और रक्षा मंत्रालय की प्रदर्शनी का भी दौरा किया, ताकि उनकी स्वदेशी तकनीक की समीक्षा की जा सके। रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ भारतीय प्रतिनिधिमंडल के साथ रियाद में 8-9 फरवरी को हुए वर्ल्ड डिफेंस शो में हिस्सा लेने गए थे। उन्होंने सऊदी अरब के सहायक रक्षा मंत्री डॉ. खालिद बिन हुसैन अल-बियारी के साथ दोनों देशों के सशस्त्र बलों के बीच सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। उन्होंने सऊदी अरब जनरल अथॉरिटी फॉर डिफेंस डेवलपमेंट के गवर्नर डॉ. फलेह बिन अब्दुल्ला अल-सुलेमान से भी मुलाकात की और भारत के वैश्विक निर्यात केंद्र के तौर पर उभरने पर जोर दिया। मंत्री संजय सेठ ने सऊदी अरब के अधिकारियों को भारत का दौरा करने के लिए आमंत्रित किया, ताकि रक्षा प्रौद्योगिकी के विकास पर चर्चा की जा सके।

फगवाड़ा-लुधियाना हाईवे पर भीषण हादसा, तीन युवकों की मौत, कार के उड़े चिथड़े

एजेंसी

लुधियाना। फगवाड़ा-लुधियाना हाईवे पर गांव चाचोकी के नजदीक भीषण सड़क हादसा हुआ है। कार और टाटा 407 (ट्रक) के भी आमने-सामने भयानक टक्कर हो गई। हादसे में कार सवार तीन युवकों की मौत हो गई। हादसा इतना भयानक था कि कार के चिथड़े उड़ गए और गाड़ी पूरी तरह चकनाचूर हो गई। मृतकों की पहचान साहिल मोहम्मद (23) पुत्र कश्मीर मोहम्मद, दलजीत भट्टी (20) पुत्र अवतार चंद और अवतार मेहमी (17) पुत्र देस राज मेहमी निवासी मुठड्डा कलां, थाना फिल्लौर जिला जालंधर के रूप में हुई है। तीनों युवक फगवाड़ा की लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के छात्र थे। जिस कार में तीनों सवार थे उसके परखच्चे उड़ गए। घटना के बाद हाईवे पर लंबा जाम लग गए। सैकड़ों वाहन जाम में फंस गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और क्षतिग्रस्त वाहनों को साइड कर ट्रैफिक को सूचारू करवाया। तीनों मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए फगवाड़ा के सिविल अस्पताल भेजे गए हैं। वहीं ट्रक चालक विजय कुमार पुत्र मीत राम निवासी लाडोवाल घायल हुआ है।

अरुणाचल और सिक्किम में लगे भूकंप के झटके, सो रहे लोगों में मचा हड़कंप

-तीव्रता 3.1 मापी गई, भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर नीचे था

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्वोत्तर भारत के दो राज्यों, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। जब लोग रात की गहरी नींद में थे तब जमीन हिलने से हड़कंप मच गया। हालांकि राहत की बात यह है कि अभी तक जान-माल के किसी बड़े नुकसान की खबर नहीं मिली है। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक अरुणाचल प्रदेश के पश्चिमी कामेंग जिले में देर रात करीब 1 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.1 मापी गई। भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर नीचे दर्ज किया गया। अरुणाचल के कुछ घंटों बाद ही सिक्किम के नामची में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। सुबह 5 बजकर 38 मिनट पर लोग धरती हिलने से जाग गए। यहां भूकंप का केंद्र जमीन के अंदर केवल 5 किमी की गहराई पर था। बता दें धरती के नीचे होने वाली हलचल ही भूकंप का मुख्य कारण है। हमारी धरती चार परतों से बनी है, जिनके ऊपर टैक्टोनिक प्लेट्स होती हैं। ये प्लेट्स हर साल अपनी जगह से 4-5 मिमी खिसकती हैं। खिसकने के दौरान जब ये प्लेट्स आपस में टकराती हैं तो उससे पैदा होने वाली ऊर्जा ही भूकंप के रूप में सतह को हिला देती है। बता दें भूकंप के झटके महसूस होते ही तुरंत घर से बाहर किसी खुले मैदान में निकल जाएं। यदि बाहर निकलना मुमकिन न हो तो किसी मजबूत मेज या बेड के नीचे छिप जाएं। ऊंची इमारतों में रहने वाले लोग सीढ़ियों का प्रयोग करें लिफ्ट का इस्तेमाल जानलेवा हो सकता है। बिजली के खंभों, पेड़ों और कांच की खिड़कियों से दूर खड़े हों।

देहरादून में आईएमए के पास विवादित जमीन पर सियासी तकरार तेज

देहरादून (एजेंसी)। देहरादून के धौलास इलाके में इंडियन मिलिट्री एकेडमी (आईएमए) के पास करीब 20 एकड़ जमीन को लेकर नया विवाद उभरा है। इस जमीन को कथित तौर पर एक इस्लामिक एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन के लिए आवंटित किया गया था। अब बताया जा रहा है कि यह जमीन छोटे-छोटे रिहायशी प्लॉट में बांटी जा रही है, जिससे सुरक्षा की दृष्टि से खतरा पैदा हो सकता है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सरकार इस मामले में सख्त कार्रवाई करेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस अगर सत्ता में होती तो मुस्लिम यूनिवर्सिटी बनाने की दिशा में काम करती। वहीं कांग्रेस नेता और पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि मामला 2004 का है, जब नारायण दत्त तिवारी मुख्यमंत्री थे। उनका तर्क है कि इसके बाद भाजपा कई बार सत्ता में रही और इसे रोक सकती थी। भाजपा विधायक विनोद चमोली ने कहा कि यह मामला कांग्रेस की खतरनाक साज़िश को उजागर करता है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या तिवारी सरकार के दौरान दी गई जमीन हरीश रावत की देख-रेख में मुस्लिम यूनिवर्सिटी के लिए आवंटित थी। चमोली ने यह भी कहा कि अब जमीन पर लैंड माफिया कब्ज़ा कर रहे हैं। विकासनगर सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट विनोद कुमार की शुरुआती जांच में पाया गया कि जमीन को रिहायशी प्लॉट में बदलने से आईएमए की सुरक्षा पर असर पड़ सकता है। जमीन विवाद राजनीतिक और प्रशासनिक दोनों स्तरों पर गरमा गया है। सरकार ने सख्त कार्रवाई का संकेत दिया है, जबकि कांग्रेस इसे पुराना मामला बताते हुए अपनी जिम्मेदारी कम करती दिख रही है।

रामपुर में अवैध प्लाटिंग पर प्रशासन का बुलडोजर, पुलिस फोर्स तैनात

रामपुर (एजेंसी)। शहजादनगर के तहसील सदर क्षेत्र में कृषि भूमि गाटा संख्या 198 पर अवैध रूप से की जा रही प्लाटिंग को प्रशासन ने बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया। इस भूमि के काश्तकारों और कुछ प्लाटिंग एजेंटों ने भूमि को आकर्षक घोषित किए बिना अवैध निर्माण शुरू कर दिया था। भूमि को आकर्षक घोषित करने के लिए उप जिलाधिकारी न्यायालय में शक्कन खां आदि बनाम सरकार के अंतर्गत मामला दायर किया गया था, जिसे तीन नवंबर 2021 को निरस्त कर दिया गया। इसके बावजूद भूमि पर अवैध प्लाटिंग की जा रही थी। सिविल लाइंस निवासी इमरान खां ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर अवैध निर्माण की शिकायत की। जांच के बाद प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए अवैध प्लाटिंग को बुलडोजर से ध्वस्त किया। कार्रवाई के दौरान भीड़ जमा हो गई। शहजादनगर थाने की पुलिस ने मौके पर तैनाती कर नियंत्रण किया।

गड्ढे में गिरे युवक के मुंह और नाक में भर गई मिट्टी, दम घुटने से गई जान?

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिमी दिल्ली के जनकपुरी इलाके में गड्ढे में गिरने से युवक की मौत के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। सूत्रों के मुताबिक पोस्टमॉर्टम से जुड़े शुरुआती निष्कर्ष में युवक कमल ध्यानी की मौत का कारण ट्रॉमेटिक एस्फिक्सिया बताया गया है। हालांकि पुलिस सूत्रों ने बताया कि मौत की असल वजह की पुष्टि आधिकारिक पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि कमल ध्यानी बाइक लेकर गड्ढे में गिर गया था। गड्ढे में मौजूद मिट्टी उसके मुंह और नाक में चली गई, जिससे उसे सांस लेने में दिक्कत हुई और दम घुट गया। इसके अलावा, छाती पर भारी दबाव के संकेत भी मिले हैं। आशंका जताई जा रही है कि किसी भारी वाहन या वस्तु के गिरने से यह दबाव पड़ा हो सकता है। पोस्टमॉर्टम में मृतक की दाहिनी जांघ पर जलने के निशान भी पाए गए हैं। डॉक्टरों का अनुमान है कि यह निशान बाइक के साइलेंसर के साथ लंबे समय तक संपर्क में रहने के कारण बने होंगे। डॉक्टरों का कहना है कि यह मामला दुर्घटनावश मौत का प्रतीत होता है, लेकिन मौत के समय और तरीके को लेकर अंतिम राय गहन जांच के बाद ही दी जाएगी। इस बीच, जांच में यह भी सामने आया है कि दिल्ली जल बोर्ड की तरफ से सीवर लाइन बिछाने का ठेका पाने वाली निजी कंपनी के मैनेजर को हादसे की जानकारी थी, लेकिन उसने भी पुलिस या अन्य सरकारी एजेंसियों को इसकी सूचना नहीं दी। जांच से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक वह इस मामले में हादसे की जानकारी रखने वाला छठा व्यक्ति था। पुलिस पहले ही ठेकेदार हिमांशु गुप्ता, सब-कॉन्ट्रैक्टर राजेश कुमार प्रजापति, मजदूर योगेश, सुरक्षा गार्ड देशराज और राहगीर विपिन सिंह की भूमिका की पहचान कर चुकी है। पुलिस के मुताबिक एक फोन कॉल में प्रजापति ने कंपनी के डायरेक्टर हिमांशु और प्रोजेक्ट मैनेजर को हादसे की जानकारी दी थी, लेकिन इसके बावजूद पुलिस को सूचना नहीं दी गई। इस मामले में राजेश कुमार, प्रजापति और योगेश को गिरफ्तार किया जा चुका है।

वीर सावरकर को यदि दिया गया भारत रत्न तो इससे सम्मान की गरिमा होगी कम : भाई जगताप

-संघ प्रमुख के बयान को लेकर सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। संघ प्रमुख द्वारा वीर सावरकर को भारत रत्न देने की मांग के बाद राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। इस मुद्दे पर कांग्रेस नेता भाई जगताप ने कड़ा विरोध जताते हुए कहा, कि जिन व्यक्तियों पर गंभीर आरोप रहे हों, उन्हें देश का सर्वोच्च सम्मान देना भारत रत्न की गरिमा को ठेस पहुंचाने जैसा होगा।

भाई जगताप ने कहा कि भारत रत्न केवल एक पुरस्कार नहीं, बल्कि 140 करोड़ देशवासियों की भावनाओं से जुड़ा सम्मान है। उन्होंने कहा कि अब तक यह सम्मान उन्हीं महान व्यक्तित्वों को दिया गया है, जिन्होंने अपना संपूर्ण जीवन राष्ट्र या किसी बड़े सामाजिक उद्देश्य के लिए समर्पित किया। ऐसे में विवादित नामों को इस श्रेणी में शामिल करना समझ से परे है। उन्होंने कहा कि भारत रत्न से बड़ा कोई सम्मान नहीं हो सकता। संघ प्रमुख किसी संगठन के प्रमुख हैं, पूरे देश के नहीं। वीर सावरकर को लेकर समाज में मतभेद और गंभीर आरोप मौजूद हैं, ऐसे में उन्हें यह सम्मान देना पूरे देश में बहस और सवाल खड़े करेगा। भाई जगताप ने कहा कि यदि इस तरह के नामों को भारत रत्न दिया जाता है, तो सम्मान की प्रतिष्ठा पर असर पड़ेगा और देश इसका मूल्यांकन करेगा।

मौजूदा सरकार में कई दागी मंत्री

केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि मौजूदा सरकार में ऐसे कई मंत्री हैं, जिन पर दाग होने की बातें सामने आती रही हैं। ऐसे माहौल में भारत रत्न जैसे सर्वोच्च सम्मान पर फैसला लेना बेहद संवेदनशील मामला है। उन्होंने कहा कि वह इस मुद्दे को बेवजह हवा नहीं देना चाहते, लेकिन अंतिम निर्णय सरकार को लेना होगा और जनता अपना जवाब जरूर देगी।

संघ प्रमुख के एक कार्यक्रम में अभिनेता की मौजूदगी पर प्रतिक्रिया देते हुए भाई जगताप ने कहा कि खेल और कला को राजनीति से अलग रखा जाना चाहिए। उन्होंने देश की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि आज कलाकारों को धमकियां मिल रही हैं और संगठित अपराधियों में कानून का डर नजर नहीं आता। 90 के दशक में अंडरवर्ल्ड पर काबू पाया गया था, लेकिन मौजूदा हालात फिर चिंता पैदा कर रहे हैं।

तीन बच्चों वाला बयान हास्यास्पद

संघ प्रमुख के तीन बच्चों वाले बयान को लेकर भाई जगताप ने इसे हास्यास्पद करार दिया। उन्होंने कहा कि जब भारत दुनिया में सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश है, तब इस तरह की सलाह देना गैर-जिम्मेदाराना है। आज महिलाएं पहले से ज्यादा असुरक्षित हैं और युवा खुद यह तय करने में सक्षम हैं कि उन्हें कब और किससे विवाह करना है।

संसद में चर्चा नहीं होना दुर्भाग्यपूर्ण

अन्य राजनीतिक मुद्दों पर बोलते हुए भाई जगताप ने कहा कि केवल आरोप लगाने से कुछ नहीं होता, यदि कोई मामला है तो उस पर कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने संसद के कामकाज पर भी सवाल उठाए और कहा कि संसद देश का पवित्र मंदिर है, लेकिन विपक्ष को अपनी बात रखने का पूरा अवसर नहीं दिया जाता। चीन जैसे गंभीर मुद्दों पर चर्चा न होना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सवाल पूछना विपक्ष का अधिकार है और सरकार को इन सवालों का जवाब देना चाहिए, न कि उन्हें दबाने का प्रयास करना चाहिए।

मनी लॉन्ड्रिंग मामला : एसआईटी ने तेज की जांच टीना अंबानी को जल्द मिलेगा ईडी का नया समन

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) उद्योगपति अनिल अंबानी की पत्नी टीना अंबानी को मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ी जांच में शामिल होने के लिए जल्द ही नया समन जारी करने की तैयारी कर रहा है। इससे पहले सोमवार को उन्हें पूछताछ के लिए बुलाया गया था, लेकिन वह जांच एजेंसी के समक्ष पेश नहीं हुईं। सूत्रों के अनुसार, अब उन्हें दोबारा बुलाने के लिए कानूनी प्रक्रिया शुरू की जा रही है। यह पूरी कार्रवाई अनिल अंबानी और उनके व्यापारिक समूह से जुड़े 40,000 करोड़ रुपये के कथित बैंकिंग और कॉर्पोरेट धोखाधड़ी के मामले से संबंधित है। मामले की गंभीरता को देखते हुए, हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर एक विशेष जांच टीम का गठन किया गया है। यह एसआईटी फेडरल जांच एजेंसी की हेडक्वार्टर इन्वेस्टिगेशन यूनिट के तहत काम कर रही है, जिसका नेतृत्व एडिशनल डायरेक्टर रैंक के एक अधिकारी कर रहे हैं। इस टीम में लगभग आधा दर्जन अनुभवी जांचकर्ता शामिल किए गए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले हफ्ते अनिल अंबानी समूह के खिलाफ चल रहे मामलों की समीक्षा के बाद यह निर्देश दिया था कि एक निष्पक्ष, स्वतंत्र और त्वरित जांच सुनिश्चित करने के लिए विशेष टीम बनाई जाए। जांच एजेंसी पिछले एक साल से इस समूह की गतिविधियों पर नजर रखे हुए है। अब तक प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत तीन प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट दर्ज की जा चुकी हैं, जो पुलिस की प्राथमिकी के समान होती हैं। अब तक की कार्रवाई में जांच एजेंसी ने लगभग 12,000 करोड़ रुपये की संपत्ति भी अटैच की है। सूत्रों का कहना है कि नवनियुक्त एसआईटी आने वाले दिनों में समूह की कंपनियों और उनके अधिकारियों द्वारा किए गए संदिग्ध वित्तीय लेनदेन की गहराई से पड़ताल करेगी। इस दौरान कई अन्य नई रिपोर्ट दर्ज होने की भी संभावना है, जिससे अंबानी परिवार और उनके सहयोगियों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

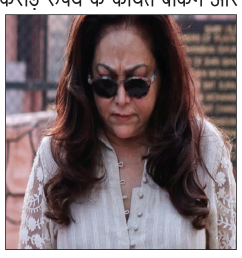

पक्षियों को दाना खिलाना पड़ा महंगा, बुजुर्ग महिला पर लगा 2.27 लाख का जुर्माना

मुंबई (एजेंसी)। सोशल मीडिया पर इन दिनों एक ऐसी खबर तेजी से सुर्खियां बटोर रही है, जिसने पशु-पक्षियों के प्रति प्रेम और देश के कड़े कानूनों के बीच एक नई बहस छेड़ दी है। मामला सिंगापुर का है, जहां एक 71 साल की बुजुर्ग महिला को बार-बार जंगली पक्षियों, विशेषकर कबूतरों को दाना खिलाने के कारण भारी-भरकम आर्थिक दंड भुगतना पड़ा है। यह खबर जैसे ही सार्वजनिक हुई, इंटरनेट पर लोगों की मिली-जुली प्रतिक्रियाएं आने लगीं। जहां कुछ लोग इसे कानून की अति मान रहे हैं, वहीं कई लोग सार्वजनिक स्वच्छता और नियमों के पालन के पक्ष में खड़े नजर आ रहे हैं।

पूरा मामला सिंगापुर की निवासी सन्मुगमनाथन शमला से जुड़ा है।

अदालत ने उन पर 3,200 सिंगापुर डॉलर, जो भारतीय मुद्रा में लगभग 2 लाख 27 हजार रुपये होते हैं, का जुर्माना लगाया है। महिला पर यह कार्रवाई वाइल्डलाइफ एक्ट के उल्लंघन के तहत की गई है। रिपोर्टों के अनुसार, महिला ने अदालत में अपने ऊपर लगे चार आरोपों को स्वीकार कर लिया, जबकि इसी तरह की पांच अन्य घटनाओं को भी न्यायिक प्रक्रिया के दौरान संज्ञान में लिया गया। प्रशासन का तर्क है कि जंगली पक्षियों को इस तरह दाना खिलाने से न केवल इलाके में गंदगी फैलती है, बल्कि इससे पारिस्थितिक संतुलन भी बिगड़ता है और पक्षियों की आबादी अनियंत्रित रूप से बढ़ सकती है। हैरानी की बात यह है कि यह महिला के खिलाफ की गई पहली कार्रवाई नहीं थी। इससे पहले मई 2025 में भी उन्हें इसी कृत्य के लिए 1,200 सिंगापुर डॉलर का जुर्माना भरना पड़ा था। उस दौरान महिला ने अदालत में भविष्य में ऐसा न करने का लिखित वादा भी किया था। लेकिन सरकारी रिकॉर्ड और सबूतों के अनुसार, उन्होंने अपने वादे को दरकिनार करते हुए महज एक महीने के भीतर फिर से पक्षियों को दाना खिलाना शुरू कर दिया।

ओवैसी ही बीजेपी के असली लाइफलाइन, भगवान राम से ज्यादा ओवैसी का नाम लेते हैं

तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी ने बीजेपी पर बोला तीखा हमला

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी ने बीजेपी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा है कि बीजेपी एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी को भगवान राम से भी ज्यादा अहमियत देती है और चुनाव जीतने के लिए ओवैसी का इस्तेमाल करती है। उन्होंने कहा है कि ओवैसी ही बीजेपी के असली लाइफलाइन हैं। रेड्डी ने कहा कि यह बीजेपी का इतिहास है। अगर आप इसे एनालाइज करें, तो उनके लिए सिर्फ एक ही भगवान हैं, असदुद्दीन ओवैसी। वे यूं ही भगवान राम का नाम लेते हैं, लेकिन वे हर दिन जिसके आगे झुकते हैं, वह असदुद्दीन ओवैसी हैं। उनकी लाइफलाइन असदुद्दीन ओवैसी हैं। देखिए वे कितनी बार राम को याद करते हैं और कितनी बार ओवैसी का नाम लेते हैं। इसकी पड़ताल होनी चाहिए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीएम रेवंत रेड्डी ने कहा कि बीजेपी ओवैसी को अलादीन के चिराग की तरह इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने कहा कि हर बार वे ओवैसी को अलादीन का जादुई चिराग बनाकर वोट मांगते हैं। आखिर सरकार तो आपकी ही है ना? अगर ओवैसी इतने विलेन हैं, तो आप उन्हें कंट्रोल क्यों नहीं कर पा रहे हैं? रेड्डी ने एआईएमआईएम की निंदा के लिए भी बीजेपी की आलोचना की। उन्होंने कहा कि डेमोक्रेसी में एआईएमआईएम भी एक पॉलिटिकल पार्टी है जो चुनाव लड़ती है। जहां वे जीतते हैं, जीतते हैं। जहां वे हारते हैं, हारते हैं। उन्होंने गुजरात, उत्तर प्रदेश, बिहार और यहां तक ??कि पश्चिम बंगाल में भी चुनाव लड़ा, जहां उन्होंने पांच सीटें जीतीं हैं। वे भी एक पॉलिटिकल ऑर्गनाइजेशन हैं, एक पॉलिटिकल पार्टी हैं, लेकिन आप कब तक उनके नाम पर वोट मांगते रहेंगे? धार्मिक नफरत भड़काकर, कुछ पॉलिटिकल पार्टियों के नेताओं को राक्षस बताकर और उसके जरिए पॉलिटिकल रूप से जिंदा रहने की कोशिश करना आइडियोलॉजिकल गरीबी की हद है। तेलंगाना के लोगों को सोच समझ कर वोट देना चाहिए।

एसआईआर के दौरान हिंसा पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, डीजीपी से मांगा व्यक्तिगत हलफनामा

-पश्चिम बंगाल में चुनाव आयोग के अधिकारियों को धमकियों का मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) ड्यूटी के दौरान चुनाव आयोग के अधिकारियों के साथ कथित हिंसा और धमकियों के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है। मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को व्यक्तिगत रूप से हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही, चुनाव आयोग द्वारा दाखिल हलफनामे पर जवाब न देने को लेकर डीजीपी को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया है।

अदालत ने यह निर्देश उस समय दिया, जब केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल ने पीठ का ध्यान चुनाव आयोग के हलफनामे की ओर दिलाया। इस हलफनामे में पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया के दौरान गंभीर अनियमितताओं, धमकियों और हिंसा के आरोप लगाए गए हैं। आयोग ने दावा किया है कि राज्य में अन्य राज्यों की तुलना में भय और दबाव का माहौल कहीं अधिक है, जिससे चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता प्रभावित हो रही है। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल ने अदालत को बताया कि चुनाव आयोग के अनुसार राज्य में डराने-धमकाने, बाधा डालने और भ्रामक सूचनाएं फैलाने की घटनाएं सामने आई हैं। हलफनामे में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर भी भड़काऊ भाषण देने और भय का वातावरण बनाने के आरोप लगाए गए हैं। आयोग का कहना है कि इस तरह के बयानों से जमीनी स्तर पर काम कर रहे चुनाव अधिकारियों की सुरक्षा खतरे में पड़ गई है।

चुनाव आयोग ने अपनी शिकायत में यह भी उल्लेख किया है कि पश्चिम बंगाल के कई इलाकों में बड़ी संख्या में फॉर्म-7 जलाए गए। इसके अलावा, पंचायत भवनों में सुनवाई के लिए पहुंचे बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) के साथ हिंसा की घटनाएं हुईं। आयोग के अनुसार, कई अधिकारियों को लोकतांत्रिक दायित्व निभाते समय अपनी जान का खतरा महसूस हुआ, जिससे वे भय के साए में काम करने को मजबूर हुए। सुप्रीम कोर्ट ने इन आरोपों को गंभीर मानते हुए राज्य पुलिस की भूमिका पर सवाल उठाए। अदालत ने कहा कि चुनाव जैसी संवैधानिक प्रक्रिया में लगे अधिकारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना राज्य का दायित्व है। यदि इस दायित्व में चूक हुई है, तो इसकी जवाबदेही तय की जानी चाहिए।

पीठ ने स्पष्ट किया कि डीजीपी को व्यक्तिगत रूप से यह बताना होगा कि चुनाव आयोग के आरोपों पर अब तक क्या कार्रवाई की गई और अधिकारियों की सुरक्षा के लिए क्या कदम उठाए गए। अदालत ने संकेत दिए कि मामले की गंभीरता को देखते हुए आगे और सख्त निर्देश भी दिए जा सकते हैं। अब इस मामले में राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन के जवाब पर सबकी नजर टिकी हुई है।

सुकमा में भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद, 51 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

सुकमा (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में सुरक्षाबलों को एक बड़ी दोहरी सफलता हाथ लगी है। सोमवार को एक विशेष अभियान के दौरान सुरक्षाबलों ने न केवल नक्सलियों के एक गुप्त ठिकाने का भंडाफोड़ किया, बल्कि भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री भी जब्त की। पुलिस अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार, रायगुडेम गांव के पास स्थित पहाड़ी जंगलों में नक्सलियों की मौजूदगी की पुख्ता सूचना मिली थी। इसके बाद केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और स्थानीय पुलिस की एक संयुक्त टीम ने तलाशी अभियान शुरू किया। इस कार्रवाई के दौरान सुरक्षाबलों ने 65 बैरल ग्रेनेड लॉन्चर (बीजीएल) सेल और कमर पर बांधी जाने वाली दो विशेष थैली बरामद कीं। इतनी बड़ी संख्या में बीजीएल सेल की बरामदगी को सुरक्षाबल नक्सलियों की किसी बड़ी और घातक साजिश की विफलता के रूप में देख रहे हैं।

इस सैन्य सफलता के साथ-साथ बस्तर संभाग में एक ऐतिहासिक रणनीतिक कामयाबी भी देखने को मिली है। सुकमा और बीजापुर जिलों में कुल 51 सक्रिय नक्सलियों ने हिंसा का रास्ता त्याग कर समाज की मुख्यधारा में लौटने का फैसला किया है। आत्मसमर्पण करने वाले इन नक्सलियों पर सामूहिक रूप से 1.61 करोड़ रुपये का इनाम घोषित था। यह घटनाक्रम इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि केंद्र सरकार ने मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद को पूरी तरह जड़ से समाप्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

अधिकारियों का मानना है कि नक्सलियों के इस सामूहिक आत्मसमर्पण के पीछे हाल ही में शीर्ष नक्सली नेता एल. प्रभाकर राव का खात्मा एक बड़ा कारण रहा है। अबूझमाड़ के जंगलों में हुई मुठभेड़ में प्रभाकर राव और उसके छह साथियों के मारे जाने के बाद नक्सलियों का मनोबल बुरी तरह टूट गया है। राव को एक खतरनाक एंबुश रणनीतिकार माना जाता था, जिसकी मौत ने नक्सली संगठन के ढांचे को कमजोर कर दिया है। बस्तर रेंज के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के अनुसार, पिछले दो वर्षों में 2,400 से अधिक नक्सली हथियार डाल चुके हैं। सरकार की पूना मारगेम (नई राह) और नियद नेल्लानार (आपका अच्छा गांव) जैसी पुनर्वास योजनाओं का जमीनी स्तर पर सकारात्मक प्रभाव दिख रहा है। इन पहलों के माध्यम से प्रशासन अब उन दुर्गम इलाकों तक सीधी पहुंच बना रहा है, जहाँ कभी नक्सलियों का दबदबा हुआ करता था। फिलहाल, सुरक्षाबलों ने इलाके में चौकसी और अधिक बढ़ा दी है और आसपास के जंगलों में गहन तलाशी अभियान जारी है ताकि बचे हुए नक्सलियों पर दबाव बनाया जा सके।

12 फरवरी को 35 साल बाद बांग्लादेश को नया प्रधानमंत्री मिलेगा... भारत की पैनी नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में 12 फरवरी 2026 को संसदीय चुनाव होने वाले हैं। पूर्व पीएम शेख हसीना के देश छोड़ने और खालिदा जिया के निधन के बाद यह पहला चुनाव है। 1991 से 2024 तक बांग्लादेश की राजनीति में इन दो नेताओं का दबदबा रहा। इसके बाद 35 साल बाद देश को नया प्रधानमंत्री मिलेगा। शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग को चुनाव में हिस्सा लेने की इजाजत नहीं है। चुनाव आयोग का कहना है कि 2024 में हुए छात्र आंदोलन के दौरान हुई हिंसा में पार्टी की भूमिका की वजह से यह फैसला लिया गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक एक्सपर्ट्स का कहना है कि बांग्लादेश के ये चुनाव सिर्फ देश की राजनीति ही नहीं, बल्कि पूरे साउथ एशिया की डिप्लोमेसी और पावर बैलेंस को बदल सकते हैं। इसलिए भारत, पाकिस्तान और चीन भी इन चुनाव पर नजर बनाए हुए हैं। राजनीतिक जानकारों के मुताबिक, हसीना के सत्ता से हटने के बाद बांग्लादेश की विदेश नीति में बड़ा बदलाव आया है। भारत के साथ रिश्ते अब अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच चुके हैं, जबकि पाकिस्तान के साथ संबंध बेहतर हुए हैं और चीन के साथ रणनीतिक रिश्ते और मजबूत हुए हैं। इस दौरान बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले, मंदिर तोड़ने और हिंसा की खबरें आने लगीं, जिस पर भारत ने चिंता जाहिर है। बांग्लादेशी सोशल मीडिया पर ग्रेटर बांग्लादेश के नक्शे और भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को लेकर भड़काऊ बातें फैलीं।

भारत और बांग्लादेश की बॉर्डर पर बीएसएफ और बीजीबी के बीच तनाव बढ़ा, तस्करी और बाड़ को लेकर बहस हुई। छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी की गोली मारकर हत्या कर दी गई, जिसके बाद हिंसा फैली और भारत के खिलाफ माहौल बना। दोनों देशों के बड़े नेताओं और अधिकारियों ने आपस में सीधे बात करना शुरू किया, इससे पुराने तनाव धीरे-धीरे कम होने लगे। 2025 में कराची और चटगांव के बीच कॉर्गो जहाज फिर से चलने लगे, जिससे समुद्री व्यापार आसान हुआ। 2026 की शुरुआत में ढाका और कराची के बीच कई साल बाद सीधी फ्लाइट्स शुरू हुईं। पाकिस्तान और बांग्लादेश ने वीजा के नियम आसान करने पर बात की, खासकर सरकारी काम से आने-जाने वालों के लिए। अंतरराष्ट्रीय बैठकों में पाकिस्तान और बांग्लादेश कई मुद्दों पर एक-दूसरे के साथ खड़े नजर आए, जिससे तालमेल बढ़ा।

चीन से और करीबी बढ़ी

2025 में बांग्लादेश के नेताओं और चीन के राष्ट्रपति की मुलाकात हुई, जिसमें रिश्तों को और आगे बढ़ाने पर खुलकर बात हुई। दोनों देशों ने व्यापार बढ़ाने के लिए फ्री ट्रेड एग्रीमेंट और निवेश से जुड़े समझौतों पर बातचीत शुरू करने का फैसला किया। चीन ने बांग्लादेश से आने वाले ज्यादातर सामान पर टैक्स नहीं लगाने की सुविधा आगे भी जारी रखने की बात कही। रक्षा के मामले में भी दोनों देश करीब आए और ड्रोन व दूसरी सैन्य तकनीक से जुड़े समझौते किए गए। बांग्लादेश का आम चुनाव तय करेगा कि देश आगे भारत के करीब रहेगा या पाकिस्तान और चीन की तरफ झुकेगा। इससे साउथ एशिया का पावर बैलेंस बदल सकता है। इसी वजह से इस चुनाव को बेहद अहम माना जा रहा है। बांग्लादेश, भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को लगभग चारों तरफ से घेरता है। भारत का नॉर्थ-ईस्ट सिलीगुड़ी कॉरिडोर के जरिए भारत से कनेक्ट होता है। इसके बाद बांग्लादेश की भूमिका भारत के लिए कनेक्टिविटी, सुरक्षा और सप्लाई लाइनों के लिहाज से बेहद संवेदनशील हो जाती है।

दूसरी बड़ी वजह है भारत-चीन की रणनीतिक खींचतान। चीन पिछले कुछ सालों में बांग्लादेश में बंदरगाह, सड़क, बिजली और इंफ्रास्ट्रक्चर में भारी निवेश कर चुका है। बांग्लादेश अगर चीन के ज्यादा करीब जाता है, तब यह भारत के लिए सीधा रणनीतिक झटका होता है, खासकर बंगाल की खाड़ी और इंडियन ओशन रीजन में। बांग्लादेश की समुद्री सीमा इस इलाके को रणनीतिक रूप से बहुत अहम बना देती है। यह इलाका ग्लोबल शिपिंग, एनर्जी रूट्स और नौसैनिक गतिविधियों के लिए बेहद संवेदनशील है।

‘मुख्यमंत्री सेहत योजना’ के बारे में पंजाब विरोधी ताकतों के दुष्प्रचार पर भरोसा न करें: मुख्यमंत्री मान

प्रथम पृष्ठ का शेष

योजना के बारे में किसी भी तरह की गलत जानकारी को सीधे तौर पर खारिज करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि अस्पतालों को सरकार द्वारा सीधा भुगतान किया जाएगा और लाभार्थियों से एक पैसा भी नहीं लिया जाएगा। उन्होंने पंजाब विरोधी ताकतों द्वारा इस योजना के संबंध में गुमराह करने वाली और गलत तस्वीर पेश करने की कोशिशों को सिरे से नकारते हुए, लोगों से अफवाहों से दूर रहने की अपील की। योजना के लाभों के बारे में बात करते हुए मुख्यमंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि ‘मुख्यमंत्री सेहत योजना’ के तहत लाभार्थियों के लिए इलाज सेवाएं कैशलेस हैं और अस्पतालों द्वारा मरीजों से कोई फीस नहीं ली जाएगी। लोगों से सतर्क रहने की अपील करते हुए उन्होंने कहा कि लोगों को ऐसी ताकतों से सावधान रहना चाहिए जो बेबुनियाद अफवाहें फैलाकर जनहित को नुकसान पहुंचाने पर तुली हुई हैं। उन्होंने कहा कि मैं समूह पंजाबियों से अपील करता हूं कि वे किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें। योजना के तहत इलाज सेवाओं के बारे में विस्तार से बताते हुए भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य सरकार ने ठोस व्यवस्था बनाई है जिसके तहत अस्पताल में दाखिले से लेकर जांच या टेस्ट, इलाज और अस्पताल से छुट्टी तक की पूरी इलाज प्रक्रिया कैशलेस रहेगी। उल्लंघन के संबंध में स्पष्ट चेतावनी देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि कोई अस्पताल इस योजना के तहत किसी मरीज से पैसे की मांग करता है तो तुरंत सरकार को शिकायत दर्ज करवाई जाए। उन्होंने आगे कहा कि सरकार ऐसे गलत कामों में शामिल पाए जाने वाले किसी भी अस्पताल के खिलाफ सख्त, दंडात्मक और मिसाली कार्रवाई करेगी। अंत में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, मैं पंजाब के लोगों से अपील करता हूं कि वे इस योजना का, जिसकी दुनिया भर में सराहना हो रही है, अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

बाल जोगी परगट नाथ की भगवान वाल्मीकि जी तीर्थ स्थल के श्राइन बोर्ड के सलाहकार बोर्ड के चेयरमैन के तौर पर नियुक्ति

प्रथम पृष्ठ का शेष

चोगावां रोड पर स्थित यह स्थान महाऋषि वाल्मीकि जी की महान विरासत को याद करवाता है। भगवान वाल्मीकि जी पैनोरामा- आस्था और सम्मान की मिसाल भगवंत मान सरकार ने दलित आस्था प्रति सत्कार को असली रूप दिया है। अक्तूबर 2024 में, मुख्य मंत्री भगवंत सिंह मान ने अमृतसर में अति- आधुनिक भगवान वाल्मीकि जी पैनोरामा को समर्पित किया था। उन्होंने इस को दुनिया के पहले महाकाव्य रामायण के रचेता आदि कवि भगवान वाल्मीकि जी को एक नम्र श्रद्धांजलि बताया था। 9 एक ? में 32. 78 करो ? रुपए की लागत के साथ बना यह पैनोरामा 14 गैलरियों के द्वारा भगवान वाल्मीकि जी के जीवन, फलसफे और योगदान को पेश करने के लिए उन्नत प्रौद्योगिकी का प्रयोग करता है। इसमें उनके शुरुआती जीवन, रामायण की रचना, माता सीता और लव- कुश, योग्य, संजीवनी विद्या, अश्वमेध यग्य, योग्य वशिष्ठ और उनकी शिक्षाओं का वर्णन किया गया है। पुस्तकालय, कैफेटेरिया और सोवीनियर शाप जैसी आधुनिक सहूलतों के साथ लैस यह पैनोरामा पंजाब सरकार की आस्था को संभालने और दलित आध्यात्मिक विरासत का सम्मान करने की वचनबद्धता को दर्शाती है।

स्कूल गेस्ट शिक्षकों की उपस्थिति रोजाना दर्ज करें

नई दिल्ली। दिल्ली के कुछ सरकारी स्कूलों में गेस्ट शिक्षकों की उपस्थिति रोजाना दर्ज नहीं की जा रही है। इससे सैलरी आवंटन और स्कूल में तैनाती की निगरानी में गड़बड़ी होती है। ऐसे में शिक्षा निदेशालय ने सख्त रवैया अपनाया है। निदेशालय ने स्कूलों को गेस्ट शिक्षकों की उपस्थिति प्रतिदिन बिना गलती के दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। दिल्ली के सरकारी स्कूलों में करीब 16 हजार गेस्ट शिक्षकों की तैनाती है। शिक्षा निदेशालय के अनुसार यह देखा गया कि कुछ स्कूलों की ओर से गेस्ट टीचर्स की उपस्थिति रोजाना नहीं लगाई जा रही है। इससे न केवल रिकॉर्ड एकत्र करने में दिक्कत होती है बल्कि सैलरी आवंटन और तैनाती की निगरानी में भी गड़बड़ी होती है।

लावारिस कुत्तों की नसबंदी करने वाला अभियान होगा तेज, शेल्टर होम के लिए किया जाएगा जमीन का सर्वे

दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मद्देनजर एमसीडी ने राजधानी में लावारिस कुत्तों से लोगों को राहत दिलाने के लिए कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। इसी कड़ी में स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने कुत्तों के नसबंदी अभियान और शेल्टर होम निर्माण की कमान अपने हाथों में ले ली है। वे शनिवार को एमसीडी के पांच नसबंदी केंद्रों का निरीक्षण करेंगी और उनकी कार्यप्रणाली की समीक्षा करेंगी। साथ ही, खतरनाक कुत्तों के लिए शेल्टर होम की स्थापना के लिए विभिन्न इलाकों में जमीन का सर्वे करेंगी। एमसीडी के पास फिलहाल 20 नसबंदी केंद्र हैं लेकिन इनमें से केवल 13 ही वर्तमान में सक्रिय हैं। इन केंद्रों की कार्यक्षमता और उनकी वास्तविक स्थिति का आकलन करने के लिए स्थायी समिति अध्यक्ष सत्या शर्मा ने स्वयं दौरा करने का निर्णय लिया है। दरअसल, सीमित संसाधनों और क्षमता के कारण नसबंदी का काम गति से नहीं हो पा रहा है जिससे कुत्तों की आबादी लगातार बढ़ रही है। दिल्लीवासियों की शिकायतें भी बढ़ रही हैं। बच्चों और बुजुर्गों पर हमले से लेकर कॉलोनियों में झुंड बनाकर घूमने वाले लावारिस कुत्तों की घटनाओं ने चिंता बढ़ा दी है। एमसीडी के पास लावारिस और खतरनाक कुत्तों को रखने के लिए कोई स्थायी शेल्टर होम नहीं है। ऐसे में कोर्ट के आदेश के बाद पहली बार एमसीडी शेल्टर होम बनाने जा रही है। फिलहाल, पकड़े गए कुत्तों को अस्थायी व्यवस्थाओं में रखा जाता है लेकिन वहां देखभाल और निगरानी दोनों ही स्तर पर दिक्कतें आती रही हैं। कोर्ट के आदेश के तहत बनने वाले शेल्टर होम न केवल खतरनाक कुत्तों को सुरक्षित रखने का स्थान होंगे बल्कि वहां उनके लिए बेहतर देखभाल, इलाज और पुनर्वास की भी व्यवस्था की जाएगी। इससे एक ओर नागरिकों को राहत मिलेगी। स्थायी समिति ने कुत्तों की बढ़ती समस्या पर काबू पाने के लिए पहले ही उप समिति गठित कर रखी है। यह समिति स्थिति का अध्ययन कर सिफारिशें दे रही है ताकि लावारिस कुत्तों के प्रबंधन की नीति को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। सुप्रीम कोर्ट के आदेशों को ध्यान में रखते हुए अब एमसीडी ने इस दिशा में ठोस और व्यापक रणनीति पर काम शुरू कर दिया है। सत्या शर्मा ने स्पष्ट किया है कि नसबंदी केंद्रों के दौरे के दौरान डॉक्टरों और स्टाफ की उपलब्धता, दवाओं और उपकरणों की स्थिति और प्रतिदिन हो रहे ऑपरेशनों की संख्या की बारीकी से जांच की जाएगी। किसी भी स्तर पर लापरवाही मिलने पर जिम्मेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि लक्ष्य सिर्फ आदेशों का पालन करना नहीं है बल्कि दिल्ली की जनता को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना भी है।

व्यावसायिक वाहनों को फर्जी स्टिकर बेचने वाला गिरोह पकड़ा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने एक गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरोह व्यावसायिक वाहनों को %नो एंट्री% से जुड़े प्रतिबंधों से बचने में मदद करने के लिए कथित तौर पर फर्जी स्टिकर बेचता था। अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त संजीव कुमार यादव ने बताया कि रिंकू राणा उर्फ भूषण, सोनू शर्मा और मुकेश कुमार उर्फ पकौड़ी की गिरफ्तारी के साथ ही यातायात से संबंधित धोखाधड़ी करने वाले तीसरे गिरोह का भंडाफोड़ किया है। ये आरोपी जबरन वसूली में शामिल एक अन्य गिरोह से भी जुड़े थे। उन्होंने बताया कि रिंकू राणा सरगना है। वह जो दो हजार से पांच हजार रुपये प्रति माह की दर से नकली %मार्का% या %स्टिकर% बेचकर व्यावसायिक माल वाहनों को प्रतिबंधित घंटों के दौरान आवाजाही की सुविधा प्रदान करता था। %स्टिकर% को यातायात नियमों से संबंधित चालान से बचने के लिए गलत तरीके से पेश किया गया था। पुलिस ने छापा मारने के दौरान 31 लाख रुपये नकदी, कई करोड़ रुपये की संपत्ति से जुड़े दस्तावेज, 500 से अधिक नकली %स्टिकर% और गिरोह को संचालित करने के लिए कथित तौर पर इस्तेमाल करने वाले छह फोन बरामद किए। यह कार्रवाई यातायात पुलिस के एक अधिकारी की ओर से इस साल अप्रैल में दर्ज करवाई गई शिकायत के आधार पर की गई। जांच में पता चला कि अवैध आवाजाही में वाहनों की मदद करने और चालकों को यातायात पुलिस जांच चौकियों के बारे में सूचना देने के लिए सोशल मीडिया ग्रुप का इस्तेमाल किया जाता था।

NAME CHANGE
I hitherto known as PRAGATI TOMAR D/o SATEESH SINGH TOMAR, R/o Jatwan Kalan, Fatehabad, PO: Fatehabad, Distt: Agra, Uttar Pradesh-283111, have changed my name and shall hereafter be known as KM JYOTI, for all future purposes.

NAME CHANGE
I, R SRI PRIYANKA is legally Daughter of No. GO-005533M Rank-PVT SECY Name-K RAMESH R/O H/NO, 4/571 VILL-MANGAMMAPURAM, PO-KANANKAMUTLU, DIST-KRISHNAGIRI, (TAMIL NADU)-635002, have changed my name from R SRI PRIYANKA to SRIPRIYANKA R for all future purposes. Vide affidavit dated 10.02.2026 before Sub Division Magistrate Delhi.

NAME CHANGE
I, No. GO-005533M Rank-PVT SECY Name-K RAMESH R/o H/NO, 4/571 VILL MANGAMMAPURAM, PO-KANANKAMUTLU, DIST-KRISHNAGIRI, (TAMIL NADU)-635002, have changed my name from R SWATHI to SWATHI R for all future purposes. Vide affidavit dated 10.02.2026 before Sub Division Magistrate Delhi

NAME CHANGE
I, M THAMIZ SELVI is legally wife of No. 180338L Rank-SFWALA Name-P GANASAN R/o DOOR NO-3/221, VILL & PO-THIPPANAPALLI, DIST-KRISHNAGIRI (TAMIL NADU)-635115 have changed my name from M THAMIZ SELVI to TAMILSELVI GANESAN for all future purposes. Vide affidavit dated 10.02. 2026 Before Sub Division Magistrate Delhi.

NAME CHANGE
I Himani Sharma Birla W/O. Mohit Birla R/O. E-502, Ambience Tiverton, Plot F-033, Sector 50, Noida, Gautam Budh Nagar, UP 201301 have changed my name to Himani Sharma for all future purpose

NAME CHANGE
I Rakesh Sharma S/O. Hans Raj Sharma R/O. E-502, Ambience Tiverton, Plot F-033, Sector 50, Noida, Gautam Budh Nagar, UP- 201301 have changed my name to Rakesh Kumar Sharma for all future purpose

NAME CHANGE
I, Ria Arora W/O Sumit Arora R/O 217 Tagore park model town dr. Mukherjee nagar north west delhi 110009, changed my name to Riya Arora.

NAME CHANGE
I, Meenakshi is legally wedded wife of JC-340805Y Subedar Ram Niwas, presently serving in HQ DGBR, Delhi Cantt, Delhi-110010 have changed my name from Meenakshi Devi to Meenakshi for all future purposes. Vide affidavit dated 10.02.2026 before Public Notary Delhi. My permanent residential address is VPO -Dhilki Jatan, Tehsil -Nohar, District -Hanumangarh (Rajasthan) PIN -335504.

NAME CHANGE
I, No-2896700W Rank-HAV Name-SANJAY KUMAR Residing at DIDWARA (64), JIND, DIDWARA, HARYANA-126112, have changed my mother□s name from KAMLA DEVI to KAMLA for all future purposes and in my service records my mother□s date of birth wrongly mentioned as 01/07/1958 instead of her correct date of birth as 01/01/1951 vide Affidavit dated 10/02/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I hitherto known as MITHILESH KUMARI alias SHIV DEVI W/o SIYA RAM, R/o H.No. 703, 133 Naya Purwa, T P Nagar, PO: T P Nagar, Distt. Kanpur, Uttar Pradesh-208023, have changed my name and shall hereafter be known as SHIV DEVI, for all future purposes.

NAME CHANGE
I SMITHA MUKALEL KAMALOBHAVAN W/O SURAJ KRISHNAN R/O H-2/14G MAHAVIR ENCLAVE PALAM VILLAGE DELHI-110045,I have changed my name to SMITHA SURAJ Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I BHAIYA RAM SHARMA S/O RAM SWARUP R/O 5/6 BLOCK -B ORTHO PLUS HOSPITAL GOPAL NAGAR NAJAFGARH DELHI-110043, I have changed my name to BHAIYA RAM Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I, B. TULASI is legally daughter of No. GS-187152K Rank-SFWALA Name- BN RAMANA NAIK HQ DGBR R/o 4-126 A B PALLI TANDA MUDIGUBBA A B PALLI TANDA DORIGALLU, DISTT-SRI SATHYA SAI, ANDHRA PRADESH-(515511), have changed my name from B. TULASI to BHUKYA THULASI and date of birth from 06/04/2007 to 07/04/2007 for all future purposes. Vide affidavit dated 10.02.2026 before Sub Division Magistrate Delhi.

NAME CHANGE
I, SUSMITA RAI is a legally wedded spouse of No. GS-186068X Rank PNK Name DHARAMBEER RAY presently residing at DHARMER, SALEMPUR DIST: DEORA, (UTTAR PRADESH)-274509, have changed my from SUSMITA RAI to SUSHMITA RAI and my date of birth from 08/03/1984 to 01/01/1985 for all future purposes. Vide affidavit dated 10.02.2026 before Sub Division Magistrate Delhi.

NAME CHANGE
I, No. GO-005533M Rank-PVT SECY Name-K RAMESH R/o H/NO, 4/571 VILL MANGAMMAPURAM, PO-KANANKAMUTLU, DIST-KRISHNAGIRI, (TAMIL NADU)-635002, have changed my name from R PRIYADARSHANI to PIRYA DHARSHINI R for all future purposes. Vide affidavit dated 10.02.2026 before Sub Division Magistrate Delhi.

NAME CHANGE
I, KAUSHAL BANSAL S/O SURENDRA BANSAL R/O A-403, Geotech Pristine Avenue, Gaur City - 2, Greater Noida West, Chipyana Khurd Urf Tigri, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201009, have changed the name of my minor daughter VIDHI aged 13 years and she shall hereafter be known as VIDHI BANSAL.

NAME CHANGE
I, SURENDERA PRASAD SAHU S/o KAPLESHWAR SAHU R/o 268 - F, Hauzrani Court, Malviya Nagar, South Delhi , Delhi - 110017 have changed the name of my minor daughter SHAUMYA aged 5 years and she shall hereafter be known as SOUMYA KUMARI.

Public Notice
It is for general information that I Rajesh Kumar Tanwar S/O Lal Singh Tanwar, R/O WZ-572 B/2, Naraina Village, South West Delhi, Delhi, 110028, declare that name of mine and my father has been wrongly written as Rajesh Kumar and Lal Singh in my 10th Class educational documents. The actual name of mine and my father are RAJESH KUMAR TANWAR AND LAL SINGH TANWAR, respectively which may be amended accordingly.

Public Notice
It is for general information that I Lalit Saradar S/O Badri Saradar R/O 444 BLK-B II, JJ Colony, Raghubir Nagar, VTC: Tagore Garden, PO: Tagore Garden, District: West Delhi, State: Delhi, PIN Code:110027, declare that name of mine and my father has been wrongly written as Prem Lal and Shyam Lal in my Aadhar card No 3799 7650 4127.The actual name of mine and my father are LALIT SARADAR AND BADRI SARADAR, respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I,JAVED S/O NADIM R/O C-35Y DDA FLATS JAHANGIRPURI DELHI-110033.HAVE CHANGED MY NAME TO SK JAVED ALI.

NAME CHANGE
I, Smt. Chandana Mandal, aged about 41 years, Wife of Late Sh. Shambhu Mandal, Resident of House No. 15A, Gali No. 14, Chhuriya Mohalla, Tughlakabad Village, Badarpur, Post Office: Badarpur, District: South Delhi, Delhi-110044 have changed my Name from Chanda Mandal to Chandana Mandal for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SHAMA PRAVEEN W/O MOHD FURKAN R/O D-490,WEST VINOD NAGAR,SHAKARPUR,DELHI 110092 CHANGED MY NAME TO SHAMA PARVEEN

NAME CHANGE
I, Abdul Mujahid S/O Umardeen R/O R-47 1st Floor Joga bai EXTN jamia nagar Delhi 110025, changed my name to Abdul Mujahid

NAME CHANGE
I, Santosh Kumar Rajak S/O Bhageru Ram R/O 120 A gali no-9 Kripal Singh ki kothi aggarwal dharamshala road meethapur EXTN part 3 south delhi 110044, changed my name to Santosh Kumar.

NAME CHANGE
I Rinku S/o Ramchandra Kashyap R/o 7/138 Guru Ravi Das Nagar, Wazir Hasan Road, PO-Lucknow G.P, Dist-Lucknow, Uttar Pradesh - 226001, have changed my name to Rajeev Kashyap.

NAME CHANGE
I Sahuram S/o Basdev R/o L/21 G, Chalak or Gard Gali, Uttar Pradesh, Sitapur, Sitapur, Sitapur, Biswan, Uttar Pradesh - 261001, have changed my name to Jayram.

NAME CHANGE
I Mahesh Prasad Gupta S/o Ram Prasad Gupta R/o Jangipur, Arsadpur, Ghazipur, Uttar Pradesh-233305, have changed my name to Mahesh Ram.

NAME CHANGE
I Venkatesan S Alias S Venkatesan S/o T Somasundaram R/o 5/14, Gangai Street Athikulam, K Pudur Madurai, VTC- Madurai, PO- K.Pudur, District-Madurai, Tamil Nadu - 625007, have changed my name to Venkatesan Somasundaram

NAME CHANGE
I, Neera Devi D/O Prem Singh R/O House No. 689,Gali No. 5,Balram Nagar, Loni Dehat, PO: Loni , Dist: Ghaziabad, Uttar Pradesh -201102, have changed my name and shall hereafter be known as Neera Bhatia

NAME CHANGE
I, seema rani W/O Dharmender Singh R/O 555 GT road mansarovar park shahdara Delhi 110032, changed my name to Seema

NAME CHANGE
I, CHAUDHARI ARUN DODHU is legally father of No. 2813764L Rank-HAV Name-CHAUDHARI JAGDISH ARUN Presently resident of VILL-BORKHEDA, POST -BORKHEDA, TEH- DHARANGAON,DIST- JALGAON (MAHARASHTRA)-425104, have changed my name from CHAUDHARI ARUN DODHU to ARUN DODHU CHAUDHARI for all future purposes. Vide affidavit dated 29.01.2026 Before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, KALPANA is legally mother of No. 2814244M Rank- SEP Name BADADHE MAHESH MARUTI presently residing at VILL - KODIT BK POST- KODIT TEH-PURANDHAR DIST- PUNE, (MAHARASHTRA)-412301, have changed my name from KALPANA to KALPANA MARUTI BADADHE for all future purposes. Vide affidavit dated 02.02.2026 before Public Notary Delhi.

PUBLIC NOTICE
Be it known to all public that my client Firoza Khatoon W/O Late Mohd Raish, address: H.no-16 S/F Gali No-8,near Parwana Road, Old Brijpuri Krishna nagar, P.O-Krishna Nagar,Distt-East, Delhi-110051, has severed all relations with her Mohd Akib S/o Mohd Raish & Daughter-in-law namely Saiyada Nazish W/o Mohd Akib Both R/o M-74/A First Floor Jagatram park, Laxmi Nagar Distt-East, Delhi-110092,and disowned them from all her (my clients) immoveable and moveable properties due their disobedience and bad behaviour. My Clients are not responsible for any illegal acts or deeds of Mohd Akib & Saiyada Nazish, in any manner in present or future whatsoever.

MADHU SINGH ADVOCATE
CHAMBER NO-512 LAWYERS BLOCK SAKET COURT NEW DELHI-110017

NAME CHANGE
I,Gul Nada W/O. Mustkim R/O. B-82, Second Floor, Panchsheel Vihar,opposite Adarsh Hospital, Malviya Nagar, Delhi-110017 have changed my name to Gulnada Wasi for all future purposes.

NAME CHANGE
I,PREETY W/O TEJINDER R/O H.NO-312, GROUND FLOOR HOUSING BOARD COLONY SEC-07 GURGAON H.R.-122001,HAVE CHANGED MY NAME TO PREETY BANIYA CHHETRY

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, ASMA BEGAM W/O ABRAR HUSAIN R/O 1-2/11/1, GALI NO-1, SANGAM VIHAR, MEHRAULI, SOUTH DELHI, DELHI-110062, declare that name of my minor son has been wrongly written as MD SOIB in my minor son namely MOHAMMAD SUHAIB aged 8 years in his aadhaar card No. 5314 5909 1369. The actual name of my minor son is MOHAMMAD SUHAIB which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I, SHAKEEL AHMED S/o ALI MOHD, R/o H.No. C-182/10-A, Gali No.-2, Chauhan Banger, Seelampur, PO: Seelampur, Distt. North East Delhi, Delhi-110053, declare that name of mine and my father have been wrongly written as SHAKEEL AHMAD and ALI AMAHD in my Voter Card No. XPT0441394, and as SHAKEEL AHAMED and ALI AHAMED in my PAN Card No. APJPA8180P, and as SHAQI AHAMED and ALI MOHMMED in my 10th class Educational Documents. The actual name of mine and my father are SHAKEEL AHMED and ALI MOHD, respectively.

NAME CHANGE
I, SHOBHABAI is legally mother of No. 2813764L Rank- HAV Name CHAUDHARI JAGDISH ARUN presently residing at VILL- BORKHEDA POST BORKHEDA TEH -DHARANGAON DIST - JALGAON (MAHARASHTRA) -425104, have changed my name from SHOBHABAI to SHOBHABAI ARUN CHAUDHARI for all future purposes. Vide affidavit dated 29.01.2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, No. 192946Y Rank- JE(CIV) Name-AJEET SINGH, Ro HQ DGBR, NARAYANA RING ROAD DELHI CANTT-110010, have changed my son name from ARNAV SAKERWAL to ADHIRAJ SAKARWAL for all future purposes. Vide affidavit dated 10.02.2026 before Sub Division Magistrate Delhi.

NAME CHANGE
I, TANU DEVI wife of No.-17007316N, Rank-NK Name-VINOD KUMAR residing at VPO-GOTKA, TEHSIL-SARDHANA, DIST-MEERUT, UTTAR PRADESH-250344, have changed my name from TANU DEVI to TANU CHAUHAN for all future purposes vide Affidavit dated 10/02/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, VIMAL RAKESH LIKHAR W/O RAKESH BALAJI LIKHAR R/O G-167/F-1, RAJ APPARTMENT, DILSHAD COLONY, SHAHDARA, DELHI-110095 have changed my minor son's name from MEHUL name to MEHUL LIKHAR for all future purpose.

NAME CHANGE
I, SUNIL KUMAR GUPTA S/O SHRIKISHAN GUPTA R/O 2464-65 FIRST FLOOR NALWA STREET CHUNNA MANDI, PAHAR GANJ, DELHI-110055 have changed my name to SUNIL GUPTA. for all future purpose.

PUBLIC NOTICE
I, SAROJ W/O SHRI KISHAN R/O 124, KRISHNA GALI, SWAMI RAM TIRATH NAGAR, PAHAR GANJ, DELHI-110055. Declare that SAROJ GUPTA and SAROJ both names are the same and one person.

NAME CHANGE
I, BIMLA DEVI Mother of No. 10136224X Rank-EX HAV Name-HAWA SINGH Residing at-334, RAM MUND MOHALLA, ISSAPUR, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110073, have changed my name from BIMLA DEVI to BIMLA for all future purposes vide affidavit dated 10/02/2026 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE
I, hitherto known as RAMPAL S/O SHANKAR LAL R/O C-123 Lal Bagh, Azad Pur, Dist: North West Delhi, Delhi-110033 have changed my name and shall hereafter be known as SRAMPAL.

NAME CHANGE
I Himani Sharma Birla W/O. Mohit Birla R/O. E-502, Ambience Tiverton, Plot F-033, Sector 50, Noida, Gautam Budh Nagar, UP 201301 have changed my name to Himani Sharma for all future purpose

NAME CHANGE
I Rakesh Sharma S/O. Hans Raj Sharma R/O. E-502, Ambience Tiverton, Plot F-033, Sector 50, Noida, Gautam Budh Nagar, UP- 201301 have changed my name to Rakesh Kumar Sharma for all future purpose

NAME CHANGE
I, Ria Arora W/O Sumit Arora R/O 217 Tagore park model town dr. Mukherjee nagar north west delhi 110009, changed my name to Riya Arora.

NAME CHANGE
I, Neera Devi D/O Prem Singh R/O House No. 689,Gali No. 5,Balram Nagar, Loni Dehat, PO: Loni , Dist: Ghaziabad, Uttar Pradesh -201102, have changed my name and shall hereafter be known as Neera Bhatia

NAME CHANGE
I, MONIKA GARG W/O SACHIN GARG R/O BPTP TERRA,TOWER NO-24, FLAT NO-802, NEAR SUNCITY SCHOOL, SECTOR-37D, GURGAON, HARYANA-122001, HAVE CHANGED MY NAME TO AGARWAL MONIKA VEDPRAKASH FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE
I, hitherto known as ASMA, Wife of MOHD ASIM, residing at House No. 3040, Qazi Wara, Darya Ganj, New Delhi □ 110002, have changed my name and shall hereafter be known as ASMA USMANI.

NAME CHANGE
I, NO-15700699H Rank-CHM Name-CHETTI P legal father of C SHARVESH residing at 19/16B, MAIN ROAD, VILL-MANAKKAL, TALUK-LALGUDI, DISTT- TIRUCHIRAPPALLI, TAMIL NADU- 621601, have changed my minor son□s name from C SHARVESH to SHARVESH C for all future purposes vide affidavit dated 10/02/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-15700699H Rank-CHM Name-CHETTI P legal father of C SHARVESH residing at 19/16B, MAIN ROAD, VILL-MANAKKAL, TALUK-LALGUDI, DISTT- TIRUCHIRAPPALLI, TAMIL NADU- 621601, have changed my minor son□s name from C SHARVESH to SHARVESH C for all future purposes vide affidavit dated 10/02/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I hitherto known as Sachidanand Gupta alias Shankar Sah S/O Soti Gupta, R/O B-784, Inder Enclave Phase -2, Kirari Suleman Nagar, North West Delhi,Delhi -110086, have changed my name and shall hereafter be known as Sachidanand Gupta.

PUBLIC NOTICE
This is to inform general public at large that our client, **Mr. Tarikhat** who have approached **VASTU HOUSING FINANCE CORPORATION LTD.,** for Home Loan of RESIDENTIAL VACANT PLOT NO. 25, LAND AREA MEASURING 80 SQ. YARDS, OUT OF KHASRA NO. 737MIN, SITUATED IN THE AREA OF VILLAGE MASSORI, PARGANA DASNA, TEHSIL AND DIST. GHAZIABAD U.P.
It is to mention that in chain documents Sale Dated 09.06.2014 executed by Mrs. Shaheena Khan W/o Kunwar Ayyub Ali in favour of Mrs. Sadka W/o Mohammad Shoaib in respect of RESIDENTIAL VACANT PLOT NO. 25, LAND AREA MEASURING 80 SQ. YARDS, OUT OF KHASRA NO. 737MIN, SITUATED IN THE AREA OF VILLAGE MASSORI, PARGANA DASNA, TEHSIL AND DIST. GHAZIABAD U.P.are lost somewhere. And the said property having area 60 Sq. yds., is going to be mortgaged in **VASTU HOUSING FINANCE CORPORATION LTD., Ground floor, Plot no. 272, Block - G, Sector 63 NOIDA, pincode-201310.** All persons, if any, including bank, financial institutions, or any party/ies having any claim (Objection to Khasra Number), demand, right, interest in respect of or against the said property or any part thereof by way of inheritance, assignment, mortgage, charge, possession, lien or otherwise, are hereby required to make the same known in writing within 7 days with the documentary evidence from the date of publication, falling which the said claim of the person/s, if any will be considered waived and settled.

Ms. Rani Shilpee (Advocate)
Office Add: H. No. T/181, UGF, Shukar Bazaar, Uttam Nagar, New Delhi-110059

NAME CHANGE
I, SACHIDANAD S/O NAND KISHORE PRASAD residing at H NO-B-503, 5H FLOOR, TOWER-B, SAYA ZENITH, AHINSA KHAND, INDIRAPURAM, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201014. have changed my name to SACHIDANAND for all future purposes.

NAME CHANGE
I, PARVEEN BEGUM W/o MD Rustam R/o A-196, Meer Vihar, Madan Pur Dabas, Delhi-110081, have changed my name to PERVEEN permanently

NAME CHANGE
I, Abdul Mujahid S/O Umardeen R/O R-47 1st Floor Joga bai EXTN jamia nagar Delhi 110025, changed my name to Abul Mujahid

NAME CHANGE
I, MUKESH KUKRETI S/o Janardhan Prasad R/o H.No.51, R.K Puram Delhi-110022, have changed my name to MUKESH KUMAR permanently

NAME CHANGE
I, AYUSH S/o Mukesh Kumar R/o A-2/62B, G/F, Gali No.14, Phase-V, Aya Nagar, Delhi-110047, have changed my name to AYUSH KUMAR permanently

NAME CHANGE
I, KIRAN KUKRETI W/o Mukesh Kumar R/o A-2/62B, G/F, Gali No.14, Phase-V, Aya Nagar, Delhi-110047, have changed my name to KIRAN permanently

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री सोनू नामदेव, पुत्र श्री बेनी प्रसाद और श्रीमती शांति, पत्नी श्री बेनी प्रसाद (खरीदार) ने उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड, शाखा, पता- भूतल, दुकान संख्या 20, बेसमेंट, सेक्टर 14, गुड़गांव से मकान संख्या ईपी-412, 413, नया नंबर 0677/8, जैकुबपुरा, गुरुग्राम के लिए ऋण सुविधा की स्वीकृति और वितरण हेतु संपर्क किया है। मकान का क्षेत्रफल 114.1 वर्ग गज में से 67.3 वर्ग गज है और इसका आवरण क्षेत्र 100 वर्ग फुट है। यह मकान जैकुबपुरा कॉलोनी, गुरुग्राम, हरियाणा में स्थित है (जिसे आगे उक्त संपत्ति कहा गया है)। उक्त संपत्ति श्रीमती निर्मला, पत्नी श्री नरेश अग्रवाल (विक्रेता) की है, जैसा कि विक्रय विलेख दस्तावेज़ में दर्ज है। क्रमांक 14431, बही क्रमांक 1, दिनांक 10.09.2015 को श्रीमती उर्मिला देवी (पत्नी स्वर्गीय श्री हरि राम) और श्री गौरव गोयल दत्तक (पुत्र श्री हरि राम) द्वारा निष्पादित किया गया। प्रारंभ में श्री साधु राम भूमि के स्वामी थे। इसके बाद बिक्रीनामा क्रमांक 1727, बही क्रमांक 1, दिनांक 23.07.1974 को श्री साधु राम द्वारा श्री हरि राम के पक्ष में निष्पादित किया गया। मकान संख्या ईपी-412, 413। दुर्भाग्यवश, श्री हरि राम का देहांत हो गया और वे अपने पीछे निम्नलिखित कानूनी वारिस छोड़ गए- (1) श्रीमती ममता गुप्ता पत्नी श्री मुकुल लाल (श्री हरि राम की पुत्री), (2) श्रीमती सीमा गुप्ता पत्नी श्री सुनील गुप्ता (श्री हरि राम की पुत्री), (3) श्रीमती नीलम गुप्ता पत्नी श्री दीपक गुप्ता (श्री हरि राम की पुत्री), (4) श्रीमती रेखा पत्नी श्री अनिल (श्री हरि राम की पुत्री), (5) श्रीमती पारुल पत्नी श्री नीरज सपरा (श्री हरि राम की पुत्री), (6) श्रीमती उर्मिला देवी पत्नी स्वर्गीय श्री हरि राम और (7) श्री गौरव गोयल दत्तक श्री हरि राम के पुत्र। इसके बाद एक विमोचन विलेख दस्तावेज़। क्रमांक 13027, पुस्तक क्रमांक 1, दिनांक 26.08.2015 को स्वर्गीय श्री हरि राम की पुत्रियों द्वारा श्रीमती उर्मिला देवी, पत्नी स्वर्गीय श्री हरि राम के पक्ष में निष्पादित किया गया था। कुल भूमि क्षेत्र 227 वर्ग गज है। मृत्यु प्रमाण पत्र और एसएमसी अभिलेख में उपलब्ध नहीं हैं। यदि किसी व्यक्ति/संस्था/वित्तपोषक/बैंक का उक्त संपत्ति में दस्तावेजों के आधार पर या अन्यथा किसी भी प्रकार का कोई अधिकार, दावा, स्वामित्व या हित हो, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 7 दिनों के भीतर अपने दावे को संबंधित दस्तावेजों के साथ अधोहस्ताक्षरी के समक्ष प्रस्तुत कर सकता है, अन्यथा इसके बाद किसी भी प्रकार के दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।

दीपक मलिक (अधिवक्ता)
पता □दुकान - 2
कटारिया कॉम्प्लेक्स
दयानंद कॉलोनी, गुडगाँव

सार्वजनिक सूचना
अभिरुचि की अभिव्यक्ति हेतु सूचना: इंडियन स्टाइल रेसलिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया (ISWAI) भारतीय शैली कुश्ती के लिए एक अखिल भारतीय पेशेवर लीग की परिकल्पना, स्थापना, संचालन तथा वाणिज्यिक विकास हेतु वाणिज्यिक साझेदार के रूप में सहभागिता के लिए प्रतिष्ठित एवं सक्षम संगठनों से अभिरुचि की अभिव्यक्तियाँ आमंत्रित करता है। दस्तावेज़ प्राप्त करने एवं आगे के पत्राचार हेतु अनुरोध, ईमेल: iswaiwrestling@gmail.com पर दिनाँक 15 फरवरी, 2026 तक भेजे जाएँ।

Public Notice
It is to inform to the public at large that my clients Smt. Satyam Tahilramani d/o Sh. Ishwar Chander w/o Sh. Ramesh Tahilramani and Sh. Ramesh Tahilramani s/o Sh. Rup Chand R/o 5-B (80) DDA SFS Flats G-8 Area, Rajouri Garden, New Delhi 110064, has Disowned/Debarred their son and daughter in law namely Mr. Gaurav Tahilramani and Kirti Ahuja From all their movable and immovable properties and severed all relations with them because they are not in control of my clients. Anyone dealing with them may do so at his/her own risk and consequences. Henceforth my clients have no concern/relation with them in their life time.

AMIT MALIK advocate
DELHI

NAME CHANGE
I, RAM ASARE is legally father of No. 15786202F Rank- NK (CC) Name-HARI RAM VISHWAKARMA Unit 325 LT AD REGT presently residing at VPO-HANUKHERA, TEH-GOURIHAR, DIST-CHHATARPUR (MADHYA PRADESH)-471515 have changed my name from RAM ASARE to RAM ASHRE VISHWAKARMA for all future purposes. Vide Affidavit Dated 09/02/2026 before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE
I, GANA MANDAL is legally Mother of No. 14841563M Rank- HAV Name- SUDIP KUMAR MANDAL presently residing at VILL-LAHARPARA, PO-BRAMHANPARA TEH-KNDI, DIST-MURSHIDABAD (WEST BENGAL)-742138 have changed my name from GANA MANDAL to GENI MONDAL for all future purposes. Vide Affidavit Dated 10/02/2026 before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE
I, SWAPAN MANDAL is legally father of No. 14841563M Rank-HAV Name- SUDIP KUMAR MANDAL presently residing at VILL-LAHARPARA, PO-BRAMHANPARA TEH-KNDI, DIST-MURSHIDABAD (WEST BENGAL)-742138 have changed my name from SWAPAN MANDAL to SWAPAN KR MANDAL for all future purposes. Vide Affidavit Dated 10/02/2026 before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE
I, SALOCHNA KUMARI is legally Mother of No. 13788099N Rank-RFN Name- KARAN CHANDEL presently residing at VILL-TIBBI, PO-KALRUHI TEH-AMB, DIST-UNA (HIMACHAL PRADESH)-177203 have changed my name from SALOCHNA KUMARI to SALOCHANA DEVI for all future purposes. Vide Affidavit No-IN-DL51159159492314Y Dated 10/02/2026 before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE
I, PRAVEEN KUMAR is legally father of No. 13788099N Rank- RFN Name- KARAN CHANDEL presently residing at VILL-TIBBI, PO-KALRUHI TEH-AMB, DIST-UNA (HIMACHAL PRADESH)-177203 have changed my name from PRAVEEN KUMAR to PARVEEN KUMAR for all future purposes. Vide Affidavit No-IN-DL51161526949343Y Dated 10/02/2026 before Notary Public New Delhi.

सार्वजनिक सूचना
यह आपको सूचित किया जाता है कि श्री मोहम्मद फरहान एवं श्री मोहम्मद घुफरान, यूनिट/फ्लैट संख्या 10/905, 8वीं मंज़िल, जिसका सुपर एरिया 847.04 वर्ग फुट (अर्थात 78.69 वर्ग मीटर) है, को नील पदम कुंज (अभिलाष) वैशाली, गाज़ियाबाद, उत्तर प्रदेश स्थित ग्रुप हाउसिंग कॉम्प्लेक्स में श्रीमती संतोष महाजन से क्रय करने का इरादा रखते हैं। उक्त संपूर्ण संपत्ति के मूल स्वामी श्री अनिल महाजन एवं श्रीमती संतोष महाजन थे, जिन्होंने इस संपत्ति को एम/एस अंसल हाउसिंग एंड कंस्ट्रक्शन लिमिटेड से विक्रय विलेख दिनांक 05.05.2005 के माध्यम से क्रय किया था। दुर्भाग्यवश, श्री अनिल महाजन (पुत्र श्री राम प्रकाश) का दिनांक 06.06.2024 को निधन हो गया, जिनके पश्चात उनके निम्नलिखित वैध उत्तराधिकारी हैं— श्री अंकुर महाजन (पुत्र), श्रीमती प्रेरणा महाजन (पुत्री) एवं श्रीमती संतोष महाजन (पत्नी)। अतः श्री अंकुर महाजन, श्रीमती प्रेरणा महाजन एवं श्रीमती संतोष महाजन उपर्युक्त संपत्ति के पूर्ण एवं विधिक स्वामी हैं। कृपया ध्यान दें कि उक्त संपत्ति का वित्तपोषण कैन फिन होम्स लिमिटेड, आरडीसी गाज़ियाबाद शाखा, उत्तर प्रदेश द्वारा वित्तपोषित (financed) द्वारा किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य

NAME CHANGE
I, NO-15823715W, Rank-HAV Name-TIMMALA RAMESH residing at VILL-DUNNAVURU, PO-YERRAMUKKAM, TEHSIL-MANDASA, DIST-SRIKAKULAM, ANDHRA PRADESH-532263, have changed my mother□s name from TIMMALA MOHINIAMMA to TIMMALA MOHINAMMA for all future purposes and in my service records my mother□s date of birth wrongly mentioned as 08/03/1974 instead of her correct date of birth as 01/01/1974 vide Affidavit dated 10/02/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Ramesh S/o Chanderdev Sah R/o JP - 272 JP Camp, Sector - 20, Rohini, North West Delhi, Delhi - 110086 have changed my name and shall hereafter be known as Ramesh Kumar

NAME CHANGE
I, NO-15823715W, Rank-HAV Name-TIMMALA RAMESH residing at VILL-DUNNAVURU, PO-YERRAMUKKAM, TEHSIL-MANDASA, DIST-SRIKAKULAM, ANDHRA PRADESH-532263, have changed my father□s name from TIMMALA TULASIDAS to TIMMALA TULASIDASU for all future purposes and in my service records my father□s date of birth wrongly mentioned as 04/02/1966 instead of his correct date of birth as 01/01/1966 vide Affidavit dated 10/02/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, SUSHANT KUMAR S/O RAM LAKHAN MAHTO R/O B-80, VASANT KUNJ ENCLAVE, VTC-VASANT KUNJ, PO-VASANT KUNJ,SUB DISTRICT-VASANT VIHAR, DISTRICT-SOUTH WEST DELHI, DELHI-110070 have changed the name of my minor daughter KAAVYA aged 16 years and she shall hereafter be known as KAAVYA MEHTA.

NAME CHANGE
I, JAYATRI DEVI wife of NO-4202404K, Rank-HAV, Name-SANTOSH KUMAR YADAV residing at VPO-BAHADIYA, PS-KHANPUR, TEHSIL-SAIDPUR, DIST-GHAZIPUR, UTTAR PRADESH-233223, have changed my name from JAYATRI DEVI to JAYITRI DEVI for all future purposes, in my husband□s service record my date of birth wrongly mentioned as 25/08/1990 instead of my correct date of birth as 25/08/1986 Vide Affidavit dated 10/02/2026 before Notary Public Delhi.

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता–2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नाम **लव चतुर्वेदी** प्रबंध निदेशक सोनगरा इन्फॉर्मेशन प्राइवेट लिमिटेड, **पताः** सी–66, सेक्टर–63, नोएडा, गौतम बुद्ध नगर, उ.प्र. ने **CC No. 2769/17 U/s 138 NI Act थानाः शाहबाद डेयरी, दिल्ली,** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **लव चतुर्वेदी** मिल नहीं रहा हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **लव चतुर्वेदी** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **CC No. 2769/17 U/s 138 NI Act थानाः शाहबाद डेयरी दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **लव चतुर्वेदी** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **28.03.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री सार्थक पंवार
जेएमएफसी–05 कमरा नंबर 114
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/1788/ON/2026
(Court Matter)

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

पंचकूला कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट व चंडीगढ़ सचिवालय के बाद अब पंचकूला जिला अदालत को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। यह धमकी ई-मेल के माध्यम से मिली। इसके बाद पंचकूला पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और कोर्ट परिसर को खाली करवाया गया। टीम के साथ डॉग स्क्वायड भी मौके पर पहुंचा और तलाशी अभियान चलाया। पुलिस के मुताबिक, पंचकूला कोर्ट के सेशन जज को यह मेल मिला था, जिसमें कोर्ट को बम से उडाने की धमकी दी गई थी। इसकी जानकारी उन्होंने तुरंत पुलिस अधिकारियों को दी। पंचकूला डीसीपी सृष्टि गुप्ता ने बताया कि धमकी भरा मेल आने के बाद कोर्ट परिसर में करीब दो घंटे तलाशी अभियान चलाया गया। जांच में ऐसा कुछ पाया नहीं गया। यह केवल धमकी का ही मामला है, लेकिन फिर भी उन्होंने एहतियातन पूरे कोर्ट परिसर की जांच की गई। पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है।

हरियाणा में चाइनीज मांझे पर रोक, डीजीपी ने दिए सख्ती के निर्देश

चंडीगढ़। प्रदेश में आम नागरिकों की सुरक्षा, पशु-पक्षियों के संरक्षण तथा पर्यावरण संतुलन के मद्देनजर सरकार द्वारा चाइनीज मांझा (कांच, धातु या अन्य नुकीले पदार्थों से लेपित पतंग डोर) पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। हरियाणा पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल द्वारा जारी निर्देशानुसार प्रदेश भर में इस प्रतिबंध का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि चाइनीज मांझा मानव जीवन, पशु-पक्षियों और पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा है। इसके कारण सड़क हादसे, जानलेवा चोटें और पक्षियों की मौत जैसी घटनाएं सामने आती रही हैं। प्रतिबंधित मांझा बेचने, रखने या इस्तेमाल करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। डीजीपी ने आम नागरिकों से अपील की कि वे पतंगबाजी के लिए केवल साधारण सूती डोर का ही उपयोग करें और यदि कहीं चाइनीज मांझा का प्रयोग या बिक्री दिखाई दे तो तुरंत पुलिस को सूचना दें, ताकि किसी भी अनहोनी को रोका जा सके।

पीएम सूर्य घर योजना का लाभ उठाए नागरिकः उपायुक्त

नारनौल। उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने लघु सचिवालय परिसर स्थित सभागार में एक बैठक करते हुए कहा कि पीएम सूर्य घर योजना के तहत कोई भी व्यक्ति अपने घर की छत पर सोलर पैनल लगवा सकता है। इसके लिए सरकार द्वारा 78 हजार रूपये तक की सब्सिडी भी दी जाएगी।

उपायुक्त कुमार ने कहा कि गांव एवं शहरी क्षेत्रों में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत अधिक से अधिक सोलर पैनल स्थापित कराने पर विशेष जोर दिया गया है। यह योजना केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी पहल है, जिसके तहत नागरिकों को सस्ती, स्वच्छ एवं स्थायी ऊर्जा उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि सोलर ऊर्जा

अपनाने से न केवल बिजली बिल में भारी कमी आती है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण और ग्लोबल वार्मिंग से निपटने में भी महत्वपूर्ण योगदान मिलता है। यह योजना आने वाले समय में अनिवार्य भी हो सकती है, इसलिए नागरिकों को अभी उपलब्ध सब्सिडी का अधिकतम लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने बैठक में उपस्थित अधिकारियों से भी अपील की कि वे इस योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

भाजपा युवा मोर्चा ने केंद्रीय बजट पर किया युवा सम्मेलन

हिसार। भारतीय जनता युवा मोर्चा की जिला इकाई की ओर से केंद्रीय बजट 2026 के विषय पर 'युवा सम्मेलन' कुलेरी गांव में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के बड़ी संख्या में युवाओं, पार्टी पदाधिकारियों एवं गणमान्य नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सम्मेलन के दौरान वक्ताओं ने केंद्रीय बजट 2026 में युवाओं के लिए किए गए प्रावधानों–रोजगार सृजन, स्टार्टअप प्रोत्साहन, कौशल विकास, शिक्षा सुधार एवं स्वरोजगार योजनाओं–पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह बजट विकसित भारत के

निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने का सशक्त माध्यम है।कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने सरकार की नीतियों एवं जनहितकारी योजनाओं की जानकारी साझा करते हुए युवाओं से अपील की कि वे इन योजनाओं का लाभ उठाकर राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। सम्मेलन के अंत में उपस्थित युवाओं ने देश के विकास और संगठन को मजबूत करने का संकल्प लिया। भारतीय जनता युवा मोर्चा, जिला हिसार के पदाधिकारियों ने कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी कार्यकर्ताओं एवं उपस्थित युवाओं का आभार व्यक्त किया।

गुरुग्राम में लंबे समय से क्षतिग्रस्त सड़कों का सीएम नायब सैनी ने लिया संज्ञान

बोले, 24 घंटे में गड्ढा मुक्त हो सेक्टर-10ए चौक से द्वारका एक्सप्रेसवे तक की सड़क

एजेंसी

गुरुग्राम। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शहर के सेक्टर-10ए स्थित उमंग भारद्वाज चौक से वाया गाड़ौली होते हुए द्वारका एक्सप्रेसवे तक सड़क की खस्ताहाल स्थिति की शिकायत पर संज्ञान लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि अगले 24 घंटे के भीतर सड़क को गड्ढा-मुक्त किया जाए। साथ ही कहा कि सड़क पर यदि कहीं भी अतिक्रमण है तो उसे प्राथमिकता के आधार पर तुरंत हटाया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि सड़क चाहे किसी भी विभाग एचएसआईआईडीसी, नगर निगम या जीएमडीए के अधीन हो। अगले एक महीने के भीतर सभी सड़कों की मरम्मत कर उन्हें मोटरेबल बनाया जाए। मुख्यमंत्री गुरुग्राम में जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में 17

मामले रखे गए। मुख्यमंत्री ने 12 का मौके पर ही निपटारा किया, जबकि पांच मामलों को आगामी बैठक तक लंबित रखने के निर्देश दिए। बैठक में सेक्टर-85 स्थित कार्नेशन रेजीडेंसी आरडब्ल्यूए द्वारा प्रस्तुत की गई सड़क अवरोध से संबंधित शिकायत पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पिछली बैठक में गंभीरता से संज्ञान लेते हुए संबंधित विभागों की एक समिति का गठन किया था। समिति की रिपोर्ट के आधार पर संबंधित निजी भूमि अब बिल्डर द्वारा खरीद ली गई है तथा वहां बनी पुरानी इमारतों को हटाने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। इसके उपरांत दो सप्ताह के भीतर 24 मीटर चौड़ी संपर्क सड़क का निर्माण किया जाएगा, जिससे सेक्टर-86 मुख्य मार्ग और द्वारका एक्सप्रेसवे से सीधा संपर्क स्थापित हो सकेगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सूरत नगर फेज-1 में लंबे समय से बनी जलभराव की समस्या पर संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को एक माह के भीतर समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि क्षेत्र की सभी प्रभावित गलियों को जलभराव से मुक्त कर उनका जीर्णोद्धार किया जाए, ताकि स्थानीय निवासियों को राहत मिल सके। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि अधिकारी जनहित से जुड़े कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पूरी संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ करें तथा किसी भी स्तर पर कोताही न बरती जाए। सरकार निरंतर जनसमस्याओं की समीक्षा कर रही है, ताकि लोगों को समय पर राहत मिल सके और विकास कार्यों में गति बनी रहे।

हरियाणा सरकार ने डीआरओ व एसडीएम को दिए रजिस्ट्री के अधिकार

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में तहसीलदारों की हड़ताल के चलते प्रदेश में हजारों की संख्या में रजिस्ट्रियां अटक गई हैं। राज्य सरकार ने डीआरओ तथा एसडीएम को रजिस्ट्री के अधिकार दे दिए हैं, ताकि रजिस्ट्री कार्य प्रभावित न हो।हरियाणा के राजस्व विभाग में पिछले कई दिनों से विवाद चल रहा है। पहले प्रदेश में पटवारियों की हड़ताल के चलते आम लोग प्रभावित हुए और अब बीते शुक्रवार से प्रदेश के तहसीलदार हड़ताल पर हैं।

हरियाणा के रेवेन्यू ऑफिसर एसोसिएशन के बैनर तले गुरुग्राम के वजीराबाद में नायब तहसीलदार नरेंद्र कुमार, नारायणगढ़ के नायब तहसीलदार संजीव अत्री व पंचकूला के रायपुर रानी तहसीलदार विक्रम सिंगला को निलंबित किए जाने के बाद तहसीलदार व नायब तहसीलदार नाराज हैं। प्रदेश भर में हड़ताल के कारण दस हजार 77 रजिस्ट्री पेंडिंग पड़ी हैं। हरियाणा के गुरुग्राम में सबसे अधिक 2435 रजिस्ट्री लंबित हो गई हैं जबकि फरीदाबाद में 713, सोनीपत में 647 व रेवाड़ी में 523 रजिस्ट्री लंबित हैं। रजिस्ट्री पेंडिंग होने के कारण लोगों को परेशानी के साथ-साथ प्रदेश सरकार को भी राजस्व का नुकसान हो रहा है।

प्रदेश भर में केवल पंचकूला में एक रजिस्ट्री हुई थी। हरियाणा में रजिस्ट्री बंद होते ही प्रदेश सरकार का रेवेन्यू बंद हो गया। जिस पर सरकार ने कार्रवाई करते हुए डीआरओ और एसडीएम को रजिस्ट्री के अधिकार दे दिए हैं। तहसीलदार व नायब तहसीलदार के पोर्टल से ऐसी काफी सेवाएं हैं, जिनके लिए किसी को भी जिम्मेदारी नहीं सौंपी गई है। इसमें डोमिसाइल, विवाह पंजीकरण, जमाबंद व इंतकाल जैसे कार्य शामिल हैं।

कांग्रेस ने निगम चुनाव के लिए आवेदन देने की अंतिम तिथि बढ़ाई

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में कांग्रेस ने पंचकूला, सोनीपत और अंबाला नगर निगमों में चुनाव के लिए आवेदन की अंतिम तिथि को बढ़ा दिया है। चंडीगढ़ में प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह बात सामने आई कि विभिन्न तरह के प्रमाण पत्र बनवाने में दावेदारों को परेशानी आ रही है। चूंकि राज्य चुनाव आयोग ने भी चुनाव का कार्यक्रम घोषित नहीं किया है, इसलिए चुनाव लड़ने के इच्छुक नये दावेदारों को आवेदन करने की अनुमति दी जानी चाहिए। प्रदेश अध्यक्ष ने तीनों निगमों के लिए अगले आदेश तक आवेदन प्राप्त करने को मंजूरी प्रदान कर दी है। हरियाणा कांग्रेस के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह की अध्यक्षता में हुई अंबाला, सोनीपत और पंचकूला के जिला प्रधानों की बैठक में सह प्रभारी जितेंद्र बघेल व प्रफुल्ल गुडधे भी शामिल हुए। चंडीगढ़ स्थित पार्टी कार्यालय में सोनीपत, फिर अंबाला और उसके बाद पंचकूला नगर निगमों का चुनाव लड़ने के दावेदारों के नामों पर चर्चा हुई। इन दावेदारों के बारे में जिलाध्यक्षों ने अपनी रिपोर्ट प्रदेश अध्यक्ष व सह प्रभारियों को सौंपी। बैठक में तय हुआ कि रेवाड़ी नगर परिषद समेत बाकी शहरी निकायों का चुनाव सिंबल पर लड़ना है अथवा नहीं, यह फैसला वहां की लोकल जिला इकाइयां करेंगी। फिलहाल तीनों नगर निगमों के मेयर और पार्षदों के चुनाव कांग्रेस सिंबल पर लड़ने वाली है। राव नरेंद्र ने कहा कि कांग्रेस जल्दी ही पेंशन कटने के विरोध में पूरे राज्य में प्रदर्शन करेगी।

कृषक, श्रमिक व व्यापारी सहित हर वर्ग के हितों के लिए बजट में विशेष योजनाएं :डॉ. कमल गुप्ता

एजेंसी

हिसार। केंद्रीय बजट पर आधारित व्यापारी बजट गोष्ठी में व्यापारियों व विभिन्न वर्गों के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। जिला बजट टोली द्वारा देवी भवन के गोयंका सदन में आयोजित व्यापारी एवं उद्योग संवाद में पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. कमल गुप्ता मुख्य वक्ता रहे। गोष्ठी की अध्यक्षता भारतीय जनता पार्टी की जिला अध्यक्ष डॉ. आशा रानी खेदड़ ने की। इस अवसर पर जिला बजट टोली के संयोजक अशोक मित्तल, भाजपा जिला महामंत्री आशीष जोशी, सिटी मंडल अध्यक्ष दीपक अग्रवाल, बजट टोली सिटी मंडल के संयोजक अरुण जैन, जिला बजट टोली के सह संयोजक सुरेंद्र लाहौरिया एवं अर्बन मंडल व सब्जी मंडी मंडल की तरफ से राहुल सैनी व लोकेश असीजा उपस्थित

रहे। इस दौरान सुरेंद्र लाहौरिया ने मंच संचालन किया।गोष्ठी में डॉ. कमल गुप्ता ने सोमवार को बजट के विकासपरक पहलुओं को बड़ी सरलता से उजागर किया। उन्होंने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत किए गए बजट को बारीकी से समझाया। कृषक, श्रमिक व व्यापारी को सरकार द्वारा दी गई रियायतों एवं 2047 के रोडमैप को उन्होंने स्पष्ट किया। इसके साथ ही देश को विकास की राह पर अग्रसर करने के लिए बजट के दौरान की गई घोषणाओं का भी उन्होंने विशेष रूप से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि दरअसल कृषक, श्रमिक व व्यापारी सहित हर वर्ग के हितों के लिए बजट में विशेष योजनाएं हैं। गत वर्ष घोषित 12 लाख तक आय पर शून्य कर के ऐतिहासिक निर्णय के आधार पर यह बजट करदाता पर प्राथमिक विश्वास की सरकार की सोच को आगे बढ़ाता है। नए कर ढांचे का अधिसूचन व नियमों के साथ आईटीआर अनुपालन को सरल बनाने हेतु प्रस्तावित है। ऐसी योजनाओं से नागरिक सीधे-सीधे लाभान्वित होंगे।डॉ. आशा खेदड़ ने कहा कि बजट में स्पष्ट हो गया है कि बेटियों व महिलाओं को और अधिक सक्षम व सशक्त बनाने की योजनाएं बनाई गई हैं। उन्होंने कहा कि विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अभियांत्रिकी व गणित शिक्षा में कन्या विद्यार्थियों के समक्ष विद्यमान चुनौतियों के समाधान पर विशेष बल दिया गया है।

देश में खेलों की धरती के रूप में अपनी पहचान बना चुका है हरियाणाः नायब सिंह सैनी

मुख्यमंत्री ने देवीलाल स्टेडियम में मुख्यमंत्री कप-2025 का किया शुभारंभ

एजेंसी

गुरुग्राम। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा खेलों का पावर हाउस बन चुका है, जिसकी माटी फसल ही नहीं उगाती, बल्कि मैदान में चैंपियन भी पैदा करती है। अब हरियाणा केवल किसानों और जवानों की भूमि ही नहीं, बल्कि खेलों की धरती के रूप में पूरे देश में अपनी पहचान बना चुका है। आज राष्ट्रीय खेलों से लेकर ओलंपिक तक हरियाणा की गूंज सुनाई देती है। सरकार का उद्देश्य है प्रदेश का कोई भी प्रतिभाशाली खिलाड़ी संसाधनों के अभाव में पीछे न रहे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी गुरुग्राम स्थित ताऊ देवी लाल स्टेडियम में मुख्यमंत्री कप का शुभारंभ एवं 38वें राष्ट्रीय खेलों के पदक विजेताओं को पुरस्कार वितरित करने के उपरांत उपस्थितगण को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने

राष्ट्रीय खेलों के 417 पदक विजेता तथा प्रतिभागी खिलाड़ियों को लगभग 24 करोड़ रुपये की राशि पुरस्कार स्वरूप प्रदान की। उन्होंने हॉकी खिलाड़ी पद्मश्री सविता पूनिया को भी सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि यह आयोजन हरियाणा की खेल प्रतिभा, अनुशासन, परिश्रम और संकल्प का उत्सव है तथा आज गुरुग्राम की यह पावन धरती दो खेल उत्सवों के रंग में रंगी है। हरियाणा की मिट्टी केवल फसल ही नहीं बल्कि चैंपियन भी पैदा करती है। इस भूमि पर पसीना बहाकर खेलों में इतिहास रचा जाता है। मुख्यमंत्री कप के प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस तीन दिवसीय मुख्यमंत्री कप की छह खेल प्रतियोगिताओं में 3600 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। इस कप में स्वर्ण पदक विजेता को एक लाख रुपये, रजत पदक विजेता को 70 हजार रुपये तथा कांस्य पदक विजेता को 50 हजार रुपये का नकद इनाम दिया जाएगा। हरियाणा के खेल एवं युवा अधिकारिता मंत्री गौरव गौतम ने कहा यह दिन देश के खेल इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज हुआ है जिसमें सेंकड़ों खिलाड़ियों को एक ही अवसर पर सम्मानित किया जा रहा है। 38वें राष्ट्रीय खेलों में हरियाणा के 689 खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिनमें से 153 खिलाड़ियों ने पदक जीतकर प्रदेश और देश का मान बढ़ाया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा एक क्लिक के माध्यम से करोड़ों रुपये की प्रोत्साहन राशि खिलाड़ियों को दी जा रही है, जो खिलाड़ियों के संघर्ष, अनुशासन और समर्पण का सम्मान है। यह पहल न केवल खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाएगी, बल्कि आने वाली पीढ़ी को भी खेलों की ओर प्रेरित करेगी।

मुख्य सचिव ने बताई 'नोशनल वैकेंसी' और 'नोशनल कैटेगरी' की व्याख्या

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार के ऑनलाइन ट्रांसफर अभियान ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी शब्दों के फेर में उलझ गई है। विभागीय अधिकारियों द्वारा इन शब्दों की अपने-अपने तरीके से व्याख्या किए जाने के बाद मुख्य सचिव ने स्वयं स्थिति स्पष्ट की है।

मुख्य सचिव ने मॉडल ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी, 2025 के तहत 'नोशनल वैकेंसी' अर्थात काल्पनिक रिक्ति और 'नोशनल कैटेगरी' अर्थात काल्पनिक श्रेणी शब्दों की एक समान व्याख्या सुनिश्चित करने के लिए स्पष्टीकरण जारी किया है। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी द्वारा सभी प्रशासनिक सचिवों और विभागाध्यक्षों को जारी किए गए पत्र में कहा है कि यह पाया गया कि विभिन्न विभाग इन शब्दों की अलग-अलग व्याख्या कर रहे थे। इससे कार्यान्वयन में असंगति उत्पन्न हुई और मुकदमेबाजी का खतरा बढ़ गया। इस मामले की कानूनी सिद्धांतों, नीति के उद्देश्य और प्रशासनिक व्यावहारिकता के आलोक में जांच की गई, जिसके बाद एक सर्वसम्मत निर्णय लिया गया है। ड्राइव में कोई रिक्ति काल्पनिक नहीं होगी स्पष्टीकरण के अनुसार, ट्रांसफर पॉलिसी के नोटिफिकेशन से पहले मौजूद रिक्तियों के संबंध में, पहले ऑनलाइन ट्रांसफर ड्राइव के दौरान किसी भी पद को काल्पनिक रिक्ति नहीं माना जाएगा या काल्पनिक श्रेणी के अंतर्गत नहीं रखा जाएगा। नीति की अधिसूचना की तिथि और पात्रता तिथि के बीच उत्पन्न रिक्तियों को केवल एक बार के लिए काल्पनिक रिक्तियों या श्रेणियों के रूप में माना जाएगा। इसके अतिरिक्त, पात्रता तिथि के बाद उत्पन्न रिक्तियों को काल्पनिक रिक्ति या श्रेणी के अंतर्गत केवल बाद के स्थानांतरण अभियानों में ही माना जाएगा, वर्तमान प्रक्रिया में नहीं है।

कैबिनेट मंत्री गंगवा ने किया 28 करोड़ की बरसाती जल निकासी परियोजना का शिलान्यास

एजेंसी

हिसार। लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने आजाद नगर क्षेत्र में लगभग 28.11 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली बरसाती जल निकासी परियोजना का शिलान्यास किया। इस परियोजना के पूर्ण होने से क्षेत्र में लंबे समय से चली आ रही जलभराव की गंभीर समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित होगा।मंत्री रणबीर गंगवा ने सोमवार को बताया कि इस परियोजना के माध्यम से आजाद नगर क्षेत्र के लगभग 500 एकड़ क्षेत्र को कवर किया जाएगा। बरसात के मौसम में होने वाले जलभराव से निजात दिलाने के उद्देश्य से इस योजना को तैयार किया गया है। परियोजना के अंतर्गत विभिन्न आकारों की लगभग 14 किलोमीटर लंबी आरसीसी पाइप लाइन बिछाई जाएगी। इसके साथ ही बरसाती पानी की निकासी के लिए 8 पंप स्थापित किए जाएंगे, जिनमें प्रत्येक पंप की क्षमता 18 हजार 500 लीटर प्रति मिनट होगी। पानी के संग्रहण के लिए एक टैंक के निर्माण के साथ-साथ पंपों के संचालन के लिए पंप हाउस भी बनाया जाएगा। कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने बताया कि बिजली आपूर्ति बाधित होने की स्थिति में पंपों के निर्बाध संचालन के लिए

600 केवीए क्षमता के दो जनरेटर भी स्थापित किए जाएंगे। पंपों के माध्यम से निकाला गया बरसाती पानी 800 मिमी साइज की डीआई पाइप लाइन की दो लाइनों के जरिए हिसार मल्टीपरपज ड्रेन में डाला जाएगा, जिनकी कुल लंबाई लगभग 5200 मीटर होगी। इसके अतिरिक्त लघु सचिवालय स्थित बरसाती पानी के डिस्पोजल प्वाइंट पर पंपों की क्षमता 16 क्यूसेक से बढ़ाकर 60 क्यूसेक की जाएगी, जिससे पटेल नगर, जवाहर नगर एवं ग्रीन पार्क क्षेत्र में भी जलभराव की समस्या से राहत मिलेगी। इस अवसर पर नलवा विधायक रणधीर पनिहार, पार्षद सत्यवान पानू, पार्षद गुलाब धानक, मंडल अध्यक्ष सुमन कस्वां, जिला महामंत्री कृष्ण सरसाना, चेयरमैन अजय गावड़, सरपंच भगवान दास, चेयरमैन महेंद्र, जोगीराम खुंडिया, पूर्व पार्षद पिंकी शर्मा, वाइस चेयरमैन सुरेंद्र, साधु राम, दलीप फौजी सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

एसपी ने सुनी पुलिसकर्मियों की समस्याएं, मौके पर किया समाधान

एजेंसी

जींद। पुलिस परिवार के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह ने कार्यालय में विशेष संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान विभिन्न थाना व शाखाओं से आए पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों ने अपनी व्यक्तिगत एवं सेवा संबंधी समस्याएं खुलकर रखीं। पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह ने प्रत्येक कर्मचारी की समस्या को गंभीरता से सुना तथा कई समस्याओं का मौके पर ही समाधान करते हुए संबंधित शाखा प्रभारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने स्पष्ट किया कि पुलिसकर्मी केवल कानून व्यवस्था के रक्षक ही नही बल्कि समाज की सुरक्षा व्यवस्था की रीढ़ हैं। इसलिए उनके कल्याणए मनोबल एवं सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि एक संतुष्ट व प्रेरित पुलिस बल ही आमजन को बेहतर सेवा प्रदान कर सकता है। एसपी कुलदीप सिंह ने कहा कि आज के डिजिटल युग में साइबर अपराधियों से सावधान रहना बहुत जरूरी है। यदि आपने मोबाइल पर एक गलत क्लिक कर दिया तो आपके बैंक खाते से पैसे उड़ाए जा सकते हैं। इसलिए किसी भी सोशल मीडिया पर आए अनजान लिंक पर क्लिक नहीं करें। साइबर ठग फोन काल, वहाट्सअप मैसेज, सोशल मीडिया लिंक, फर्जी बैंक अधिकारी बन कर, केवाईसी अपडेट के नाम पर, ओटीपी मांग कर या ऑनलाइन नौकरी या लोन का झांसा देकर लोगों को ठग रहे हैं। ऐसे में किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक नहीं करें और किसी को भी अपना ओटीपी या पासवर्ड नहीं बताएं। यदि कोई भी संदेह हो तो तुरंत पुलिस को काल करें। एसपी ने पतंगबाजी के दौरान प्रतिबंधित चाइनीज मांझा का प्रयोग नहीं करने की अपील भी की है।

सात दिवसीय सतकुंभा उत्सव का शुभारंभ

एजेंसी

सोनीपत। सोनीपत जिले के गन्नौर के खेड़ी गुज्जर स्थित पावन सिद्धपीठ तीर्थ सतकुंभा धाम में सात दिवसीय दिव्य सतकुंभा उत्सव का सोमवार से विधिवत शुभारंभ हुआ। उत्सव की शुरुआत पूजा-अर्चना, आरती और हवन के साथ हुई। हरियाणा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडौली शुभारंभ कार्यक्रम में शामिल हुए। इसके उपरांत मातृशक्ति को कलश प्रदान कर भव्य कलश यात्रा का शुभारंभ कराया गया। कलश यात्रा में श्रद्धा, अनुशासन और आध्यात्मिक उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिला।

मोहनलाल बडौली ने कहा कि सतकुंभा धाम सनातन संस्कृति का अत्यंत पवित्र केंद्र है, जिसकी आध्यात्मिक चेतना सतयुग से जुड़ी मानी जाती है। यहां से प्रवाहित होने वाली दिव्य ऊर्जा समाज को धर्म, सेवा और शांति के मार्ग पर अग्रसर करती है। उन्होंने कहा कि यह उत्सव केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक एकता और सामाजिक समरसता का जीवंत उदाहरण है, जो ग्रामीणों और श्रद्धालुओं के सहयोग से निरंतर आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि धर्म के मार्ग पर अग्रसर हों। उन्होंने कहा कि वर्तमान पीढ़ी का धर्म

और सेवा से जुड़ना शुभ संकेत है। युवा, भारतीय संस्कारों को अपनाएं और जीवन में एक बार सतकुंभा धाम की यात्रा अवश्य करें, जिससे आत्मिक संतलन और सामाजिक सतकुंभा भी भारत के 68 प्रमुख तीर्थों में विशिष्ट स्थान रखता है। यह सप्तऋषियों की तपोभूमि और साधना स्थली रही है। सात दिवसीय उत्सव का उद्देश्य जन-जन में आध्यात्मिक चेतना का विस्तार करना है। उत्सव के दौरान वेद ज्ञाता आचार्य अमन के नेतृत्व में पांडू पिंडारा से आए कलाकारों ने तलवारबाजी, लाठी और चाबुक के करतब दिखाकर शोभायात्रा को आकर्षक बनाया।

NAME CHANGE

I hitherto known as SANGEETA GANWAL alias SANGEETA DEVI W/o BIRENDER SINGH, R/o Gindo Khar(113), PO: Rewari, Distt. Rewari, Haryana-123401, have changed my name and shall hereafter be known as SANGEETA DEVI, for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Saurabh Adhana S/o Harbir R/o House no.- 3158, Adhana Patti, Bikaner Sweets, Tigaon(95), Faridabad, Haryana - 121101 have changed the name of my Minor Son Kevalin Adhana aged 5 years and he shall hereafter be known as Eklavya Adhana

पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने किया एक साथ सूर्य नमस्कार

एजेंसी

कैथल। आयुष विभाग और हरियाणा योग आयोग के संयुक्त तत्वावधान में पुलिस लाइन कैथल में पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए सूर्य नमस्कार प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य पुलिस बल के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करना था।जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. शकुंतला दहिया के निर्देशन में आयोजित शिविर में योग सहायक अंजू आर्या और संदीप सिंह ने पुलिसकर्मियों को सूर्य नमस्कार की सही विधि, श्वास-प्रश्वास तकनीक और अभ्यास के दौरान आवश्यक सावधानियों की जानकारी दी। संदीप सिंह ने सूर्य नमस्कार को संपूर्ण योग अभ्यास बताते हुए इसके शारीरिक और मानसिक लाभों पर प्रकाश डाला।डॉ. शकुंतला दहिया ने कहा कि सूर्य नमस्कार केवल एक व्यायाम नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा के संतुलन का माध्यम है। यह शरीर की सहनशक्ति और लचीलापन बढ़ाता है, हृदय, फेफड़े

और पाचन तंत्र को मजबूत करता है तथा मानसिक तनाव, चिंता और अवसाद को कम करता है। उन्होंने कहा कि यह एकाग्रता और निर्णय लेने की क्षमता को बढ़ाता है, जो पुलिस जैसे चुनौतीपूर्ण सेवा क्षेत्र के लिए अत्यंत आवश्यक है।इस अवसर पर हरियाणा योग एवं आयुष विभाग द्वारा चलाए जा रहे प्रदेशव्यापी सूर्य नमस्कार अभियान की भी सराहना की गई। कार्यक्रम की सफलता में एएसआई अजय कुमार, विकास और प्रवेश कुमार का विशेष योगदान रहा। शिविर के अंत में सभी प्रतिभागियों ने सूर्य नमस्कार को अपनी दैनिक जीवनशैली में शामिल करने का संकल्प लिया।

इक्विटी म्यूचुअल फंड में गिरावट, गोल्ड और ऋण फंड में निवेश बढ़ा

- जनवरी में निवेश 24,028 करोड़, जो दिसंबर के 28,054 करोड़ की तुलना में 14 प्रतिशत कम

नई दिल्ली ।

जनवरी में इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश 24,028 करोड़ रुपये रह गया, जो दिसंबर के 28,054 करोड़ रुपये की तुलना में 14 प्रतिशत कम है। यह लगातार दूसरा महीना है जब इक्विटी निवेश में गिरावट दर्ज की गई। कमजोर बाजार हालात और वैश्विक भू-राजनीतिक चिंताओं के बीच निवेशक सतर्क बने हुए हैं। अक्टूबर में इक्विटी निवेश 24,690 करोड़ रुपये था, जबकि नवंबर में यह 29,911 करोड़ रुपये था। इक्विटी निवेश में सुस्ती के बावजूद म्यूचुअल फंड उद्योग की कुल प्रबंध अधीन परिसंपत्तियां (एयूएम) बढ़कर 81.01 लाख करोड़ रुपये हो गईं, जो दिसंबर में 80.23 लाख करोड़ रुपये थी। जनवरी में उद्योग में कुल शुद्ध निवेश 1.56 लाख करोड़ रुपये दर्ज किया गया, जबकि दिसंबर में 66,591 करोड़ रुपये की निकासी हुई थी। फलेक्सी-कैप फंड में सबसे अधिक 7,672 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश हुआ। इसके बाद मिड-कैप फंड में 3,185 करोड़ रुपये और लार्ज व मिड-कैप फंड में 3,182 करोड़ रुपये का निवेश हुआ। लार्ज-कैप और स्मॉल-कैप फंड में क्रमशः 2,005 करोड़ और 2,942 करोड़ रुपये का निवेश दर्ज किया गया। कर बचत योजनाओं में 593.69 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी हुई, जो मुनाफावसूली और कर समायोजन को दर्शाती है।

गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) में मांग तेजी से बढ़ी और निवेश दिसंबर के 11,647 करोड़ रुपये से बढ़कर जनवरी में 24,040 करोड़ रुपये हो गया। ऋण म्यूचुअल फंड में भी सुधार दिखा और जनवरी में 74,827 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश दर्ज हुआ, जबकि दिसंबर में इसमें 1.32 लाख करोड़ रुपये की निकासी हुई थी।

पीएमआईएस में होगा बदलाव, इंटर्नशिप अवधि और आयु सीमा में कमी पर विचार

पायलट चरण में 1 लाख प्रशिक्षुओं की भागीदारी

नई दिल्ली । कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय ने प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना (पीएमआईएस) की प्रायोगिक परियोजना में सुधारों का प्रस्ताव व्यय वित्त समिति को सौंपा है। मंत्रालय ने कहा कि योजना को उम्मीदवारों के लिए और अधिक सुलभ और आकर्षक बनाने के लिए इंटर्नशिप की अवधि और आयु सीमा में कमी पर विचार किया जा रहा है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि योजना को पूरी तरह लागू करने से पहले इन बदलावों के साथ उसका परीक्षण किया जाएगा।

पायलट चरण में लगभग 1 लाख प्रशिक्षुओं को शामिल करने का लक्ष्य रखा गया है। वित्त वर्ष 2024-25 में 840 करोड़ रुपये के बजट के साथ योजना की प्रायोगिक परियोजना को मंजूरी दी गई थी। संसद में दिए गए जवाब के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान 31 दिसंबर तक पायलट परियोजना में 64.91 करोड़ रुपये खर्च किए गए। अगले वित्त वर्ष 2026-27 के लिए योजना के लिए 4,800 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इसी वर्ष मंत्रालय ने संशोधित अनुमान के तहत 10,831 करोड़ रुपये में से 541 करोड़ रुपये खर्च किए। पहले चरण में 1.81 लाख उम्मीदवारों से 6.21 लाख आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 3,417 प्रशिक्षुओं ने इंटर्नशिप पूरी की। प्रायोगिक परियोजना के दोनों चरणों में कुल 7,094 उम्मीदवारों ने इंटर्नशिप बीच में छोड़ दी। दूसरे चरण में 4.55 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हुए।

भारत को फार्मा नवाचार हब बनाने नियामकीय सुधार जरूरी: उद्योग दिग्गज

अनुमोदन प्रक्रिया को आसान और तेज करना जरूरी

नई दिल्ली ।

देश के फार्मास्युटिकल उद्योग के प्रमुखों ने कहा है कि भारत को नवाचार के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए तेज, सरल और भरोसेमंद नियामक तंत्र की आवश्यकता है। उद्योग ने आगाह किया कि मंजूरी में देरी, क्लीनिकल परीक्षणों का कमजोर बुनियादी ढांचा और घरेलू नवाचार की कम स्वीकार्यता भारत को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में पीछे छोड़ रही है, जबकि चीन जैसे देश तेजी से मूल्य श्रृंखला में आगे बढ़ रहे हैं। सन फार्मा के एक प्रमुख अधिकारी ने बताया कि भारत में मंजूरी मिलने से पहले अक्सर चरण-1 के परीक्षण बेल्जियम या ऑस्ट्रेलिया में पूरे हो जाते हैं। इससे स्पष्ट होता है कि अगर देश नवाचार का हब बनना चाहता है तो अनुमोदन प्रक्रिया को आसान और तेज करना जरूरी है। उद्योग के दिग्गजों ने हाल ही में लागू की गई सरकारी योजनाओं का स्वागत किया। इनमें पीआरआईपी योजना और 1,000 क्लीनिकल परीक्षण केंद्रों को प्रमाणित करने की पहल शामिल है। उन्होंने कहा कि यह संकेत सकारात्मक हैं, लेकिन असली चुनौती इन पर प्रभावी अमल करना है। उद्योग के दिग्गजों ने मिलकर जोर दिया कि भारत को केवल जेनेरिक दवाओं तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि मूल्यवान नवाचार दवाओं के निर्माण की दिशा में तेजी से बढ़ना चाहिए।

उद्योग के दिग्गजों का मानना है कि भारत फार्मा नवाचार के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व हासिल कर सकता है, यदि नियामकीय प्रक्रियाओं में सुधार, क्लीनिकल परीक्षणों का मजबूत ढांचा और नवाचार को प्रोत्साहन दिया जाए।

छमाही में कंपनियों का कैपेक्स 6 साल के उच्च स्तर पर

वित्त वर्ष 2026 की पहली छमाही में कंपनियों का पूंजीगत खर्च 13.1 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली ।

भारतीय कॉरपोरेट क्षेत्र में निवेश गतिविधियां तेज़ होती दिख रही हैं। चालू वित्त वर्ष 2026 की पहली छमाही में सूचीबद्ध कंपनियों के पूंजीगत खर्च (कैपेक्स) में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई है। बैंक, वित्त और बीमा (बीएफएसआई) तथा तेल एवं गैस क्षेत्र को छोड़ दें तो अन्य क्षेत्रों की कंपनियों की कुल स्थिर संपत्तियां इस अवधि में 13.1 फीसदी बढ़ीं, जो पिछले छह वर्षों में सबसे तेज़ वृद्धि है। 702 कंपनियों की कुल स्थिर संपत्तियां सितंबर 2025 के अंत तक बढ़कर 37.78 लाख करोड़ रुपये हो गईं। इससे पहले यह आंकड़ा वित्त वर्ष 2025 की समान अवधि में 33.41 लाख करोड़ रुपये और मार्च 2025 के अंत में 36.33 लाख करोड़ रुपये था। इसके मुकाबले वित्त वर्ष 2025 की पहली छमाही में कैपेक्स वृद्धि 7.9 फीसदी और दूसरी छमाही में 6.9 फीसदी रही थी। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में पूंजीगत खर्च में बढ़ोतरी का मुख्य श्रेय सीमेंट, बिजली, निर्माण एवं बुनियादी ढांचा, खनन, धातु और वाहन क्षेत्रों को जाता है। इस दौरान ग्रासिम इंडस्ट्रीज ने सबसे बड़ा योगदान दिया। इसके बाद अदाणी एंटरप्राइजेज, एनटीपीसी, टाटा स्टील और पावर ग्रिड का स्थान रहा। कुल कैपेक्स में इन पांच कंपनियों की हिस्सेदारी लगभग 30 फीसदी रही। ग्रासिम की स्थिर संपत्तियां सालाना आधार पर 30 फीसदी बढ़कर 1.25 लाख करोड़ रुपये हो गईं, जिसका बड़ा कारण उसकी सीमेंट इकाई अल्ट्राटेक सीमेंट का विस्तार है। अल्ट्राटेक की स्थिर संपत्तियां पहली छमाही में 41.2 फीसदी बढ़ीं। इसके अलावा कई कंपनियों में अधिग्रहण के चलते भी स्थिर संपत्तियों में तेज़ बढ़ोतरी दर्ज की गई। यदि रिलायंस इंडस्ट्रीज, इंडियन ऑयल और ओएनजीसी को शामिल किया जाए, तो इस अवधि में कॉरपोरेट कैपेक्स वृद्धि 20 फीसदी से अधिक रही।

आरबीआई ने एमएसई के लिए 20 लाख तक का कोलैटरल-फ्री लोन देने की घोषणा की

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सूक्ष्म और लघु उद्यम (एमएसई) के लिए नए निर्देश जारी किए हैं। इन निर्देशों के तहत अब एमएसई 20 लाख रुपए तक का लोन बिना किसी संपत्ति को गिरवी रखे (कोलैटरल-फ्री) ले सकते हैं। यह संशोधन सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र को लोन देने संबंधी पुराने नियमों में बदलाव है। आरबीआई ने यह भी बताया कि ये नए निर्देश 1 अप्रैल 2026 से लागू होंगे। आरबीआई का उद्देश्य है कि सीमित संसाधनों वाले छोटे उद्यमों तक वित्तीय सहायता आसानी से पहुंचे। इससे वे अपने व्यवसाय का विस्तार कर सकेंगे और बैंकिंग सुविधाओं का लाभ उठा पाएंगे। इसके अलावा, यह कदम एमएसई क्षेत्र में लोन वितरण प्रक्रिया को तेज और आसान बनाने के लिए भी उठाया गया है। एमएसएमई उद्योगों को मदद देने के लिए सरकार ने भी नए कदम उठाए हैं। डाक चैनल के माध्यम से होने वाले निर्यात को अब आरओडीटीईपी और आरओएससीटीएल जैसे लाभों से जोड़ा गया है। इससे छोटे उद्योग जो डाक सेवा के जरिए विदेशों में सामान भेजते हैं, उन्हें शुल्क और करों में छूट मिलेगी। यह नियम

15 जनवरी 2025 से लागू हैं। छोटे उद्योगों को मिलेंगे फायदे- 20 लाख तक का कोलैटरल-फ्री लोन आसानी से मिलेगा, बैंकिंग प्रक्रिया सरल और तेज होगी, डाक चैनल से निर्यात करने वाले उद्योगों को वित्तीय और कर लाभ प्राप्त होंगे एवं एमएसई क्षेत्र का विकास और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ेगी। आरबीआई और सरकार के इन कदमों से छोटे और लघु उद्यमों को वित्तीय और बाजार में स्थिरता मिलने की संभावना है, जिससे देश के एमएसएमई क्षेत्र को मजबूती मिलेगी।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 20 पैसे की गिरावट के साथ ही 90.48 रुपये पर बंद हुआ। आज सुबह रुपया शुरुआती कारोबार में 11 पैसे गिरकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.77 पर पहुंच गया। भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते पर सहमति के बाद से मुद्रा बाजार में उत्साह की बजाय सतर्कता का माहौल बना हुआ है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.63 पर खुला। फिर और टूटकर 90.77 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 11 पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया सोमवार को उतार-चढ़ाव भरा कारोबार करते हुए अंत में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.66 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 फीसदी की गिरावट के साथ 97.79 पर रहा।

ट्रेड डील के बाद विदेशी निवेशकों का भरोसा, भारतीय शेयर बाजार में बढ़ा

मुंबई । अमेरिका के साथ भारत की ट्रेड डील को लेकर जो समझौता हुआ है। इसका असर भारत के शेयर बाजार में देखने को मिल रहा है।विदेशी निवेशकों ने भारत के शेयर बाजार में निवेश करना शुरू कर दिया है। इससे बाजार में तेजी का माहौल देखने को मिल रहा है। ट्रेड डील के बाद विदेशी निवेशकों ने लगभग 15000 करोड रुपए के भारतीय कंपनियों के शेयर खरीदे हैं। जिसके कारण बाजार में एक बार फिर रौनक आ गई है।विदेशी निवेश आने के कारण डॉलर के मुकाबले रुपए में सुधार हुआ है।विदेशी निवेशक भारतीय बाजार में छोटी और मझोली कंपनियों के साथ-साथ लार्ज कैप में भी निवेश कर रहे हैं। भारत और अमेरिका के बीच जो अंतरिम व्यापार समझौता हुआ है। जिस तरह से आयात शुल्क कम करने की बात सामने आ रही है। भारत से सी-फूड, जेम्स ज्वेलरी, टेक्सटाइल, केमिकल्स, दवाएं और डिफेंस कंपनियों के शेयर में तेजी का माहौल देखने को मिल रहा है। माना जा रहा है कि ट्रेड डील के बाद भारत के आयात और निर्यात कारोबार मैं वृद्धि होगी। इसका असर भारतीय शेयर बाजार में देखने को मिल रहा है। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है। जिस तरह से दुनिया के देशों में आर्थिक अस्थिरता देखने को मिल रही है। ऐसी स्थिति में शेयर बाजार में सोच समझकर निवेश करने की जरूरत है। भारत के शेयर बाजार में एक ही समय पर तेजड़िये और मंदडिये सक्रिय हो जाते हैं। उसको देखते हुए शेयर बाजार में स्थिरता बनी रहेगी,यह कहना मुश्किल है।

क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन गुजरात में लगाएगी नया कृषि-रसायन संयंत्र

- कंपनी ने गुजरात में 31 एकड़ भूमि खरीदी, कृषि-रसायन संयंत्र में करेगी 100 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली । कृषि-रसायन क्षेत्र की कंपनी क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन ने गुजरात के झगड़िया में 31.06 एकड़ भूमि खरीदी है। कंपनी अगले तीन वर्षों में इस स्थान पर स्वचालित विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने के लिए 100 करोड़ रुपये निवेश करेगी। संयंत्र की प्रारंभिक उत्पादन क्षमता सालाना 50,000 टन होगी। बढ़ती मांग को देखते हुए इसे 1,20,000 टन तक बढ़ाया जा सकेगा। संयंत्र में आधुनिक तकनीक का उपयोग किया जाएगा। संयंत्र में खरपतवारनाशी, फफूंदनाशी और कीटनाशी तैयार किए जाएंगे। प्रमुख उत्पादों में टॉपर, टिल्ट, प्रोक्लेम, मिसाइल और एसीएम-9 शामिल हैं। कंपनी का लक्ष्य घरेलू बाजार के साथ एशिया और अफ्रीका में निर्यात बढ़ाना है। गुजरात को चयनित करने के पीछे कारण हैं किफायती लागत, नियामकीय स्थिरता और मजबूत आपूर्ति श्रृंखला। झगड़िया संयंत्र को दहेज, हजीरा और जेएनपीटी बंदरगाहों तक आसान पहुंच भी मिलेगी। क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन के एक अधिकारी ने कहा कि यह संयंत्र कंपनी की वैश्विक प्रतिबद्धता और उत्पादन क्षमता को और मजबूत करेगा।

हैप्पिएस्ट माइंड्स मुनाफा 19.6 प्रतिशत घटकर 40.3 करोड़ हुआ

नई दिल्ली । सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी हैप्पिएस्ट माइंड्स टेक्नोलॉजीज का अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 19.56 प्रतिशत घटकर 40.3 करोड़ रुपये रह गया। पिछली वित्त वर्ष (2024-25) की समान तिमाही में यह 50.1 करोड़ रुपये था। कंपनी के अनुसार यह गिरावट मुख्य रूप से नए श्रम संहिता के लागू होने से जुड़े एकमुश्त प्रभाव (22.03 करोड़ रुपये) के कारण आई। समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी की परिचालन आय 10.69 प्रतिशत बढ़कर 587.56 करोड़ रुपये रही, जबकि पिछली तिमाही में यह 530.81 करोड़ रुपये थी। तिमाही आधार पर आय में 2.43 प्रतिशत की वृद्धि हुई। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मजबूत नकदी प्रवाह और एआई फर्स्ट दृष्टिकोण के साथ दीर्घकालिक मूल्य सृजन पर ध्यान जारी है। कंपनी एआई और जेन एआई में निवेश बढ़ाएगी और वित्त वर्ष 2026-27 तक 1000 से अधिक लोगों का समर्पित दल बनाने की योजना रखती है।

बांग्लादेश-अमेरिका व्यापार समझौते से आरएमजी क्षेत्र को बड़ी राहत

ढाका ।

बांग्लादेश और अमेरिका ने व्यापार समझौते पर सहमति जताई है, जिसके तहत बांग्लादेश से आने वाले कुछ वस्त्र और परिधान उत्पादों पर अमेरिकी शुल्क को घटाकर 19 फीसदी कर दिया गया है। खासकर अमेरिका में उत्पादित कपास और मानव निर्मित फाइबर से बने रेडीमेड गारमेंट्स (आरएमजी) को शून्य शुल्क पर अमेरिकी बाजार में प्रवेश मिलेगा। यह समझौता नौ महीने की बातचीत के बाद हुआ है। समझौते में अमेरिका से गेहूं, सोयाबीन और एलएनजी आयात, ई-कॉमर्स पर शुल्क न लगाना, अमेरिकी बौद्धिक संपदा अधिकार मानकों का पालन और डब्ल्यूटीओ सुधारों में सहयोग जैसे प्रावधान शामिल हैं। अमेरिका में वाणिज्य सलाहकार शेख बशीर उद्दीन और अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने इस समझौते पर हस्ताक्षर किए। आरएमजी क्षेत्र बांग्लादेश की कुल निर्यात आय में 80 फीसदी से अधिक हिस्सेदारी रखता है। यह क्षेत्र लगभग 40 लाख लोगों को रोजगार देता है, जिनमें अधिकांश महिलाएं हैं, और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में इसका योगदान करीब 10 फीसदी है। व्यापार विश्लेषकों का मानना है कि यह समझौता निर्यातकों के लिए बड़ी राहत है। समझौता ऐसे समय हुआ है जब बांग्लादेश में 12 फरवरी को आम चुनाव होने हैं। अमेरिकी शुल्क कटौती पर हाल ही में अमेरिका-भारत व्यापार समझौते का भी प्रभाव पड़ा हो सकता है। बांग्लादेश के मुख्य प्रतिस्पर्धी वियतनाम पर 20 फीसदी शुल्क, जबकि पाकिस्तान, कंबोडिया और इंडोनेशिया पर 19 फीसदी शुल्क लगाया गया है। बांग्लादेश ने अमेरिकी बोइंग से 25 विमान खरीदने की सहमति दी है, जिसकी अनुमानित लागत 30,000-35,000 करोड़ टका है। यह कदम अमेरिकी शुल्क में रियायत पाने के व्यापक प्रयासों का हिस्सा है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 208 , निफ्टी 67 अंक ऊपर आया

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आई है। आज वाहन और धातु शेयरों में जमकर खरीदारी हुई जिससे बाजार को बल मिला। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 208.17 अंक बढ़कर 84,273.92 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 67.85 अंक उछलकर 25,935.15 पर बंद हुआ। आज निफ्टी ऑटो, निफ्टी मेटल, निफ्टी कंजप्शन, निफ्टी इंडिया डिफेंस, निफ्टी पीएसई और निफ्टी कमोडिटीज के शेयरों में तेजी रही जबकि फ्टी फार्मा, निफ्टी हेल्थकेयर और निफ्टी पीएसयू बैंक के शेयरों में गिरावट रही।

आज लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी तेजी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 294.75 अंक बढ़कर 60,735.90 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 65.30 अंक उछलकर 17,451.20 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स पैक में टाटा स्टील, एमएंडएम, पावर ग्रिड, टेक महिंद्रा, एनटीपीसी, एलएंडटी, टीसीएस, मारुति सुजुकी, एक्सिस बैंक, एचयूएल, आईसीआईसीआई बैंक, ट्रेंट, टाइटन, सन फार्मा और बजाज फिनसर्व के शेयरों को लाभ हुआ जबकि एचसीएल टेक, बजाज फाइनेंस, भारती एयरटेल, एशियन पेंट्स, एचडीएफसी बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, आईटीसी, एसबीआई, इंडिगो और बीईएल के शेयर गिरे।

इससे पहले आज सुबह बाजार की मजबूती के साथ शुरुआत हुई। सुबह बीएसई सेंसेक्स अपने पिछले बंद स्तर से करीब 144 अंकों की तेजी के साथ 84,210 के स्तर पर खुला और शुरुआती कारोबार में 84,270 के आसपास पहुंच गया। वहीं निफ्टी 50 भी करीब 57 अंकों की बढ़त के साथ 25,922.65 के स्तर पर कारोबार शुरू किया। सुबह शुरुआत के बाद सेंसेक्स 200 से ज्यादा अंकों की मजबूती के साथ 84,270 के ऊपर ट्रेड करता दिखा। निफ्टी भी 56 अंकों की तेजी के साथ 25,924 के आसपास बना रहा। आजएशियाई बाजारों में जापान का निक्केई, दक्षिण कोरिया का कोस्पी और ऑस्ट्रेलिया के शेयर बाजार हरे निशान में कारोबार करते नजर आए।

मोटर वाहन बिक्री में जोरदार उछाल, ग्रामीण बाजार में मांग बढ़ी

- जनवरी में यात्री वाहन बिक्री 5,13,475 इकाई रही, एक साल पहले 4,78,915 से 7 प्रतिशत अधिक

नई दिल्ली ।

देश में जनवरी 2026 में मोटर वाहनों की खुदरा बिक्री में सालाना आधार पर लगभग 18 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। वाहन डीलर निकाय फाडा के अनुसार कुल बिक्री 27,22,558 इकाई रही, जो जनवरी 2025 की 23,14,940 इकाई की तुलना में 17.61 प्रतिशत अधिक है। यह वृद्धि ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर नकदी प्रवाह, जीएसटी में बदलाव के बाद नीति स्थिरता और मालवाहन मांग में स्पष्टता से जुड़ी है। जनवरी में यात्री वाहन बिक्री 5,13,475 इकाई रही, जो एक साल पहले की 4,78,915 इकाई से 7 प्रतिशत अधिक है। फाडा के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में सालाना आधार पर बिक्री 14.43 प्रतिशत बढ़ी, जबकि शहरी क्षेत्र में सिर्फ 2.75 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इस वृद्धि में एसयूवी/कॉम्पैक्ट एसयूवी की लोकप्रियता, छोटी कारों की वापसी और उत्पाद उपलब्धता का योगदान रहा। दो-पहिया वाहनों की खुदरा बिक्री में सालाना 21 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 18,52,870 इकाई तक पहुंच गई। ट्रैक्टर की बिक्री भी 23 प्रतिशत बढ़कर 1,14,759 इकाई हो गई। विग्नेश्वर ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में त्योहारों, शादी के मौसम और बेहतर

वहनीयता से मांग में इजाफा हुआ है। तीन-पहिया वाहनों की बिक्री में 19 प्रतिशत और वाणिज्यिक वाहनों में 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई। इन आंकड़ों से मालवाहन और छोटे व्यवसायों में मांग की स्थिरता का संकेत मिलता है। फाडा के सर्वेक्षण के अनुसार, 79.7 प्रतिशत डीलर आगामी तीन महीनों में बिक्री वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं, जबकि केवल 1.88 प्रतिशत ने गिरावट की आशंका जताई। जीएसटी में बदलाव, कृषि और बुनियादी ढांचा पर जोर देने वाला बजट, और ब्याज दरों की स्थिरता से वाहन खरीद में उत्साह बढ़ा है।

एक्मे सोलर को मध्य प्रदेश में 220 मेगावाट की सौर परियोजना मिली

नई दिल्ली । एक्मे सोलर होल्डिंग्स को मध्य प्रदेश के मुरैना सोलर पार्क में 220 मेगावाट की सौर परियोजना मिली है। इस परियोजना में बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) भी शामिल होगी। यह परियोजना रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर लिमिटेड द्वारा जारी 440 मेगावाट की निविदा का हिस्सा है। परियोजना के लिए निविदा दर-आधारित प्रतिस्पर्धी प्रक्रिया के तहत जारी की गई थी। नीलामी सितंबर 2025 में इलेक्ट्रॉनिक रिवर्स तरीके से आयोजित की गई। परियोजना का अधिकतम वार्षिक क्षमता उपयोग कारक 35 प्रतिशत है। सुबह और शाम दो-दो घंटे, कुल चार घंटे की उच्चतम मांग आपूर्ति सुनिश्चित करनी होगी। इस दौरान बिजली की सालाना 95 प्रतिशत उपलब्धता अनिवार्य है। परियोजना 25 साल की विद्युत खरीद संधि (पीपीए) के तहत संचालित होगी। इसमें सौर ऊर्जा और बैटरी भंडारण तकनीक का संयोजन होगा। विद्युत खरीद संधि मध्य प्रदेश पावर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड और रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर लिमिटेड के साथ होगी।

सदन ठप, सवाल अनुत्तरित लोकतंत्रकी कसौटी पर कांग्रेस का रवैया

कांतिलाल मांडोत

लोकसभा में विपक्ष का अधिकार बहस करना, सवाल उठाना और सरकार को जवाबदेह ठहराना है। यह अधिकार संविधान और संसदीय परंपराओं से सुरक्षित है। लेकिन जब यह अधिकार सदन को चलने ही न देने की जिद में बदल जाए, तो वह लोकतंत्र की मजबूती के बजाय उसकी कमजोरी का संकेत बन जाता है।

संसद का बजट सत्र देश की आर्थिक दिशा तय करने का सबसे महत्वपूर्ण मंच होता है, लेकिन जब यही मंच हंगामे, नारेबाजी और रणनीतिक अवरोध का अखाड़ा बन जाए, तो सवाल सिर्फ कार्यवाही के ठप होने का नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक जिम्मेदारी के क्षरण का भी उठता है। हालिया घटनाक्रम में लोकसभा स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस, प्रश्नकाल का बार-बार स्थगन और विपक्ष का निरंतर विरोध, इसी चिंता को गहरा करता है। इस पूरे परिदृश्य में कांग्रेस की भूमिका पर गंभीर आत्ममंथन की जरूरत है।

लोकसभा में विपक्ष का अधिकार बहस करना, सवाल उठाना और सरकार को जवाबदेह ठहराना है। यह अधिकार संविधान और संसदीय परंपराओं से सुरक्षित है। लेकिन जब यह अधिकार सदन को चलने ही न देने की जिद में बदल जाए, तो वह लोकतंत्र की मजबूती के बजाय उसकी कमजोरी का संकेत बन जाता है। बजट सत्र के लगातार दिनों तक बाधित रहने से आम जनता के मुद्दे, आर्थिक नीतियों पर चर्चा और विकास से जुड़े सवाल पीछे छूट जाते हैं। कांग्रेस, जो स्वयं को लोकतंत्र की प्रहरी बताती है, यदि उसी लोकतांत्रिक प्रक्रिया को बाधित करती दिखे, तो उसकी विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगना स्वाभाविक है।

लोकसभा स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाना कोई असाधारण बात नहीं है। संसदीय इतिहास में यह प्रक्रिया पहले भी अपनाई गई है। लेकिन इस कदम का औचित्य तभी बनता है, जब यह संसदीय मयार्दा और ठोस तर्कों के साथ उठाया जाए। मौजूदा मामले में विपक्ष का आरोप है कि स्पीकर पक्षपातपूर्ण रवैया अपना रहे हैं और विपक्षी नेताओं को बोलने नहीं दिया जा रहा। यदि यह सच है, तो इसका समाधान भी संसदीय संवाद और नियमों के तहत होना चाहिए। सदन के भीतर नारेबाजी, वेल में आकर हंगामा और बार-बार कार्यवाही ठप कराना, किसी भी तरह से समाधान नहीं है।

कांग्रेस का रवैया यहां विरोध से अधिक टकराव का नजर आता है। राहुल गांधी को बोलने देने की मांग को लेकर पूरा सत्र बाधित करना, जबकि देश की आर्थिक नीतियों पर चर्चा लंबित हो, यह दशार्ता है कि पार्टी प्राथमिकताओं को लेकर भ्रमित है। लोकतंत्र में व्यक्ति से बड़ा संस्थान होता है। संसद किसी एक नेता का मंच नहीं, बल्कि 140 करोड़ नागरिकों की आवाज का प्रतिनिधि सदन है। यदि किसी नेता को बोलने में आपत्ति है, तो उसके लिए नियम, अध्यक्ष और संसदीय समितियां मौजूद हैं। सत्र को ही ठप कर देना, लोकतांत्रिक दबाव नहीं, बल्कि राजनीतिक हठधर्मिता है।

कांग्रेस का इतिहास बताता है कि जब वह सत्ता में रही, तब विपक्ष की आवाज को दबाने के आरोप उस पर भी लगे। ऐसे में आज नैतिक ऊंचाई का दावा करना, बिना आत्मालोचना के, खोखला लगता है। संसदीय परंपराएं दोतरफा जिम्मेदारी मांगती हैं। सरकार को विपक्ष की बात सुननी चाहिए, लेकिन विपक्ष का भी कर्तव्य है कि वह सदन की गरिमा बनाए रखे। हाथ जोड़कर बजट पर चर्चा की अपील करना किसी मंत्री की कमजोरी नहीं, बल्कि संसदीय परंपरा को बचाने का प्रयास है। इसके बावजूद हंगामा जारी रहना, कांग्रेस की नकारात्मक राजनीति को उजागर करता है।

स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव को लेकर भी कांग्रेस की रणनीति अस्पष्ट दिखती है। एक ओर प्रस्ताव का नोटिस दिया जाता है, दूसरी ओर प्रमुख नेता खुद उस पर हस्ताक्षर नहीं करते। यह दोहरा संदेश पार्टी की आंतरिक असमंजस को दशार्ता है। यदि स्पीकर सचमुच पक्षपात कर रहे हैं, तो पार्टी को एकजुट और स्पष्ट रुख अपनाना चाहिए था। लेकिन यहां यह कदम अधिक प्रतीकात्मक विरोध जैसा प्रतीत होता है, जिसका उद्देश्य समाधान नहीं, बल्कि राजनीतिक दबाव बनाना है। संसद में महिला सांसदों के साथ हुई घटनाओं, बैनर और पोस्टर की राजनीति, और पुस्तक विवाद जैसे मुद्दों को जिस तरह तूल दिया गया, उसने मूल प्रश्नों को हाशिए पर धकेल दिया। देश महंगाई, रोजगार, वैश्विक व्यापार और सुरक्षा जैसे मुद्दों पर स्पष्ट बहस चाहता है। लेकिन कांग्रेस का फोकस बार-बार ऐसे विवादों पर रहा, जिनसे सदन का समय नष्ट हुआ। यह रवैया न तो विपक्ष की परिपक्वता दिखाता है और न ही लोकतंत्र के प्रति प्रतिबद्धता।

लोकतंत्र में विरोध जरूरी है, लेकिन रचनात्मक विरोध उससे भी अधिक जरूरी है। कांग्रेस यदि सचमुच जनता की आवाज बनना चाहती है, तो उसे सड़क की राजनीति को संसद के भीतर दोहराने से बचना होगा। संसद संवाद का मंच है, संघर्ष का नहीं। यहां तर्क, तथ्य और नीति से सरकार को घेरा जाता है, न कि शोर और अवरोध से। हर बार सदन ठप कर देना आसान रास्ता हो सकता है, लेकिन इससे न तो जनता का भरोसा बढ़ता है और न ही लोकतांत्रिक संस्थाएं मजबूत होती हैं।

अंततः सवाल यह नहीं है कि कौन जीता या हारा, बल्कि यह है कि संसद चली या नहीं। बजट सत्र का समय अमूल्य होता है। इसे बाधित कर कांग्रेस ने न सिर्फ सरकार को, बल्कि देश को नुकसान पहुंचाया है। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका सत्ता को असहज करना नहीं, बल्कि उसे जवाबदेह बनाना है। इसके लिए सदन का चलना अनिवार्य है। यदि कांग्रेस इस मूल सिद्धांत को नहीं समझती, तो उसका विरोध लोकतांत्रिक नहीं, बल्कि अवरोधकारी राजनीति के रूप में ही देखा जाएगा।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि के लिए नुकसान का पहलू

अमेरिका में टैरिफ 18 प्रतिशत होने से भारत के श्रम-केंद्रित उद्योगों को राहत मिलेगी। लेकिन अमेरिका की भू-राजनीतिक रणनीतियों से जुड़ी शर्तें डील में शामिल हुईं, तो आर्थिक के साथ-साथ भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि के लिए भी वो हानिकारक बात होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात करने के बाद डॉनल्ड ट्रंप ने अपने चिर-परिचित अंदाज में भारत से ट्रेड डील होने का एलान किया। कहा कि इसके तहत अमेरिका भारत पर ह्यलिबरेशन डे टैरिफह्व को 25 से घटा कर 18 प्रतिशत कर देगा। बदले में भारत रूस से कच्चा तेल खरीदना बंद करेगा, अमेरिका से व्यापार में टैरिफ एवं गैर-टैरिफ रुकावटों को शून्य कर देगा, और 500 बिलियन डॉलर के ऊर्जा, तकनीक, कृषि, कोयला एवं अन्य उत्पाद खरीदेगा। 500 बिलियन डॉलर का अर्थ भारत के सालाना बजट का लगभग 85 प्रतिशत हिस्सा (तकरीबन 46 लाख करोड़ रुपये) है। बहरहाल, ट्रंप के सोशल मीडिया पोस्ट के बाद जारी अपने बयान में प्रधानमंत्री ने सिर्फ यह उल्लेख किया कि भारतीय उत्पादों पर अमेरिका में अब सिर्फ 18 प्रतिशत आयात शुल्क लगेगा। इससे ट्रेड डील को लेकर फिर से अस्पष्टता बन गई। बहरहाल, यह साफ है कि इस डील को हासिल करने के लिए भारत ने आगे बढ़ कर कई बड़ी रियायतें दी हैं। उनमें से कई तो करार के पहले ही दे दी गईं। इनमें अमेरिका के कृषि, वाहन, सौंदर्य प्रसाधन, इलेक्ट्रॉनिक्स, धातु एवं केमिकल्स उत्पादों पर भारत में आयात शुल्क में भारी कटौती शामिल है। साथ ही रक्षा सौदों का दायरा बढ़ाया गया। परमाणु उत्तरदायित्व कानून में अमेरिकी कंपनियों के अनुकूल बदलाव किया गया। ट्रंप प्रशासन के दबाव में भारत ने रूस से तेल की खरीदारी घटाई, ऐसी खबरें सुर्खियों में रही हैं। अब अगर ये पहलू ट्रेड डील का हिस्सा है, तो यह बेहद आपत्तिजनक बात होगी। इसलिए कि यह अपने संप्रभु निर्णय को किसी अन्य देश की भू-राजनीतिक जरूरतों के सामने समर्पित करने जैसा होगा। दरअसल, खरीदारियों के बारे में भी कोई व्यक्ति या देश अपनी जरूरत एवं बाजार के तर्कों से फैसला लेता है। किसी दबाव में आकर इस बारे में बंधना अपने हितों से समझौता होगा। अमेरिका में टैरिफ 18 प्रतिशत होने से वस्त्र, जेवरात आदि जैसे श्रम-केंद्रित उद्योगों को राहत अवश्य मिलेगी। लेकिन अमेरिका की भू-राजनीतिक रणनीतियों से जुड़ी शर्तें ट्रेड डील में शामिल हुईं, तो आर्थिक के साथ-साथ भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि के लिए भी वो नुकसान का पहलू होगा।

चिंतन-मनन

दुखी चित्त के लक्षण हैं उत्सव

दुनिया में दो ही तरह के लोग हैं- एक वे जो अपने को नया करने का राज खोज लेते हैं, और एक वे जो अपने को पुराना बनाए रखते हैं और चीजों को नया करने में लगे रहते हैं। भौतिकवादी और आध्यात्मवादी में एक ही फर्क है। आध्यात्मवादी रोज अपने को नया करने की चिंता में संलग्न है। क्योंकि उसका कहना यह है कि अगर मैं नया हो गया तो इस जगत में मेरे लिए कुछ भी पुराना न रह जाएगा। क्योंकि जब मैं ही नया हो गया तो पुराने का स्मरण करने वाला भी न बचा, पुराने को देखने वाला भी न बचा, हर चीज नई हो जाएगी। और भौतिकवादी कहता है कि चीजें नई करो, क्योंकि स्वयं के नए होने का तो कोई उपाय नहीं है। नया मकान बनाओ, नई सड़कें लाओ, नए कारखाने, नई सारी व्यवस्था करो। उत्सव हमारे दुखी चित्त के लक्षण हैं। चित्त दुखी है वर्ष भर, एकाध दिन हम उत्सव मना कर खुश हो लेते हैं। वह खुशी बिल्कुल थोपी गई होती है। क्योंकि कोई दिन किसी को कैसे खुश कर सकता है? दिन! अगर कल आप उदास थे और कल मैं उदास था, तो आज दिवाली हो जाए तो मैं खुश कैसे हो जाऊंगा? हां, खुशी का भ्रम पैदा करुंगा। दीये, पटाके, फुलझड़ियां और रोशनी धोखा पैदा करेंगी कि आदमी खुश हो गया। लेकिन ध्यान रहे, जब तक दुनिया में दुखी आदमी हैं, तभी तक दिवाली है। जिस दिन दुनिया में खुश लोग होंगे उस दिन दिवाली नहीं बचेगी, क्योंकि रोज ही दिवाली जैसा जीवन होगा। जब तक दुनिया में दुखी लोग हैं तब तक मनोरंजन के साधन हैं। जिस दिन आदमी आनंदित होगा उस दिन मनोरंजन के साधन एकदम विलीन हो जाएंगे। कभी यह सोचा न होगा कि अपने को मनोरंजित करने वही आदमी जाता है जो दुखी है। इसलिए दुनिया जितनी दुखी होती जाती है उतने मनोरंजन के साधन हमें खोजने पड़ रहे हैं। चौबीस घंटे मनोरंजन चाहिए, क्योंकि आदमी दुखी होता चला जा रहा है। हम समझते है कि जो आदमी मनोरंजन की तलाश करता है, बड़ा प्रफुल्ल आदमी है। ऐसी भूल में मत पड़ जाना। सिर्फ दुखी आदमी मनोरंजन की खोज करता है। और सिर्फ दुखी आदमी ने उत्सव ईजाद किए हैं। पुराने पड़ गए चित्त में, जिसमें धूल ही धूल जम गई है; वह नए दिन, नया साल, इन सबको ईजाद करता है। और धोखा पैदा करता है थोड़ी देर। कितनी देर नया टिकता है? कल फिर पुराना दिन शुरू हो जाएगा। लेकिन एक दिन के लिए हम अपने को झटका देकर जैसे झाड़ देना चाहते हैं सारी राख को, सारी धूल को। उससे कुछ होने वाला नहीं है।

पं .दीनदयाल उपाध्याय सच्चे अर्थों में भारतीयता के जीवंत प्रतीक थे

मुकेश तिवारी

विलक्षण प्रतिभा के धनी दीनदयाल उपाध्याय का जन्म 25 सितम्बर 1916 को उत्तर प्रदेश के ग्राम नगला चन्द्र भान में हुआ था।हालकि परिवारिक कारणों से उनका बचपन अपने नाना चुन्नीलाल के घर ग्राम धनकिया में बीता। जब नाना नौकरी छोड़कर गुडकी मंडई आ गए तो वे भी अपने नाना के साथ

गुडकी मंड ई आ गए।हालांकि दिनदयाल जी के 9वर्ष की आयु पूरी होने के बाबजूद उनके अध्ययन की कोई माकूल व्यवस्था नहीं थी अत वे अपने मामा राधारमण के पास आ गए जो गगापुर में रेलवे स्टेशन पर कार्यरत थे। ?गंगा पुर आने के पश्चात ही उनकी सुचारू रुप से शिक्षा प्रारंभ हो सकी।गंगा पुर में वे चार सालों तक रहे।कयोंकि गंगापुर में इससे आगे पढाई की व्यवस्था नहीं थी।ऐसी स्थिति में 2 जून 1929 को कोटा के एक स्कूल में दखिला लेना पडा। वे यहाँ सेल्फ सपोटिग हाउस में रहते थे।कक्षा 5 से 7 तक की परीक्षा उन्होंने प्रथम श्रेणी से उतीर्ण की। इसके पश्चात उन्हें राजगढ़ आना पडा।

उन्होंने 8 वी कक्षा के राजगढ़ में दखिला लिया। 8 वी कक्षा मेंछऔठट शानदार अकों से उतीर्ण होकर जब वो 9 वी कक्षा में गए तो उनकी कबलियत के चलते 10 वी कक्ष के छात्र उनसे गणित के सवाल हल करवाने के लिए उनके पास आते थे। सीकर के कल्याण स्कूल से 10 की परीक्षा प्रथम श्रेणी श्रेणी से उतीर्ण करने के पश्चात 1937 में पिलानी से इंटरमीडिएट की परीक्षा में वे सवप्रथम रहे। तत्कालीन सीकर के महाराज कल्याण सिंह ने उन्हें स्वर्ण पदक प्रदान किया 10 रुपए माहवार छात्रवृत्ति और पुस्तक एवं आदि के लिए 250 रुपए की राशि पारितोषिक के रूप में दी गई । उन दोनों पिलानी उच्च शिक्षा का प्रसिद्ध केंद्र था । दीनदयाल इंटरमीडिएट की पढ़ाई के लिए 1935 में पिलानी चले गए 1937 में इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा में बैठे और न केवल समस्त बोर्ड में प्रथम रहे सभी विषयों में विशेष योग्यता के अंक प्राप्त किए । बिरला कॉलेज के वे प्रथम छात्र थे जिसने इतने सम्मानजनक अकों में परीक्षा पास की थी। सीकर महाराज के समान ही घनश्याम दास बिड़ला ने एक स्वर्ण पदक 10 रुपये मासिक छात्रवृत्ति तथा पुस्तक आदि के खर्चे के लिए 250 रुपए प्रदान किए।

इसी वर्ष बीए की पढ़ाई के लिए कानपुर गए यह रामा मंडी में किराए के मकान में रहे। 2 वर्ष तक यहां रहकर 1941 में मात्र 25 बर्ष की आयु में बीटी करने के लिए प्रयाग चले गए। 25वर्ष की आयु तक दीनदयाल राजस्थान और उत्तर प्रदेश के कम से कम ग्यारह स्थानो पर कुछ समय तक रहे।इसके साथ ही उनका प्रवेश , सार्वजनिक जीवन में हो गया है!

कानपुर में अध्ययन करते समय अपने सहपाठी कालू जी महाशब्दे के माध्यम से वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संपर्क में आए।कानपुर में ही पहली बार उनकी संघ संस्थापक डॉ केशव बलिराम हेडगेवार जी से मुलाकात हुई।बाबा साहेब आपटे के दादा राव परमार्थ इनके छात्रावास में ठहरा करते थे। उनकी इस दौरान अनेक मुद्दे पर विस्तार से चर्चा होती थी। दीनदयाल उपाध्याय जी ने वीर सावरकर के कानपुर प्रवास के दौरान उन्हे शाखा में आमंत्रित करके उनसे बौद्धिक वर्ग करवाया।कानपुर के सुन्दर भंडारी भी दीनदयाल जी के सहपाठी थे।

संघ के शारीरिक कार्यक्रम को दीनदयाल जी भले ही ठीक तरह से नहीं कर पाते थे लेकिन बौद्धिक परीक्षा में सदैव अव्वल रहते थे।वे सच्चे अर्थों में भारतीयता के जीवंत प्रतीक और एक परिपूर्ण मानव थे। पंडित जी एक ऐसे निष्काम कर्मयोगी थे जिन्होंने राजनीति में रहते हुए अपने वतन की सेवा के व्रत के परायण में अपना सम्पूर्ण जींवन समर्पित कर दिया था। पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने 1964को ग्वालियर में भारतीय जनसंघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा के अधिवेशन में एकात्म मानववाद का जो सिद्धांत दिया ,वह जीवन के सभी सुखो का मूल मंत्र है ।यह भारतीय दर्शन, भारतीय संस्कृति और भारतीय विचार का आज के युग के लिए अनुकूल समुच्चय है जो आने वाली पीढ़ियों का मार्गदर्शन करेगा ।यह सिद्धांत समाज के अंतिम छोर तक के व्यक्ति के हित में कार्य करने का है ।पंडित दीनदयाल उपाध्याय का एकात्म मानववाद का दर्शन एक ऐसा दर्शन है जो हमें हमारी संस्कृति और सभ्यता से जोड़े रखता है।

पंडित दीनदयाल का जिक्र करते ही , पंडित जी की जो छवि हमारी आंखों के सामने उभरती है वह किसी बड़े राजनीतिक दल के कद्दावर नेता की नहीं बल्कि एक सहृदय अग्रज.आत्मीय मित्र.और मार्गदर्शक की है.हिन्दुस्तान भर के लाखों अनुयाई पं दीनदयाल को इस स्वरूप में अपने साथ पाते थे.आज हमारे मुल्क में राजनीति का जो स्वरूप हमें द्रष्टिगोचर होता है और उसमें राजनीति करते हुए तमाम सारे राजनीतिक दलों के जो नेता हमें मिलते हैं उनकी तुलना यदि दीनदयाल उपाध्याय के साथ करें तो हमें बेहद आश्चर्य होता है हमारे जहन में विचार आता है कि इस आपाधापी के दौर में भी हमें ऐसी शख्सियत का मार्गदर्शन मिला।

कालांतर में पंडित दीनदयाल जो अमूल्य विचार हमें प्रदान कर गए.वह न केवल इस कीर्ति की आत्मा और शरीर दोनों के ही अनुकूल था.प्रसिद्वि से दूर.अहंकार से रहित और निश्छल मुस्कुराहट वाले पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ऐसी ही शख्सियतों में से एक थे।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय अपने नाम के अनुरूप ऐसे युगपुरुष थे जिन्होंने व्यक्ति, परिवार,समाज, और देश को समग्र परिवेश में देखा, पंडित उपाध्याय जी के बाल्यकाल में ही माता पिता का साया उनके सिर से उठा गया था,

फलत बचपन के उन सुहाने दिनों से वंचित हो गए ,जब खेलने और खाने की जगह उन्हें अभावों में जीना पड़ा,यही वजह थी, कि बचपन में ही कठिन परिस्थितियों से संघर्ष की और व्यावहारिक शिक्षा ग्रहण कर लेने के बाद जीवन में उन्होंने संघर्ष से कभी मुंह नहीं मोड़ा,

एम ए उतरार्द्ध की परीक्षा नहीं दे सके, मामा जी के अनुरोध करने पर वे प्रशासनिक परीक्षा में बैठे, उत्तीर्ण हुए और साक्षात्कार में भी वे चुन लिए गए ।उनकी अध्ययनशीलता सार्वजनिक जीवन में जाने के पश्चात प्रखरतम होती चली गई ,कालांतर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय का भारतीय राजनीति ने जो जीवन उभरा वह उनका श्रषि व्यक्तित्व था,वे ताउम्र अविवाहित रहे, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से वे राजनीतिक क्षेत्र में गए और भारतीय जन संघ के महामंत्री बने ,उनकी विलक्षण प्रतिभा को देखकर डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने कहा था कि मुझे दो दीनदयाल जी मिल जाए तो मैं भारतीय राजनीति का मानचित्र बदल के रख दूंगा। भारतीय जनसंघ की स्थापना के दो वर्ष भी पूर्ण नहीं हो पाए थे काश्मीर आंदोलन के दौरान 23जून को डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान हो गया, आजाद भारत के नवगठित राजनीतिक दल का भार पूर्ण तौर पर 36 वर्षीय दीनदयाल उपाध्याय जी के कंधे पर आ गया,वे निरंतर17 सालों तक भारतीय जन संघ के महामंत्री रहे और 18 में बर्ष में जन संघ के अध्यक्ष बने लेकिन नियति ने उन्हें हमसे छीन लिया, दीनदयाल जी का व्यक्तित्व बहुआयामी था, वे सामान्य व्यक्ति,सक्रिय कार्यकर्ता कुशल संगठक, प्रभावी नेता एवं विचारक थे समाजशास्त्री, अर्थशास्त्री, राजनीति विज्ञानी एवं दार्शनिक एव अच्छे वक्ता थे। किसी भी विषय पर अच्छी प्रकार से अभ्यास और विभिन्न कोणों से उस पर विचार व्यक्त करने के उपरांत ही अपना कोई मत व्यक्त करते थे ,उनके बहुआयामी व्यक्तित्व की झलक कुछ उदाहरणों से पता चलती है, राष्ट्र, राष्ट्रीयता और भारतीय संस्कृति पर दीन दयाल जी के विचारों से यह स्पष्ट हो जाता है। उनका चिंतन आज भी प्रासंगिक है राष्ट्र एक स्थाई सच है,राष्ट्र की आवश्यकता को पूर्ण करने के लिए राज्य पैदा होता है, राष्ट्र का संगठन के निजी स्वार्थों की पूर्ति के लिए उत्पन्न नहीं होता है ,एक राष्ट्र भाव की विस्मृति के कारण घटक शिथिल पड़ते हैं और यदि पूरी तरह निष्क्रिय हो गए, तो संपूर्ण राष्ट्र के विनाश का कारण भी बनते हैं, अतः हमें कालजेय स्थाई सक्षम, आत्मनिर्भर व्यवहारिकता और स्वाभाविक संगठन के लिए राष्ट्र को आधार मानना होगा, राष्ट्र का संगठन दृढ़ हुआ तो सामर्थ निर्माण होगा और विभिन्न अंग पुष्ट हो सकेंगे ,राष्ट्र को परम वैभव की ओर ले जाने के लिए धर्म का संरक्षण करते हुए आना चाहिए, यह संघटित कार्प शक्ति एवं पुरुषार्थ से ही प्राप्त हो सकता है, पंडित दीनदयाल उपाध्याय का मानना था कि भारतीय संस्कृति की विशेषता यह है कि वह संपूर्ण जीवन और संपूर्ण सृष्टि का विचार करती है। उसका दृष्टिकोण एकात्मक वादी है। टुकड़ों में विचार करना विशेषज्ञ की दृष्टि से उचित हो सकता है लेकिन व्यवहारिक दृष्टि से यह कतई उपयुक्त नहीं है पश्चिम की समस्या का मुख्य कारण उसका जीवन के संबंध में सतही ढंग से विचार करना है। दीनदयाल जी का मानना था कि स्वराज प्राप्त करते ही हम स्व की भावना विस्मित कर बैठे तथा विदेशी विचारधारा हमारे आकर्षण और अनुकरण का केंद्र बन गई। आज आवश्यकता है कि अपने स्व का परिचय किया जाए, बिना उसके स्वराज का कोई अर्थ नहीं है स्वतंत्रता हमारे विकास और सुख का साधन मात्र नहीं बन सकती जब तक हमें अपनी हकीकत का पता नहीं तब तक हमें अपनी शक्तियों का ज्ञान नहीं हो सकता और ना ही उसका विकास ही संभव है,हम स्वर की भावना किस मत कर बैठे हैं विदेशी विचारधारा मारे आकर्षण और अनुकरण का केंद्र बन गई आज आवश्यकता है कि अपने स्व का परिचय किया जाये कर विनाश के स्वराज का कोई अर्थ नहीं है, स्वतंत्रता हमारे विकास और सुख का साधन नहीं बन सकती जब तक हमें अपनी हकीकत का पता नहीं तब तक हमें अपनी शक्ति का ज्ञान नहीं हो सकता और नहीं उसका विकास ही संभव है।

लोकसभाध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास!

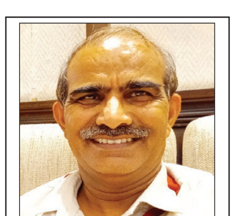

डॉ श्रीगोपाल नारसन

विपक्ष के 128 लोकसभा सदस्यों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पद से हटाने का प्रस्ताव लाने के लिए एक नोटिस लोकसभा महासचिव को सौंप दिया है। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने बताया कि उन्होंने नियम 94सी के तहत लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिया है।

लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को ह्वबोलने की इजाजत नहीं देनेह्व, साथ ही कांग्रेस की महिला सांसदों पर सदन में अनुचित स्थिति पैदा करने के आरोपों पर विपक्ष अध्यक्ष ओम बिरला को पद से हटाने के लिए यह प्रस्ताव लाया है।लोकसभा में कांग्रेस के उप नेता गौरव गोगोई, कांग्रेस के मुख्य सचेतक कोडिकुनिल सुरेश और सांसद मोहम्मद जावेद तथा अन्य कई सांसद नोटिस सौंपने वालो में शामिल है।लोकसभा की प्रक्रिया और आचरण के मानदंडों के नियम 198 के अनुसार, विपक्ष को लोकसभा में मतदान से पहले अविश्वास प्रस्ताव के अपने अनुरोध के लिए औचित्य प्रदान करने की आवश्यकता नहीं है।अविश्वास प्रस्ताव की पूरी प्रक्रिया लोकसभा की प्रक्रिया व कार्य संचालन प्रणाली के नियम 198 (1) से नियम 198 (5) तक के तहत पूरी की जाती है।इस प्रक्रिया के तहत नियम 198 (1) (क) के तहत अविश्वास प्रस्ताव पेश करने वाले सांसद को पहले स्पीकर के जरिये सदन की अनुमति लेनी पड़ती है।सदन की अनुमति के लिए नियम 198 (1) (ख) के मुताबिक, प्रस्ताव की जानकारी सुबह 10 बजे से पहले लोकसभा के महासचिव को देनी पड़ती है।नियम 198 (2) के तहत प्रस्ताव के साथ सांसद को 50 सांसदों के समर्थन वाले हस्ताक्षर दिखाने होते हैं।नियम 198 (3) के तहत लोकसभा अध्यक्ष से प्रस्ताव को अनुमति मिलने के बाद उस पर चर्चा का दिन तय होता है। चर्चा प्रस्ताव पेश होने के 10 दिन के अंदर करानी होती है।नियम 198 (4) के तहत अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के अंतिम दिन लोकसभाध्यक्ष वोटिंग कराते हैं और उस आधार पर फैसला होता है।नियम 198(5) के तहत लोकसभा अध्यक्ष को टिप्पणी के लिए समय सीमा निर्धारित करने का अधिकार है। यदि प्रस्ताव सदन द्वारा अनुमोदित हो जाता है तो सरकार को इस्तीफा देना पड़ता है ।अब तक लोक सभा में 27 बार अविश्वास प्रस्ताव रखे जा चुके हैं।लोक सभा में सबसे पहला अविश्वास प्रस्ताव अगस्त 1963 में तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की सरकार के खिलाफ जे बी कृपलानी ने पेश किया था। लेकिन विपक्ष सरकार गिराने में नाकाम हो गया था, क्योंकि इस प्रस्ताव के पक्ष में केवल 62 वोट पड़े और विरोध में 347 वोट पड़े थे।लेकिन सन 1978 में लाये गए अविश्वास प्रस्ताव ने मोरारजी देसाई सरकार को गिरा दिया था।अब तक सबसे ज्यादा 4 बार अविश्वास प्रस्ताव पेश करने का रिकॉर्ड माकपा सांसद ज्योतिर्मय बसु के नाम है। उन्होंने अपने चारों प्रस्ताव इंदिरा गांधी सरकार के खिलाफ रखे थे।सबसे ज्यादा अविश्वास प्रस्ताव का सामना करने वाली भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की सरकार रही है। इंदिरा गांधी सरकार के खिलाफ 15 अविश्वास प्रस्ताव पेश किया गये थे।इसके अलावा पी॰ वी॰ नरसिम्हा राव और लाल बहादुर शास्त्री की सरकारों ने तीन-तीन बार अविश्वास प्रस्ताव का सामना किया था।पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने एक बार इंदिरा गाँधी सरकार और दूसरी बार पी॰ वी॰ नरसिम्हा राव सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया था ।संयोग की बात है कि अटल सरकार के खिलाफ भी दो बार सन1996 व सन1998 अविश्वास प्रस्ताव पेश किया गया था और वे दोनों बार हार गये थे।सन 2018 में नरेंद्र मोदी सरकार के विरुद्ध भी अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था,लेकिन यह प्रस्ताव गिर गया था। लोकसभाध्यक्ष ओम बिरला पर आरोप हैं कि वो विपक्ष के साथ भेदभाव करते हैं और सांसदों को बोलने का मौका कम देते हैं।हालांकि ये पहली बार नहीं है, जब किसी लोकसभाध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया जा रहा हो। संसद के इतिहास में कई बार ऐसा हो चुका है।

अविश्वास प्रस्ताव भारतीय संसदीय परंपरा का ही एक हिस्सा है। जब भी विपक्ष को सरकार या फिर लोकसभाध्यक्ष पर भरोसा नहीं होता है तो उन्हें हटाने के लिए अविश्वास प्रस्ताव लाया जाता है। लोकसभाध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव संविधान के अनुच्छेद 94(सी) के तहत लाया जाता है, इसे मोशन ऑफ रिमूवल कहा जाता है।इसके तहत लोकसभा के अध्यक्ष को हटाया जा सकता है। वोटिंग में बहुमत मिलने पर अध्यक्ष को हटाने की प्रक्रिया शुरू हो सकती है।भारतीय संसद के इतिहास में पहली बार सन1954 में अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था। लोकसभा के पहले अध्यक्ष मावलंकर के खिलाफ ये प्रस्ताव लाया गया था। सोशलिस्ट पार्टी के नेता विग्नेश्वर मिसिर ये प्रस्ताव लाए थे।इस प्रस्ताव पर करीब दो घंटे तक चर्चा हुई थी, हालांकि बाद में उसे खारिज कर दिया गया। इस प्रस्ताव को जवाहर लाल नेहरू ने सदन की गरिमा का सवाल बताया था।

सन1954 के बाद लोकसभाध्यक्ष के खिलाफ दूसरा प्रस्ताव सन 1966 में लाया गया।लोकसभा अध्यक्ष सरदार हुकम सिंह के खिलाफ ये प्रस्ताव था।वहीं तीसरी बार सन1987 में अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था, ये प्रस्ताव तत्कालीन लोकसभा अध्यक्ष बलराम जाखड़ के खिलाफ लाया गया था।पिछले तमाम प्रस्तावों की तरह ये अविश्वास प्रस्ताव भी खारिज हो गया था।अब देखना यह है कि यह अविश्वास प्रस्ताव कितना चल पाता है।इससे लोकसभाध्यक्ष की कुर्सी जाती है या फिर यह प्रस्ताव धड़ाम गिरता है।फिलहाल तो संख्या बल देखते हुए ऐसा नही लगता कि ओम बिरला की कुर्सी जाएगी,बाकी आने वाला वक्त बताएगा।

(लेखक राजनीतिक चिंतक व वरिष्ठ पत्रकार है)

बॉबकट दे स्मार्ट लुक

बॉब का मतलब है कंधे से छोटे बाल, जिनकी लंबाई लगभग कानों के बराबर हो। बॉब कट हेयर स्टाइल से व्यक्तित्व में एक आधुनिकता झलकती है। साथ ही यह आपको एक स्मार्ट लुक प्रदान करता है। इसके कारण ही कई लोग इस हेयर स्टाइल को अपनाना पसंद करते हैं। और यही कारण है कि इसका फैशन कभी पुराना नहीं होता, हाँ समय के साथ इसमें प्रयोग जरूर होते रहते हैं। आप वेस्टर्न वेयर के साथ ट्रेडिशनल वेयर पर भी बॉब कट को अच्छी स्टाइल के साथ जमाकर अपने व्यक्तित्व को एक नया लुक दे सकती हैं।

बॉब कट असल में 50 व 60 के दशक के ब्लंट कट का परिष्कृत रूप है। हाल ही में ईवा लोंगोरिया पार्कर, विक्टोरिया बेकहम, बिपाशा बसु, प्रियंका चोपड़ा और कैरोल ग्रेशियस जैसी सेलिब्रिटीज़ द्वारा यही हेयर स्टाइल अपनाया गया। जिसने उन्हें एक नया लुक दिया। यही नहीं कई सेलिब्रिटी पुरुषों की पत्नियाँ भी इसे अपना रही हैं। इनमें कैटी होम्स, ट्विंकल खन्नाा आदि नाम प्रमुख हैं। इस हेयरकट की खासियत है इसका लोकप्रिय तथा सहूलियत भरा होना। ये हेयरकट प्राकृतिक रूप से बालों का स्टाइल है, जिसमें फैशन के अनुरूप थोड़ा बहुत परिवर्तन आ जाता है।

बॉब कट के स्टाइल

क्लासिक बॉब

इसमें बाल कानों के थोड़ा ऊपर तक कटे होते हैं। बालों की लंबाई चेहरे की तरफ और पीछे गर्दन तक होती है। अंडाकार चेहरे पर यह हेयर स्टाइल काफी जँचता है।

मॉड बॉब

इसे पॉश बॉब भी कहा जाता है। इसमें कटिंग की स्टाइल ऐसी होती है कि बाल काफी घने दिखते हैं। इस हेयरकट में आगे की तरफ बाल छोटे-बड़े कॉम्बिनेशन में होते हैं तथा पीछे की तरफ परतों में होते हैं। यह परतें बालों को बाउंस देती हैं। यह विक्टोरिया बेकहम के द्वारा अपनाए जाने के कारण काफी लोकप्रिय हुआ था। गोल और आयताकार चेहरे वाली महिलाओं पर यह कट अच्छा लगता है।

मॉब टॉप

बॉबकट में यह पुरुषों द्वारा अपनाया जाने वाला स्टाइल है। इसमें बालों की लंबाई कानों से ऊपर होती है। आगे की ओर बालों का एक बड़ा हिस्सा छोटा कटा होता है।

ग्रेजुएटेड बॉब कट

इस हेयरकट में बाल गर्दन तक होते हैं जो छोटे कटे होते हैं व नीचे जाते-जाते लंबे हो जाते हैं। इसे आप मशरूम कट से मिलता-जुलता कह सकते हैं। अंडाकार चेहरे के लिए यह भी एक अच्छा स्टाइल है।

जिन लोगों में यह गलतफहमी है कि छोटे होने के कारण बॉबकट हेयर स्टाइल में बालों को मेंटेन करना आसान होता है, उन्हें इस बात का खयाल रखना चाहिए कि इसे भी नियमित देखभाल की आवश्यकता पड़ती है। इसमें असावधानी बरतने पर बाल खराब दिखने लगते हैं। पतले तथा कमजोर बालों वाली महिलाओं के लिए यह अनुकूल है तथा सीधे और सपाट बाल वाली महिलाओं के लिए भी यह एक अच्छा हेयर स्टाइल है। यदि आपके बाल घुँघराले हैं और आप बॉबकट अपना रही हैं तो बालों पर टेक्सचर के अनुरूप ही उत्पाद का चयन करें। चूँकि इस हेयरकट के बाद जरा से भी बढ़े हुए बाल शेप बदल देते हैं अतः जरूरी है कि इसके बाद हर डेढ़-दो महीने में ट्रिमिंग करवाती रहें। बालों को कंडीशन करने का भी ध्यान रखें।

बॉब कट को नया लुक देने के लिए गीले बालों पर जैल लगाएँ, बालों को पीछे ले जाएँ और फिर ब्रश से आगे लाएँ। इससे बाल स्ट्रेट होंगे। बॉब हेयरकट को मेंटेन करने के लिए बालों की एक-एक परत को टॉवेल ड्राय करके उसे स्टाइल दें।

खुलकर कहें जो बात दिल में है

सास-बहू खुलकर बात करें तो कई गलतफहमियाँ दूर हो सकती हैं। स्वस्थ संवाद और व्यवहार में पारदर्शिता इस रिश्के को मधुर बनाते हैं। दुराव-छुपाव से मतभेद पैदा होता है।

अकसर आपसी रिश्तों में हम अपने विचार व्यक्त करने में सकुचाते हैं। खासकर सास-बहू के नाजुक संबंधों में इसका अनुभव अधिक होता है। अगर बहू को सास से कुछ शिकायतें हों तो वह अपनी सास से कहने के बजाय दूसरों से उसकी बुराइयाँ करती फिरती है और अचानक ही पड़ोसी, नाते-रिश्तेदार उसके निकट के हो जाते हैं।

यही हाल सास का भी रहता है। जहाँ सासों की चौपाल जमी नहीं, वहीं शुरू हो जाता है बहुओं की बुराइयों का नित्य आख्यान। फिर तो सुनते रह जाइए। ऐसे चटखारे लेकर किस्से सुनाए जाते हैं कि सुनने वालों के मुँह से 'च-च-च' के अलावा कुछ न निकले।

बहुओं की किटी पार्टियों का नजारा भी कुछ इन्द्रधनुषी रहता है। फैशन, गहनों के अलावा सास का विषय वरीयता क्रम में ऊपर का स्थान पाता है। एक से एक दुखड़े रोए जाते हैं कि तय करना मुश्किल हो जाता है कि सास-शोषिता कौन अधिक है?

यह किसी एक पक्ष की बात नहीं। जरूरी नहीं कि यह सब पर लागू हो, लेकिन अधिकांशतः ऐसा ही होता है। कुछ सासें ऐसी भी होती हैं, जो बहू को दहेज के लिए जला डालने वाली हों या उसे आत्महत्या के लिए मजबूर करने वाली हों। वहीं कुछ बहुएँ भी ऐसी होती हैं, जो सासों को नारकीय जीवन जीने के लिए बाध्य करती हैं। वैसे कुछ असाधारण उदाहरण छोड़ दिए जाएँ तो सास-बहू के आपसी मनमुटाव बातचीत द्वारा दूर हो सकते हैं।

सास या बहू को अपनी बात एक-दूसरे से कहने के लिए किसी माध्यम की आवश्यकता क्यों होनी चाहिए? अगर सास को बहू से कोई शिकायत है, तो किसी और को कहने के बजाय सीधे बहू से संवाद स्थापित कर अपनी बात रखे। जाहिर है, बहू को भी अपना पक्ष रखने का अवसर मिलेगा। इसी बातचीत द्वारा समस्या का मध्य मार्ग निकलेगा। एक-दूसरे की भावनाओं और इच्छाओं का आदर करते हुए दिल को न दुखाने वाले शब्दों में अपनी बात कह सकते हैं। दूसरों के माध्यम से अपनी बुराइयाँ सुनकर मन आहत हो जाता है। आज की पीढ़ी की सास और बहू दोनों ही शिक्षित और समझदार हैं। समाज में हो रहे परिवर्तनों से खासी परिचित हैं। धन की कोई कमी नहीं, लेकिन सीमित परिवार होने के कारण 'अपने' कहलाने वाले लोग कम रह गए हैं। हम सभी को एक-दूसरे की आवश्यकता है। फिर घर के झगड़े देहरी लाँघ जाएँ तो परिवार टूटते देर नहीं लगती।

जब सब साथ रहते हैं तो विचारों में टकराव स्वाभाविक ही है। माँ-बेटी के मतभेदों को हम सहजता से स्वीकार कर लेते हैं, किंतु जहाँ सास-बहू में वैचारिक मतभेद हों, वहाँ वे एक-दूसरे को खलनायिका निरूपित करने से भी नहीं कतरातीं।

बेवजह छोटी-छोटी बातों को तूल देती हैं। जरूरी है कि सभी को अपने गिले-शिकवे-शिकायतें संवाद स्थापित कर आपस में शांति से बैठकर सुलझा लेने चाहिए। एक-दूसरे की छोटी-छोटी गलतियों को नजरअंदाज करने की आदत भी बना लें। अपनी सहनशीलता बढ़ाएँ यही सफल सहजीवन का मूलमंत्र है।

ड्राईफ्रूट अंजीर

सामग्री : 1 रेसिपी प्लेन बेस, आधा कप फ्रेश क्रीम, 100 ग्राम अंजीर, 8 टेबलस्पून गर्म दूध।

विधि : बेसिक आइस्क्रीम को छोटे टुकड़ों में काटकर फ्रेश क्रीम मिलाकर हैंड बीटर से हल्का और झाग आने तक फेंटें। गर्म दूध में अंजीर को 15-20 मिनट तक भिगोकर रखें और मिक्सी में दरदरा पीस लें। इसे आइस्क्रीम में मिलाकर अच्छी तरह ब्लेंड करें और प्लास्टिक कंटेनर में डालकर जमने के लिए रख दें।

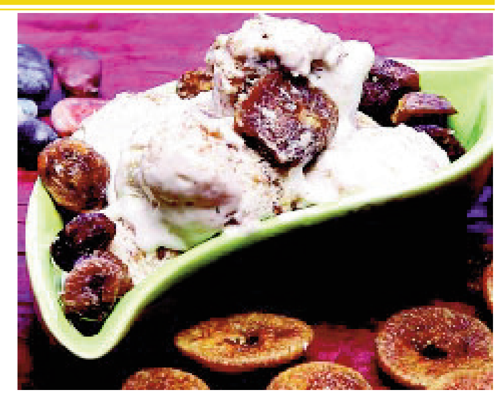

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-1-3-6

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-3-4-5

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा

जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-5-6-6

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। शुभांक-7-8-9

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-7-8-9

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-7-8-9

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते

ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-4-7-9

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। कार्य भार बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। समय का सदुपयोग करें। साधन और भोग-विलास के प्रचुर अवसर होंगे। शुभांक-4-7-8

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी

कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। परामर्श व परिस्थिति का सहयोग मिलेगा। शुभांक-6-8-9

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा

कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। शुभांक-4-7-8

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-4-6-9

काकुरो पहेली - 1984

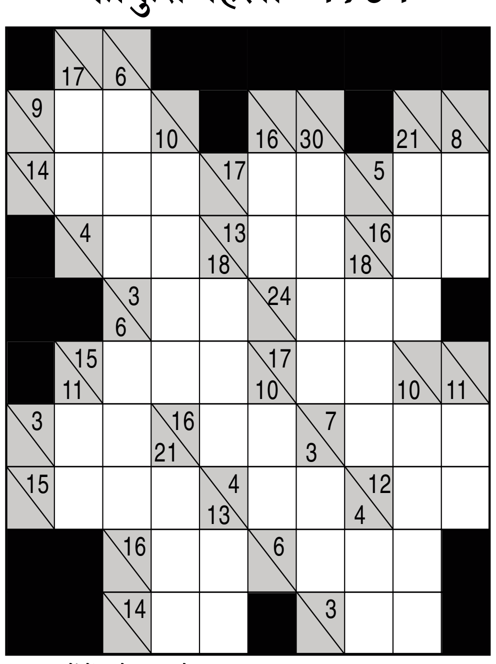

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

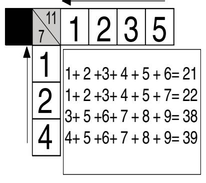

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 1983 का हल

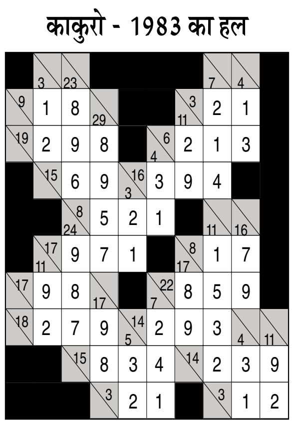

हंसी के फूव्वारें

भिखारी: बाबूजी, एक पैसा दे दो.

बाबूजी: पैसे में क्या मिलेगा तुम ज्यादा क्यों नहीं मांगते ?

भिखारी: बाबूजी, मैं आदमी की हैसियत देखकर मांगता हूँ.

□ □ □

डॉक्टर साहब, मेरे पति के आगे के दो दांत बहुत निकले हैं. वह ठीक हो सकते हैं ?

'क्या आपके पति बचपन में हाथियों के साथ खेलते थे ?'

□ □ □

प्रेमी-'प्रिय, मेरा साक्षात्कार का बुलावा आया है. जाऊं या नहीं, तुम्हारी क्या राय है ?'

प्रेमिका-'मेरी तो यह राय है कि जाना है तो जाओ, नहीं जाना हो तो मत जाओ.'

□ □ □

पहला दोस्त-'मेरी प्रेमिका की मांग इतनी ज्यादा थी कि मैंने उससे संबंध तोड़ लिया.'

दूसरा दोस्त-'क्या मांग थी उसकी ?'

पहला दोस्त-'शादी की.'

□ □ □

औरत-(दूधवाले से)भइया कल तुम्हारा दूध बहुत खट्टा था.

दूधवाला-क्या करूं बहनजी कल मेरी भैंस ने चार-पांच नींबू खा लिये थे.

फिल्म वर्ग पहेली- 1984

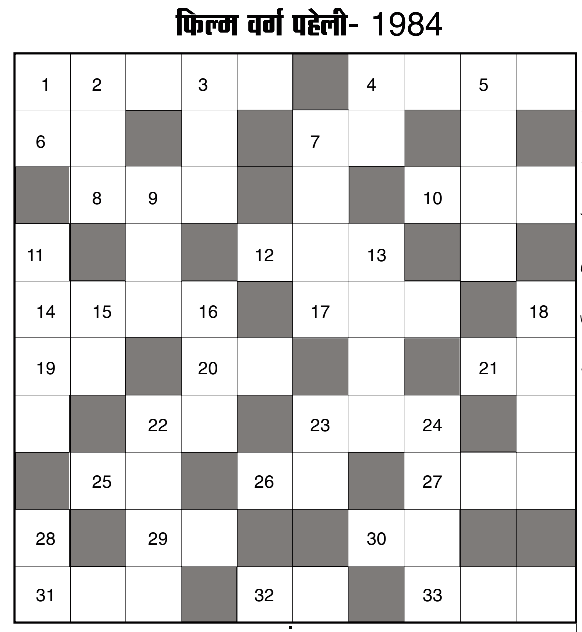

बायें से दायें:-

१. 'ये जीवन है इस जीवन का यही है' गीत वाली फिल्म-२,१,२
४. राकेश रोशन, शत्रुघ्न सिन्हा, रीनाराय, रंजीता की फिल्म-४
६. फिल्म 'साया' में जॉन अब्राहम के साथ नायिका कौन थी-२
७. 'ऐसा कोई जिंदगी में' गीत वाली फिल्म-२
८. राजकिरण, जावेद खान की फिल्म-३
१०. 'है ना बोलो' गीत वाली फिल्म-३
१२. सुनीलदत्त, निम्मी की फिल्म-३
१४. 'देख सकता हूँ मैं कुछ' गीत वाली फिल्म-४
१७. अष्मित पटेल, मीरा की फिल्म-३
१९. 'आई जो तेरी याद' गीत वाली फिल्म-२
२०. फिल्म 'तक्षक' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन थी-२
२१. शाहरूख, प्रियंका की 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीतवाली फिल्म-२
२२. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, जैकी, शत्रुघ्न, रवीना, लारा की फिल्म-२
२३. धर्मेन्द्र, जीतेंद्र, हेमा की फिल्म-३
२५. 'मैं नये जमाने की' गीत वाली अजय देवगन, रवीना की फिल्म-२
२६. फिरोज, संजय, मुमताज की 'गोरी के हाथ में' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'झोंपडी में चारपाई' गीत वाली जीतेंद्र, श्रीदेवी की फिल्म-३
२९. राजकपूर (डबल रोल), नर्गिस की 'आ जाने बहार' गीतवाली फिल्म-२
३०. 'फूल मांगूं ना बहार मांगूं' गीत वाली फिल्म-२
३१. कमल हासन, सनी, डिम्पल की फिल्म-३
३२. फिल्म 'तपस्या' की नायिका?-२
३३. अभिनेत्री 'मनीषा कोइराला' किस देश की रहने वाली है-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'नदिया किनारे आओ' गीत वाली संजय दत्त, आफताभ, नंदिता दास की फिल्म-२
२. अमिताभ, अमजद, नीतूसिंह की 'सारा जमाना हसीनों का' गीत वाली फिल्म-३
३. 'दो दिवाने शहर में' गीत वाली अमोल पालेकर, जरीना वहाब की फिल्म-३
४. नसीरूद्दीनशाह, जैकी श्रॉफ, नगमा की 'मैं प्यासी नदिया' गीत वाली फिल्म-२
५. 'लिखे जो खत तुझे वो तेरी' गीत वाली शशिकपूर, आशा पारेख की फिल्म-४
७. मनोजकुमार, आशा पारेख की 'लो आ गई उन की याद' गीत वाली फिल्म-१,३
९. 'दो नैनों में आँसू भरे हैं' गीत वाली जीतेंद्र, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
११. जॉय मुखर्जी, माला, शर्मिलाकी 'वो हसीन दर्द देदो' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'इस सो पहले कि याद तू आए' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-४
१५. 'परिचय' में जीतेंद्र की नायिका?-२
१६. करण दीवान, स्वर्णलता की 'जब तुम ही चले परदेस' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'तन मन धन सब है' गीत वाली संजीवकुमार, लीना की फिल्म-४
२२. गुरूदत्त, शकीला, श्यामा की 'बाबू जी धीरे चलना' गीत वाली फिल्म-२,२
२३. रेखा, दिलीपकुमार, ममता की फिल्म-२
२४. शाहरूख, विवेक मुशरान, जूही की 'अपुन की लाइफ' गीत वाली फिल्म-४
२८. 'तेरे प्यार का' गीत वाली आफताब शिवदासनी, युक्ता मुखी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1983

सूडोकु -1984

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1983 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

शब्द पहेली - 1984

बाएँ से दाएँ

1.द्वेष,झगड़ा,रार-3
4.बुरकापोश-5
8.गागर,घड़ा-3
9.प्याऊ (उर्दू-3)
10.पैंदा,तला-2
12.बरस,वर्ष-2
13.सतत,लगातार-5
16.मजार,समाधि-4
17.उदारता,बड़प्पन-4
18.वायदा,कसम-2
19.महीना,माह-2
20.हमसफर-4
23.आदेश,आज्ञा-4
25.कहानी लेखक-5
28.गधा,गर्दभ-2
29.श्रवणेंद्रिय-2
31.बारिश,वर्षा-3
33.देवर्षि-3
35.दया करना-3,2
36.चिंतन

ऊपर से नीचे

1.कुपुत्र-3
2.अधिकार-2
3.सलाह,राय-4
4.अफसोस,खेद-4
5.शीतकालीन फसल-2
6.दलहन-2
7.ठंडा,सर्द-3
11.जिज्ञासा,उत्साह-3
12.बारिश का मौसम-3
13.धारावाही,अविराम, सीरियल-5
14.रीत,परंपरा-2
15.जीवनसाथी, हमराही-5
21.मोर-3
22.जल,नीर-2
24.पीहर-3
26.गजशाला, हाथी घर-4
27.करतब, करामात-4
28.उपभोग,खर्च-3
30.नेत्र,चक्षु,आंख-3
31.सवारी गाड़ी-2
32.रहन,गिरवी वस्तु-2
34.ताकत,जोर,बल-2

शब्द पहेली - 1983 का हल

एस मलेशम बने भारतीय मजदूर संघ के नए अध्यक्ष, सुरेंद्र पांडेय महासचिव

एजेंसी

नई दिल्ली। तेलंगाना के रहने वाले एस. मलेशम भारतीय मजदूर संघ(बीएमएस) के नए अध्यक्ष और सुरेंद्र पांडेय महासचिव चुने गए हैं। रविवार को ओडिशा के पुरी में संपन्न मजदूर संघ के तीन दिनसीय 21वें राष्ट्रीय अधिवेशन में वर्ष 2026 से 2029 के लिए नई कार्यसमिति गठित की गई। में उपाध्यक्ष पद के लिए पंजाब से सुखविंदर सिंह, विदर्भ से नीता चौबे, उत्तर प्रदेश से अशोक शुक्ला , केरल से उन्नीकृष्णन, राजस्थान से राजेंद्र शर्मा, दिल्ली से पवन कुमार, गुजरात से जिग्नेश मजूमदार चुने गए। वहीं, महामंत्री सुरेन्द्र कुमार पाण्डेय को बनाया गया है। बीएमएस के मंत्री पद के लिए मध्यप्रदेश से रामनाथ गणेश, ओडिशा से कुमारी अंजली पटेल, छत्तीसगढ़ से राधेश्याम जायसवाल, मध्य प्रदेश से अरविंद मिश्रा, हरियाणा से अशोक कुमार, महाराष्ट्र से अनिल कुमार धुमने, बिहार से संजय सिन्हा चुने गए। कोषाध्यक्ष दिल्ली से अनीश मिश्रा को बनाया गया है। इसके साथ ही रवींद्र को संगठन मंत्री, गणेश मिश्रा को सह संगठन मंत्री बनाया गया है।

दुबई में फंसे भारतीय प्रवासी श्रमिक- मानवाधिकार आयोग का झारखंड सरकार को नोटिस

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने दुबई में फंसे झारखंड के प्रवासी श्रमिकों की दयनीय स्थिति पर कड़ा रुख अपनाया है। आयोग ने मीडिया में जारी समाचारों पर स्वतः संज्ञान लेते हुए राज्य के मुख्य सचिव और राज्य प्रवासी श्रमिक नियंत्रण कक्ष के प्रमुख को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर इस मामले पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। मानवाधिकार आयोग के अनुसार 3 फरवरी 2026 को प्रकाशित मीडिया रिपोर्ट में जानकारी दी गयी है कि झारखंड के तीन जिलों गिरिडीह, हजारीबाग और बोकारो के करीब 14 मजदूर वर्तमान में दुबई में फंसे हुए हैं। इन श्रमिकों को एक ट्रांसमिशन लाइन निर्माण कंपनी ने काम पर रखा था। इनमें से एक मजदूर ने सूचना दी कि कंपनी ने उनका अधिकांश वेतन काट लिया गया है ताकि भारत से दुबई के हवाई टिकट खरीदने में हुए शुरुआती खर्च की भरपाई की जा सके। इसके अलावा कंपनी उनके रहने का खर्च भी ले रही है और मजदूरों के पास खाने-पीने का सामान तक खरीदने के लिए भी पैसे नहीं हैं। इन श्रमिकों ने कंपनी पर पासपोर्ट जब्त किए जाने, वेतन का भुगतान न किए जाने और भारत लौटने से इनकार किए जाने का भी आरोप लगाया है। मीडिया में प्रकाशित इस प्रकार के समाचारों पर स्वतः संज्ञान लेते हुए राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने झारखंड के मुख्य सचिव व राज्य प्रवासी श्रमिक नियंत्रण कक्ष के प्रमुख को नोटिस जारी किया है।

शिशु आहार और सॉफ्ट ड्रिंक्स में अतिरिक्त चीनी चिंताजनकः अनुराग सिंह ठाकुर

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री एवं हमीरपुर लोकसभा क्षेत्र से सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने लोकसभा में नियम 377 के तहत शिशु आहार और सॉफ्ट ड्रिंक्स में अत्यधिक चीनी की मौजूदगी का मुद्दा उठाते हुए इसे एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बताया। उन्होंने सरकार से उपभोक्ताओं, विशेषकर बच्चों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए सख्त निगरानी और मजबूत फ्रंट-ऑफ-पैक लेबलिंग नियम लागू करने की मांग की। वैश्विक स्वास्थ्य मानकों का हवाला देते हुए ठाकुर ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन कुल ऊर्जा सेवन में मुक्त शर्करा को 10 प्रतिशत से कम, और आदर्श रूप से 5 प्रतिशत से कम रखने की सिफारिश करता है, जबकि शिशु आहार में अतिरिक्त चीनी के उपयोग की सलाह नहीं देता। इसके बावजूद, अध्ययनों से पता चलता है कि भारत में कुछ पैकेज्ड शिशु आहार में प्रति सर्विंग लगभग 2.7 ग्राम अतिरिक्त चीनी और कई लोकप्रिय सॉफ्ट ड्रिंक्स में प्रति 100 मिलीलीटर करीब 10.6 ग्राम चीनी पाई जाती है। उन्होंने चेतावनी दी कि इससे बचपन में मोटापा, कम उम्र में डायबिटीज और दंत रोग तेजी से बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मोटापे को लेकर दिए गए संदेशों का उल्लेख करते हुए ठाकुर ने 2025 के स्वतंत्रता दिवस भाषण को उद्धृत किया, जिसमें प्रधानमंत्री ने मोटापे को 'मूक संकट' बताया था और परिवारों से खाना पकाने के तेल की खपत 10 प्रतिशत कम करने का आह्वान किया था। उन्होंने कहा कि अत्यधिक वसा और चीनी दोनों ही मोटापे और संबंधित बीमारियों के प्रमुख कारण हैं।

गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पर यात्री सुविधाओं का शुभारंभ, सायरंग-सिलचर रेल सेवा शुरू

नई दिल्ली। पूर्वोत्तर भारत के समग्र विकास को नई गति देते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यहां से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए असम के गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पर आधुनिक यात्री आतिथ्य सुविधाओं का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने सायरंग-सिलचर नई यात्री रेल सेवा को भी हरी झंडी दिखाई। रेलभवन में आयोजित कार्यक्रम में मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा, सिलचर से लोकसभा सदस्य परिमल सुक्लाबैद्य, राज्यसभा सदस्य कनाड पुरकायस्थ सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सायरंग-सिलचर यात्री रेल सेवा मिजोरम की राजधानी को असम की बराक घाटी से सीधे जोड़ेगी। इससे क्षेत्रीय एकीकरण को बल मिलेगा तथा छात्रों, दैनिक यात्रियों और उपचार के लिए यात्रा करने वाले लोगों को सुरक्षित, तेज और आरामदायक आवागमन की सुविधा प्राप्त होगी। गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पर शुरू की गई यात्री आतिथ्य सुविधाओं में विश्राम कक्ष, वातानुकूलित प्रतीक्षालय तथा बहु-व्यंजन भोजनालय शामिल हैं। इन सुविधाओं से यात्रियों को स्वच्छ, सुरक्षित और सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध होगा, जिससे स्टेशन पर यात्रा अनुभव अधिक सहज और आरामदायक बनेगा। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि पिछले दस वर्षों में पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए रेल क्षेत्र में वित्तीय प्रावधानों में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है।

व्यक्तिवादी और परिवारवादी दलों से देश-बिहार का भविष्य उज्ज्वल नहीं हो सकता: नितिन नवीन

एजेंसी

पटना। बिहार की राजधानी पटना स्थित बापू सभागार में आयोजित कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने जनप्रतिनिधियों और पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने विपक्षी दलों आड़े हाथों लेते हुए कहा कि जो पार्टियां स्वयं से शुरू होकर स्वयं पर ही खत्म हो जाती हैं, उनसे न तो बिहार का और न ही देश का भविष्य उज्ज्वल हो सकता है नितिन नवीन ने कहा कि व्यक्तिवादी और परिवारवादी दलों की सबसे बड़ी कमजोरी यही है कि वे सीमित दायरे में सिमट कर रह जाती हैं, जबकि भाजपा एकमात्र ऐसी पार्टी है, जहां एक साधारण कार्यकर्ता भी राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रधानमंत्री की कुर्सी तक पहुंच सकता है। उन्होंने कहा कि भाजपा में संगठन और विचारधारा सर्वोपरि है, न कि व्यक्ति या परिवार। अपने राजनीतिक सफर का उल्लेख करते हुए

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि उन्होंने बिहार में एक सामान्य कार्यकर्ता के रूप में राजनीति की शुरुआत की थी और आज राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने के बाद भी वे खुद को कार्यकर्ता ही मानते हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2006 में पिता के निधन के बाद उन्होंने सक्रिय राजनीति में कदम रखा। उसी समय तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष राधा मोहन सिंह ने उन्हें पहली बार चुनाव लड़ने के लिए प्रेरित किया और पार्टी के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष राजनाथ सिंह का आशीर्वाद और पूरे संगठन का समर्थन उन्हें मिला। नितिन नवीन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने उन पर जो भरोसा जताया है, वे उसे और आगे ले जाने का हर संभव प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद यह उनका पहला पटना दौरा है और बिहारवासियों ने उन्हें लगातार विधानसभा सदस्य चुनकर जो स्नेह दिया है, उसके लिए वे आभारी हैं। युवाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने लंबे समय तक युवा मोर्चा में काम किया है और हमेशा युवाओं को यही संदेश दिया है कि राजनीति में शॉर्टकट नहीं होता। राजनीति एक लंबी दौड़ है और प्रधानमंत्री मोदी के सपनों का भारत बनाने के लिए सभी को अपने-अपने समय में पूरी निष्ठा और पुरुषार्थ के साथ काम करना होगा। उन्होंने भाजपा की वैचारिक पृष्ठभूमि का उल्लेख करते हुए कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने राष्ट्रवाद की प्रेरणा दी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने अंत्योदय की परिकल्पना सामने रखी और अटल बिहारी वाजपेयी ने सुशासन का मंत्र दिया। आज भाजपा की सरकारें इन्हीं तीनों महापुरुषों के विचारों से प्रेरित होकर देश की सेवा कर रही हैं।

कोयला तस्करी मामलाः ईडी ने दो कारोबारियों को किया गिरफ्तार

एजेंसी

कोलकाता। झारखंड-आसनसोल कोयला तस्करी मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो कारोबारियों को गिरफ्तार किया है। ईडी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार सुबह इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि सोमवार देर रात तक पूछताछ के बाद इन्हें गिरफ्तार किया गया था ।

ईडी सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तार आरोपितों के नाम चिन्मय मंडल और किरण खां हैं। जांच में असहयोग करने के आरोप में दोनों को हिरासत में लिया गया है। यह पहली बार है जब कोयला तस्करी मामले में किसी कारोबारी को ईडी ने गिरफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक, बीते सप्ताह ईडी की विशेष टीम ने दोनों आरोपितों के ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया था। इस दौरान एक आरोपित के आवास से भारी मात्रा में नकदी बरामद की गई थी। इसके बाद ईडी ने दोनों कारोबारियों को पूछताछ के लिए तलब किया। लंबी पूछताछ के बाद जांच में सहयोग न करने और संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। जांच एजेंसी का दावा है कि चिन्मय मंडल और किरण खां प्रोटेक्शन मनी के बदले कोयला तस्करी को बढ़ावा देते थे और कोयला सिंडिकेट से सीधे तौर पर जुड़े हुए थे। ईडी अधिकारियों के अनुसार, लेनदेन से जुड़े चैट रिकॉर्ड दिखाए जाने के बावजूद दोनों ने पूछताछ में सहयोग करने से इनकार किया। गौरतलब है कि तीन फरवरी को ईडी ने रानीगंज के कारोबारी किरण खां के घर और चिन्मय मंडल के कार्यालय में छापेमारी की थी। दोनों आरोपितों को आज ईडी की विशेष अदालत में पेश किया जाएगा।

देश कमजोर हुआ तो सनातन के समक्ष होगा अस्तित्व का संकटः योगी

रफ्तार हेडलाइन

सीतापुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तपोधाम सतगुरु गिरधारी नाथ जी महाराज तपोधाम आश्रम में मूर्ति स्थापना दिवस एवं भंडारा में शामिल हुए। सीएम ने यहां फिर समाज को चेताया। उन्होंने कहा कि सनातन कमजोर होगा तो देश कमजोर होगा। देश कमजोर होगा तो सनातन के सामने अस्तित्व का संकट खड़ा होगा, इसलिए बांटने वालों से सावधान रहें। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में मरने और जलाए जाने वाले हिंदुओं पर सभी मौन हैं। मरने वाले दलित हिंदू हैं। धर्माचार्यों एवं कुछ हिंदू संगठनों को छोड़ दिया जाए तो कोई मानवाधिकार या दुनिया का संगठन उनकी वकालत करने वाला नहीं है।

पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत लंबी यात्रा के लिए खुद को तैयार कर रहा है। भारत दुनिया की बड़ी ताकत बनेगा, इसे कोई रोक नहीं सकता है। भारतवासियों का दायित्व है कि इस यात्रा में सहभागी बनें और मिलकर कार्य करें। यदि ऐसा कर सके तो वर्तमान एवं भावी पीढ़ी के लिए परिणाम बेहतर होगा। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि दुनिया में तमाम सभ्यता-संस्कृति समय के साथ समाप्त हो गई,

लेकिन सनातन संस्कृति तमाम तूफानों को झेलते हुए आज भी गरिमा-गौरव के साथ खड़ी है और दुनिया को मैत्री, करुणा के साथ वसुधैव कुटुम्बकम का संदेश दे रही है। इसे तोड़ने के लिए अनेक प्रयास हुए। सनातन धर्मावलंबियों ने विपत्ति के समय हर किसी को शरण देकर उसे पुष्पित-पल्लवित होने का अवसर दिया, लेकिन कुछ लोगों ने शरणार्थी धर्म का निर्वहन नहीं किया, बल्कि यहां आकर हाथ की अंगुली पकड़कर गला दबाने का प्रयास किया और देश को लूटने में कसर नहीं छोड़ी। योगी ने कहा कि सनातन धर्मावलंबियों के पास बल, वैभव व बुद्धि भी थी, लेकिन कभी दुरुपयोग नहीं किया, बल्कि इसका उपयोग मानव कल्याण के लिए किया। वसुधैव कुटुम्बम् का भाव सनातन धर्मावलंबियों के जीवन का व्रत है। हमने चराचर जगत के कल्याण की बात की है। हमारे यहां पहला ग्रास गोमाता और अंतिम ग्रास कुत्ते का होता है। गाय और कुत्ते को भी हमने अपना हिस्सा प्रदान किया है। चींटी को आटा-चीनी तो जहरीले सांप को भी दूध-बताशा चढ़ाते हैं। सभ्यता और संस्कृति के साथ समृद्धि की चिंता साथ-साथ चलती है तो परिणाम भी आते दिखाई देते हैं सीएम योगी ने 11 वर्ष में पीएम मोदी के नेतृत्व में बदलते भारत की प्रगति का जिक्र किया। बोले कि सभ्यता और संस्कृति के साथ समृद्धि की चिंता साथ-साथ चलती है तो परिणाम भी आते दिखाई देते हैं। भारत फिर से तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। अमेरिका व चीन को छोड़कर शेष देश भारत से पीछे होंगे।

ई-कचरा नियमन पर अंतरराष्ट्रीय अध्ययन के लिए छह देशों के प्रतिनिधि भारत पहुंचे

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में आज से 13 फरवरी तक होने वाले ई-कचरा के नियमन और रीसाइक्लिंग पर अंतरराष्ट्रीय अध्ययन के लिए छह देशों के प्रतिनिधि भारत पहुंचे हैं। कार्यक्रम का आयोजन अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ (आईटीयू) और दूरसंचार विभाग कर रहा है। केंद्रीय संचार मंत्रालय के अनुसार, कार्यक्रम में कोलंबिया, डोमिनिकन गणराज्य, भारत, मलेशिया, नाइजीरिया और दक्षिण अफ्रीका के प्रतिनिधि शामिल हैं। पहले दिन करीब 40 प्रतिभागी मौजूद रहे। संचार मंत्रालय ने बताया कि कार्यक्रम में 09 से 11 फरवरी तक तकनीकी कार्यशाला होगी। इसमें ई-कचरा से जुड़े कानून, उत्पादक की जिम्मेदारी और डिजिटल निगरानी प्रणाली पर चर्चा होगी। इलेक्ट्रॉनिक्स और दूरसंचार क्षेत्र में सर्कुलर मॉडल पर भी फोकस रहेगा। डिजिटल संचार आयोग के सदस्य रुद्र नारायण पलई ने कहा कि भारत ई-कचरा रीसाइक्लिंग में वैश्विक नेतृत्व कर सकता है। उन्होंने कहा कि सही प्रबंधन से हरित रोजगार बनेंगे और कच्चे माल की कमी घटेगी। कोलंबिया के राजदूत डॉ विक्टर ह्यूगो एचेवेरी जारामिलो ने कहा कि यह दौरा केवल तकनीकी कार्यक्रम नहीं है। यह देशों के बीच भरोसा और

दीर्घकालिक सहयोग का मंच है। दूरसंचार विभाग के सलाहकार शुभेंदु तिवारी ने कहा कि मजबूत नियमों के साथ उद्योग की भागीदारी जरूरी है। आधुनिक रीसाइक्लिंग ढांचे में निवेश पर जोर दिया गया। 12 फरवरी को प्रतिनिधि राजस्थान के अलवर में स्थित ई-कचरा रीसाइक्लिंग इकाई का दौरा करेंगे। 13 फरवरी को आईटीयू क्षेत्रीय कार्यालय और नवाचार केंद्र का भ्रमण होगा।

यह अध्ययन दौरा अक्टूबर 2025 में कोलंबिया में हुए पहले आदान-प्रदान के बाद हो रहा है। अगला अध्ययन दौरा अप्रैल 2026 में दक्षिण अफ्रीका में होगा।

उल्लेखनीय है कि दुनिया में हर साल 6.2 करोड़ टन ई-कचर निकलता है। केवल 22.3 प्रतिशतक कचरा ही औपचारिक रूप से एकत्र और रिसाइकिल किया जाता है।

पश्चिम बंगाल के डीजीपी को सुप्रीम कोर्ट के नोटिस पर भाजपा का वार, कहा- ममता बनर्जी पूरे देश को कर रहीं भ्रमित

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) ने पश्चिम बंगाल में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण(एसआईआर) को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर जनता को गुमराह करने और हिंसा भड़काने का आरोप लगाया। पार्टी के प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस ने सुप्रीम कोर्ट में चुनाव आयोग के खिलाफ भ्रामक दलीलें पेश कीं थी। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, तृणमूल कांग्रेस और पश्चिम बंगाल सरकार को बड़ा झटका लगा। पात्रा के मुताबिक चुनावी प्रक्रिया से जुड़ी कथित हिंसा के मामलों पर चुनाव आयोग की याचिका पर विचार करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल के पुलिस महानिदेशक को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। उन्होंने कहा कि कोर्ट ने पुलिस महानिदेशक को व्यक्तिगत हलफ़नामा दाखिल करने का निर्देश दिया है, जिसमें यह आश्वासन देना होगा कि राज्य में हिंसा नहीं होने दी जाएगी। पत्रकार वार्ता में उन्होंने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी ने बंगाल में अपनी भाषणों से हिंसा को आगे बढ़ाने की कोशिश की। लोगों को एसआईआर के खिलाफ भड़काकर सड़क पर हिंसा फैलाने की कोशिश की। यही नहीं, जो जिले में ब्लॉक्स होते हैं, उसमें कई ब्लॉक्स में तृणमूल के गुंडों और विधायकों द्वारा प्रायोजित दंगे किए गए। सांसद संबित पात्रा ने कहा, 'अदालत ने राज्य सरकार को आदेश दिया है कि 8505 ग्रुप-बी अधिकारी कल शाम 5 बजे तक अपने-अपने डीसी (जिला कलेक्टर) या ईआरओ (निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी) के पास चुनाव ड्यूटी के लिए रिपोर्ट करें। पिछले कई महीनों से ममता बनर्जी ने एक तरह का असहयोग आंदोलन चलाने का पक्का फैसला कर रखा था। न तो वह एसआईआर के लिए अपने अधिकारियों को सहयोग दे रही थीं और न ही उन्हें ड्यूटी पर तैनात कर रही थीं। आज सुप्रीम कोर्ट ने यह बात ममता बनर्जी को बिल्कुल साफ कर दी है। यह एक तरह से ममता बनर्जी की जिद का अंत है। माइक्रो-ऑब्ज़र्वर्स को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग की ओर से दी गई सफाई को स्वीकार कर लिया है। सफाई यह थी कि बंगाल सरकार अधिकारी उपलब्ध नहीं करा रही थी, जिसके कारण माइक्रो-ऑब्ज़र्वर्स को वे काम करने पड़ रहे थे जो उनके लिए निर्धारित नहीं थे। ' उन्होंने कहा, 'जब हिंसा हुई, तो बड़ी संख्या में फॉर्म-7 आपत्ति प्रपत्रों को ब्लॉक कार्यालय के सामने जला दिया गया। इसके लिए तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ता जिम्मेदार थे। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट रूप से कहा है कि अगर कोई आपत्ति दर्ज कराई गई है, तो ईआरओ (निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी) के लिए उसकी जांच करना एक वैधानिक कर्तव्य है। चाहे आपत्ति दर्ज कराने वाला व्यक्ति उनके सामने उपस्थित हो या न हो, जो दस्तावेज उनके पास आया है, उस पर कार्रवाई किए बिना ईआरओ के पास कोई विकल्प नहीं है। आज सुप्रीम कोर्ट के माध्यम से भारतीय लोकतंत्र को एक बड़ी जीत मिली है, और ममता बनर्जी जो पीड़ित होने का कार्ड खेल रही थीं, वह अब उनके हाथ से वो कार्ड निकल चुका है।

भारतीय परंपरा में स्त्री 'पूरक शक्ति' हैं : प्रो. कुमुद शर्मा

एजेंसी

नई दिल्ली। महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा की कुलपति प्रो. कुमुद शर्मा ने कहा कि भारतीय परंपरा में स्त्री को केवल 'संख्या'(आधी आबादी) नहीं बल्कि 'पूरक शक्ति' माना गया है। कुमुद शर्मा ने यह बात नई दिल्ली स्थित इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (आईजीएनसीए) के कलानिधि विभाग और वाणी प्रकाशन के संयुक्त तत्वावधान में दूरदर्शनः आधी आबादी की सशक्त गाथा पुस्तक लोकार्पण के अवसर पर कही। इस पुस्तक की लेखिका संगीता अग्रवाल हैं। मुख्यातिथि के रूप में उन्होंने कहा, नारी के विमर्श में केवल उनके संघर्ष की चर्चा ही पर्याप्त नहीं बल्कि उनकी उपलब्धियों का उल्लेख भी अनिवार्य है। कुमुद ने कहा कि आज मीडिया में जो स्त्रियां हैं, वो पुरुष के चैतन्य को कसौटी पर कस रही हैं। अब वे नीति-निर्माताओं में शामिल हैं। पूरे परिदृश्य में उनकी दृश्यता बहुत सशक्त है। आईजीएनसीए के सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने कहा कि किसी भी चुनौतीपूर्ण और जोखिमपूर्ण विषय पर पुस्तक का प्रकाशन लेखक से कहीं अधिक साहस का कार्य होता है, क्योंकि आज समाज में पढ़ने वालों और विशेषकर पुस्तकें खरीदकर पढ़ने वालों की संख्या लगातार कम होती जा रही है। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ जोशी ने की। इस मौके पर उच्चतम न्यायालय बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष डॉ आदिश सी अग्रवाल, आईजीएनसीए के विभागाध्यक्ष (कलानिधि) एवं डीन प्रो. (डॉ.) रमेश चन्द्र गौड़, वाणी प्रकाशन की मुख्य कार्यकारी अधिकारी अदिति माहेश्वरी, उप-निदेशक, आकाशवाणी की उप निदेशक प्रज्ञा देवड़ा और डीडी न्यूज लेखिका एवं हिंदी समाचार संपादक संगीता अग्रवाल मौजूद रहे।

आईएएस अशोक कुमार बने दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी अशोक कुमार को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीटी) दिल्ली का नया मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। वह इस पद पर आईएएस अधिकारी आर एलिस वाज़ का स्थान लेंगे। निर्वाचन आयोग के सोमवार के आदेश के अनुसार दिल्ली सरकार से परामर्श के बाद अशोक कुमार (एजीएमयूटी कैडरः 2006) के नाम को मंजूरी दी गयी है। नियुक्ति उनके कार्यभार ग्रहण करने वाले दिन से प्रभावी होगी, जो अगले आदेश तक जारी रहेगी। आयोग ने निर्देश दिया है कि अशोक कुमार तत्काल प्रभाव से मुख्य निर्वाचन अधिकारी का कार्यभार संभालें। साथ ही एक सप्ताह के भीतर अनुपालन रिपोर्ट भेजने को भी कहा गया है। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि पदभार ग्रहण करने से पहले वह दिल्ली सरकार के तहत बाकी सभी पद छोड़ देंगे।

डीएमडीके से गठबंधन पर केंद्रीय नेतृत्व कर रहा चर्चाः एल. मुरुगन

एजेंसी

चेन्नई। डीएमडीके के साथ गठबंधन के सवाल पर केंद्रीय राज्य मंत्री एल. मुरुगन ने कहा कि इस पर केंद्रीय नेतृत्व चर्चा कर रहा है और उचित समय पर इसकी घोषणा की जाएगी। चेन्नई के तियागराय नगर स्थित भाजपा मुख्यालय कमलालयम में केंद्रीय राज्य मंत्री एल. मुरुगन ने पत्रकारों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि तमिलनाडु लोक सेवा आयोग के माध्यम से एक भी परीक्षा सही तरीके से आयोजित नहीं की जा पा रही है, इस स्थिति पर सरकार को शर्म से सिर झुक जाना चाहिए। तमिलनाडु सरकार युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। छात्र पिछले कई वर्षों से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे थे, लेकिन परीक्षा केंद्र पर अंतिम समय में परीक्षा रद्द कर दी गई। यह डीएमके सरकार की अक्षमता को दर्शाता है। इस मुद्दे पर डीएमके गठबंधन के सहयोगी दल भी चुप्पी साधे हुए हैं। विधानसभा चुनाव गठबंधन के संबंध में उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की घोषणा मदुरंथकम में की जा चुकी है, लेकिन डीएमके गठबंधन में कौन-कौन से दल शामिल हैं, यह उन्हें खुद भी नहीं पता। उन्हें अब डर लगने लगा

है। तमिलनाडु को केंद्र से मिलने वाली सभी निधियां दी जा चुकी हैं। राज्य सरकार को खर्च का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना चाहिए। केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित नियमों का पालन करने वाले सभी राज्यों को निधि आवंटित की जाती है। यदि तमिलनाडु सरकार नियमों का पालन करेगी, तो उसे भी निधि मिलेगी। अनुसूचित जाति समुदायों सहित कई क्षेत्रों के लिए तमिलनाडु को आवंटित धनराशि वापस लौटा दी गई है। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के उपाध्यक्ष रहते हुए मैंने तमिलनाडु के कई इलाकों का दौरा कर आदिवासी समुदायों से मुलाकात की और उनके लिए आवश्यक कार्यों को लेकर रिपोर्ट सौंपी थी। लेकिन उन सिफारिशों को लागू नहीं किया गया। केवल अनुसूचित जाति छात्रावासों के नाम बदल देना ही काफी नहीं है। डीएमके सरकार अनुसूचित जाति के लोगों का उपयोग केवल वोट बैंक के रूप में करती है, उनके प्रति कोई वास्तविक चिंता नहीं है। डीएमडीके के साथ गठबंधन की संभावना के सवाल पर केंद्रीय राज्य मंत्री एल. मुरुगन ने कहा, 'गठबंधन के विषय पर राष्ट्रीय नेतृत्व बातचीत कर रहा है और सही समय पर इसका निर्णय घोषित किया जाएगा।

भारत और ग्रीस में द्विपक्षीय रक्षा औद्योगिक सहयोग मजबूत करने पर हुआ करार

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की यात्रा पर आए ग्रीस के रक्षा मंत्री निकोलास-जॉर्जियोस डेंडियास ने नई दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की। दोनों रक्षा मंत्रियों ने भारत और ग्रीस के बीच द्विपक्षीय रक्षा औद्योगिक सहयोग मजबूत करने के लिए संयुक्त घोषणा पर हस्ताक्षर किये और साल 2026 के लिए द्विपक्षीय सैन्य सहयोग योजना का आदान-प्रदान किया। ग्रीस ने भारत में संपर्क अधिकारी तैनात करने की घोषणा की, ताकि दोनों समुद्री देशों के बीच आपसी सहयोग को बढ़ाया जा सके। नई दिल्ली में द्विपक्षीय वार्ता में दोनों रक्षा मंत्रियों ने दोहराया कि भारत-ग्रीस की रणनीतिक साझेदारी शांति, स्थिरता, स्वतंत्रता और आपसी सम्मान के साझा मूल्यों पर आधारित है। दोनों देशों ने भारत के 'आत्मनिर्भर भारत' और 'एजेंडा 2030' के तहत हेलेनिक डिफेंस सुधारों के बीच साझेदारी के जरिए अपने-अपने रक्षा उद्योगों की क्षमताएं बढ़ाने का फैसला लिया। भारत और ग्रीस के बीच रक्षा औद्योगिक सहयोग को मजबूत करने के लिए एक संयुक्त समझौते पर हस्ताक्षर किए,

जो पांच साल का रोडमैप बनाने का शुरुआती चरण है।रक्षा मंत्रियों ने इलाके की शांति और सुरक्षा के अलग-अलग मुद्दों पर चर्चा की और दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग और सामरिक रिश्तों को मजबूत करने की बात मानी। दोनों देशों ने 2026 के लिए द्विपक्षीय सैन्य सहयोग योजना भी साझा की, जिसमें दोनों देशों की सेनाओं के बीच सैन्य मुकाबलों का रास्ता बताया गया। दोनों पुराने समुद्री देशों के बीच अलग-अलग जरूरी समुद्री मुद्दों पर एक राय पर भी जोर दिया गया। ग्रीस ने गुरुग्राम के इंफॉर्मेशन फ्यूजन सेंटर-इंडियन ओशन रीजन में एक लाइजन ऑफिसर को तैनात करने की घोषणा की, ताकि दोनों समुद्री देशों के बीच आपसी सहयोग को बढ़ाया जा सके। इस बैठक से पहले ग्रीस के रक्षा मंत्री ने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर फूल चढ़ाए और देश की सेवा में सबसे बड़ा बलिदान देने वाले बहादुरों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने मानेकशॉ सेंटर में तीनों सेनाओं के गार्ड ऑफ ऑनर का भी निरीक्षण किया। अपने प्रवास के दौरान हेलेनिक प्रतिनिधिमंडल ने बेंगलुरु का भी दौरा किया और नई दिल्ली में रक्षा उद्योग और स्टार्ट-अप प्रतिनिधियों से बातचीत की। यह दौरा भारत और हेलेनिक रिपब्लिक के बीच स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप को फिर से पक्का करता है, जो दोनों देशों और लोगों के बीच लंबे समय से चले आ रहे अच्छे और करीबी रिश्तों पर आधारित है। उल्लेखनीय है कि ग्रीस का आधिकारिक नाम- हेलेनिक गणराज्य है और हेलेनिक गणराज्य का अर्थ- यूनानियों का गणराज्य है।

पत्थर से की गई आतंकी अब्दुल रहमान की हत्या,आरोपित के खिलाफ जम्मू में हत्या के आठ केस दर्ज

एजेसी

फरीदाबाद। हरियाणा के फरीदाबाद की नीमका जेल में बंद आतंकी अब्दुल रहमान की हत्या उस समय पत्थर मारकर की गई जब वह गहरी नींद में था। इसके बावजूद अभी तक यह खुलासा नहीं हो सका है कि साथी कैदी ने अब्दुल रहमान की हत्या क्यों की है। बल्लभगढ़ के एसीपी अशोक वर्मा ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि फिलहाल हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है। मृतक के परिजनों को सूचना दे दी है, उनके आने के बाद ही पोस्टमार्टम की प्रक्रिया होगी। एसीपी अशोक वर्मा ने बताया कि बीती रात पत्थरनुमा चीज से सोते हुए अब्दुल रहमान के सिर पर वार करके उसकी हत्या की गई है, वहीं उन्होंने बताया कि घटना के समय तीन कैदी एक ही बैरक में बंद थे, जिनमें अब्दुल रहमान, जम्मू कश्मीर का कैदी अरुण चौधरी उर्फ अब्बू जट और शोएब था। इस घटना के बाद जेल प्रशासन ने जेल के अंदर जो भी चिकित्सा सुविधा थी, देने की कोशिश की लेकिन अब्दुल की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि जेल नियमों के अनुसार कैदी से जेल के अंदर पूछताछ नहीं की जा सकती इसके लिए अदालत से अनुमति लेकर पूछताछ की जाएगी तभी मालूम चलेगा कि हत्या करने का कारण क्या था। एसीपी वर्मा ने बताया कि मृतक अब्दुल यूपी के फैजाबाद का रहने वाला था और उनके परिजनों को सूचना दे दी है उनके आने के बाद ही पोस्टमार्टम की प्रक्रिया होगी। एसीपी ने बताया की हत्या करने वाला अरुण चौधरी उर्फ अब्बू जट जम्मू कश्मीर का रहने वाला है उसे अक्टूबर 2024 में फरीदाबाद की नीमका जेल में शिफ्ट किया गया था। यह तीनों कैदी पिछले 15 दिनों से एक ही बैरक में थे और हत्या करने वाले कैदी अरुण पर जम्मू कश्मीर में हत्या समेत आठ मामले दर्ज थे। अब जेल प्रशासन से ही पता चलेगा कि अरुण को किन कारणों से फरीदाबाद शिफ्ट किया गया था। उन्होंने कहा कि बैरक में मौजूद तीसरे कैदी शोएब का इस हत्या से कोई लेना देना नहीं है। साथ ही उन्होंने बताया कि अभी हमें जेल में हत्या की शिकायत मिली है जिस पर कार्रवाई जारी है और जेल में मर्डर की ज्यूडिशली इंक्वारी भी चल रही है। उल्लेखनीय है कि जम्मू के आरएस पुरा के गांव खौर देओनियन का रहने वाला अरुण सांबा के रहने वाले अक्षय शर्मा हत्याकांड के बाद चर्चा में आया था। वर्ष 2023 में पंजाब में मुठभेड़ के बाद अरुण चौधरी को गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तारी के बाद अरुण चौधरी को कठुआ जेल में रखा गया था।

टी20 विश्वकप : डि लीडे के हरफनमौला प्रदर्शन से नीदरलैंड ने नामीबिया को सात विकेट से हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। मंगलवार को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के 10वें मैच में, बास डी लीडे के शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन की बदौलत नीदरलैंड्स ने नामीबिया पर सात विकेट से जीत दर्ज की। पाकिस्तान से पहले मैच में मिली करीबी हार के बाद, नीदरलैंड्स ने नामीबिया पर शानदार जीत के साथ टी20 विश्व कप में अपनी उम्मीदों पर फिर से सवार हो गया। इस जीत के सूत्रधार बास डी लीडे रहे, जो नीदरलैंड्स के लिए बल्ले और गेंद दोनों से सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी साबित हुए। उन्होंने गेंद से नामीबिया को ध्वस्त कर दिया (3 ओवर में 2/20) और फिर पांच चौकों और चार छक्कों सहित 48 गेंदों पर शानदार नाबाद 72 रनों की पारी खेलकर नीदरलैंड्स को लक्ष्य के करीब पहुंचाया।

पहले फील्डिंग करने का विकल्प चुनते हुए, डच गेंदबाजों को तुरंत सफलता मिली क्योंकि आर्यन दत्त (3 ओवर में 1/13) ने नामीबिया के सलामी बल्लेबाज लॉरेन स्टीनकैंप को जल्दी आउट कर दिया। पावरप्ले में नामीबिया को लय हासिल करने में काफी संघर्ष करना पड़ा और 6 ओवर के बाद उसका स्कोर मात्र 40/1 रहा। जान निकोल लॉफ्टी-ईटन (38 गेंदों में 42 रन) और जान फ्रायलिंक (26 गेंदों में 30 रन) ने पारी को संभालने का प्रयास किया, लेकिन नीदरलैंड की अनुशासित गेंदबाजी ने रन रेट को नियंत्रण में रखा।

मध्य ओवर बास डी लीड और लोगान वैन बीक (3 ओवर में 2/13) के नाम रहे, जिन्होंने मिलकर चार विकेट लिए। डी लीड ने खतरनाक गेरहार्ड इरास्मस और जेजे स्मिट को आउट किया। नामीबिया अंततः 20 ओवर में 156/8 के प्रतिस्पर्धी लेकिन कम स्कोर पर समाप्त हुआ। मैक्स ओ'डॉउड के बर्नार्ड स्कोल्ट्ज़ के हाथों जल्दी आउट होने के बावजूद, डच टीम ने लक्ष्य का पीछा करते हुए अच्छी शुरुआत की। माइकल लेविट (15 गेंदों में 28 रन) ने जल्दी बल्लेबाजी करते हुए आउट हो गए, जिससे नीदरलैंड्स का स्कोर छह ओवरों में 50/2 हो गया।

इसके बाद, बास डी लीड का जलवा रहा। कॉलिन एकरमैन (28 गेंदों में 32 रन) के साथ साझेदारी करते हुए, डी लीड ने संयम से पारी को संभाला और फिर तेजी से रन बनाने लगे। उन्होंने मात्र 38 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। हालांकि एकरमैन लॉफ्टी-ईटन के हाथों आउट हो गए, लेकिन परिणाम को लेकर कोई संदेह नहीं था। डी लीड (48 गेंदों में 72*) और कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स (9 गेंदों में 18*) ने 12 गेंद शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया और एक शानदार चौके के साथ मैच समाप्त किया।

सिफर्ट और एलन की ताबड़तोड़ पारी, न्यूजीलैंड ने यूएई को 10 विकेट से रौंदा

चेन्नई। टिम सिफर्ट (नाबाद 89) और फिन एलन (नाबाद 84) की आक्रामक पारियों और दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 92 गेंद में 175 रन की रिकॉर्ड साझेदारी ने न्यूजीलैंड ने आईसीसी टी20 विश्व कप मैच में मंगलवार को यहां 28 गेंद शेष रहते संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को 10 विकेट से शिकस्त देकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। यूएई को छह विकेट पर 173 रन पर रोकने के बाद न्यूजीलैंड ने महज 15.2 ओवर में बिना किसी नुकसान के 175 रन बनाकर एकतरफा जीत दर्ज की। न्यूजीलैंड की यह लगातार दूसरी जीत है। टीम ने इससे पहले अफगानिस्तान को हराया था। 'प्लेयर ऑफ द मैच' सिफर्ट ने 42 गेंद की नाबाद पारी में 12 चौके और तीन छक्के लगाये। एलन ने 50 गेंद की नाबाद पारी में पांच छक्के और इतने ही चौके लगाये, इसके साथ उन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय में 100 छक्के पूरे किए। इस जोड़ी ने पारी की शुरुआत से ही आक्रामक रूख अपनाते हुए यूएई के गेंदबाजों को कोई मौका नहीं दिया। दोनों की 175 रन की साझेदारी टी20 विश्व कप में किसी भी विकेट के लिए सर्वश्रेष्ठ साझेदारी है। कप्तान मोहम्मद वसीम (नाबाद 66) और अलीशाह शराफू (55) की अर्धशतकीय पारियों और दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 107 रन की साझेदारी से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने छह विकेट पर 173 रन बनाए।

टी20 विश्वकप में परिवार को साथ नहीं रख पायेंगे भारतीय खिलाड़ी

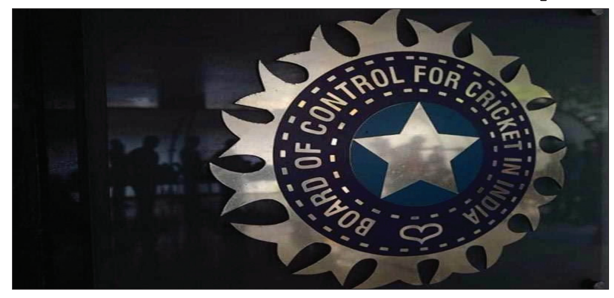

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि टी20 विश्वकप के दौरान खिलाड़ी अपने परिवारों को साथ नहीं रख पायेंगे। विश्वकप में भारतीय टीम ग्रुप स्तर के तीन मुकाबले अपनी ही धरती पर खेलेगी। बीसीसीआई ने ऑस्ट्रेलिया दौरे में खराब प्रदर्शन के बाद ये नियम बना दिया था कि 45 दिनों से ज्यादा चलने वाली सीरीज या टूर्नामेंट में ही परिवार के सदस्य खिलाड़ियों के साथ 14 दिनों तक रह सकते हैं। वहीं छोटे दौरे के लिए यह सीमा घटाकर केवल सात दिन कर दी गई है। टीम प्रबंधन ने क्रिकेटरों के परिवारों को उनके साथ रहने की इजाजत देने के बारे में बीसीसीआई से अनुमति मामंगी थी पर बोर्ड ने जवाब दिया कि खिलाड़ी परिवार के साथ नहीं रह सकेंगे। रहेंगे पर अगर वे चाहें तो परिवार अलग से रह सकता है।

टीम तीन चरण में खेलगी उसे तीन मैच घर पर और एक मैच कोलंबो में खेलेगा। यह मैच भारत पाकिस्तान के खिलाफ होगा। खिलाड़ियों के साथ पत्नियों और परिवारों को टूर पर जाने से रोकने का फैसला पिछले जनवरी में फिर से लागू किया गया था। इसे कोविड-19 महामारी के दौरान रद्द कर दिया गया था।

टीम के 2024-25 के ऑस्ट्रेलिया दौरे में खराब प्रदर्शन के बाद कहा गया था कि परिवार के साथ रहने से खिलाड़ी का ध्यान बंटता है और वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाता। इसके अलावा, बीसीसीआई ने एक नियम और बनाया है जिसके तहत कहा गया था कि खिलाड़ियों को हर समय टीम के साथ यात्रा करनी होगी।

पीएम मोदी से मिलने के बाद रवींद्र जडेजा की पहली प्रतिक्रिया आई सामने

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा, अपनी पत्नी रीवाबा जडेजा और गुजरात की ट्राइबल डेवलपमेंट, प्राइमरी, सेकेंडरी और एडल्ट एजुकेशन मिनिस्टर के साथ मंगलवार को नई दिल्ली में पार्लियामेंट हाउस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिले। जडेजा ने अपनी मीटिंग की तस्वीरें पोस्ट करते हुए X पर लिखा, 'माननीय पीएम श्री नरेंद्र मोदी सर से मिलना और बातचीत करना बहुत गर्व और सम्मान की बात है। उनके विचारों की स्पष्टता, उत्साह और बेहतरीन काम के लिए कमिटमेंट बहुत प्रेरणा देने वाला है। ऐसी लीडरशिप से सीखना गर्व की बात है।'

यह मीटिंग ऐसे समय में हुई जब जडेजा भारतीय क्रिकेट के सीनियर खिलाड़ियों में से एक हैं, जिन्हें सोमवार को घोषित BCCI की सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट की एलीट A कैटेगरी में रखा गया है। वह टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल और जसप्रीत बुमराह के साथ यह दर्जा पाने वाले केवल तीन खिलाड़ियों में से एक थे। टी20 वर्ल्ड कप 2024 के बाद रोहित शर्मा और विराट कोहली के 20 ओवर के खेल से रिटायरमेंट के बाद जडेजा ने टी20 इंटरनेशनल मैचों से दूरी बना ली है और सबसे छोटे फॉर्मेट में अपने करियर को अलविदा कह दिया है। इस वजह से वह भारत और श्रीलंका की को-होस्टिंग में चल रहे ICC टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत की टीम का हिस्सा नहीं हैं।

टी20 वर्ल्ड कप: पाकिस्तान सरकार का यू-टर्न!

15 फरवरी को खेला जाएगा भारत-पाक के बीच हाई वोल्टेज मैच

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान सरकार ने पुरुष क्रिकेट टीम को आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्ड कप में भारत के खिलाफ अपना तय मैच खेलने की इजाजत दे दी है। यह मुकाबला 15 फरवरी को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेला जाना है।

उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने आईसीसी से अपने मुकाबले भारत के बजाय किसी अन्य वेन्यू पर शिफ्ट करने की अपील की थी, लेकिन आईसीसी ने बीसीबी की अपील को ठुकरा दिया, जिसके बाद बांग्लादेश के स्थान पर स्कॉटलैंड को टी20 वर्ल्ड कप 2026 में शामिल किया गया।

इसके बाद पाकिस्तान सरकार ने पहले टीम से कहा था कि भारत के खिलाफ मैच न खेले, ताकि बांग्लादेश को समर्थन दिखाया जा सके, लेकिन आईसीसी की ओर से भारत के मैच का बहिष्कार करने की पाकिस्तान की धमकी पर कड़ा रुख अपनाने और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) और श्रीलंका सरकार की ओर से पाकिस्तान से अपने फैसले पर फिर से विचार करने के अनुरोध के बाद, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पाकिस्तान पुरुष टीम को मैच खेलने की इजाजत दे दी है।

पाकिस्तान सरकार ने कहा कि उसने बांग्लादेश और श्रीलंका के अनुरोधों के कारण अपनी टीम को 15 फरवरी का मैच खेलने की अनुमति दी है।

पाकिस्तान सरकार ने कहा, 'पाकिस्तान सरकार ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड द्वारा पीसीबी को भेजे गए औपचारिक अनुरोधों के साथ-साथ श्रीलंका, संयुक्त अरब अमीरात और अन्य सदस्य देशों के समर्थन संदेशों की समीक्षा की है। इन संदेशों में हाल की चुनौतियों का एक समाधान खोजने में पाकिस्तान के नेतृत्व की मांग की गई थी। सरकार ने बीसीबी अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम के बयान पर भी गौर किया। हमारे भाईचारे वाले देश की ओर से व्यक्त की गई गहरी कृतज्ञता को बहुत गर्मजोशी से स्वीकार किया गया। पाकिस्तान इस बात की पुष्टि करता है कि वह बांग्लादेश के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है।

बयान में कहा गया है, 'रविवार शाम, प्रधानमंत्री ने श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके से टेलीफोन पर बात की। अपनी गर्मजोशी भरी और मैत्रीपूर्ण बातचीत के दौरान, उन्होंने याद किया कि पाकिस्तान और श्रीलंका हमेशा कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहे हैं, खासकर चुनौतीपूर्ण समय में। श्रीलंका के राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री से मौजूदा गतिरोध को सौहार्दपूर्ण ढंग से हल करने पर गंभीरता से विचार करने का अनुरोध किया।'

सोमवार रात को पाकिस्तान सरकार की ओर से जारी एक बयान में कहा गया, 'बहुपक्षीय चर्चा के नतीजों और मित्र देशों के अनुरोध को देखते हुए, पाकिस्तान सरकार पाकिस्तान नेशनल क्रिकेट टीम को आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्ड कप में अपने तय मैच के लिए 15 फरवरी 2026 को मैदान में उतरने का निर्देश देती है।'

टी20 वर्ल्ड कप के बीच श्रीलंका के लिए बुरी खबर, स्टार खिलाड़ी वानिंदु हसरंगा गंभीर चोट के कारण बाहर

नई दिल्ली। श्रीलंका को बड़ा झटका लगा है। स्टार ऑलराउंडर वानिंदु हसरंगा आयरलैंड के खिलाफ टूर्नामेंट के पहले मैच में लगी हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण टी20 विश्व कप 2026 के शेष मैचों से बाहर हो गए हैं। एमआरआई स्कैन में उनकी बाईं हैमस्ट्रिंग में गंभीर चोट का पता चलने के बाद हसरंगा अब टूर्नामेंट से बाहर हो जाएंगे। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि एमआरआई रिपोर्ट को यूके के एक विशेषज्ञ ने पहले ही देख लिया था। फिलहाल, श्रीलंका टूर्नामेंट में उनकी जगह दुशान हेमंथा को शामिल कर सकता है। हसरंगा अपनी हैमस्ट्रिंग की चोट से जूझते हुए भी गेंद से शानदार प्रदर्शन करते हुए आयरलैंड के खिलाफ श्रीलंका की 20 रन की करीबी जीत में अपने चार ओवरों में 25 रन देकर तीन विकेट लिए। मैच की दूसरी गेंद फेंकने के तुरंत बाद ही हैमस्ट्रिंग की समस्या से जूझते हुए हैसरंगा को परेशानी होने लगी और इस वजह से उनकी गेंदबाजी में भी दिक्कत आ रही थी। हालांकि, उन्होंने जबरदस्त प्रभाव छोड़ा और श्रीलंका की पारी में अहम भूमिका निभाई, जिससे आयरलैंड 164 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए आखिरी कुछ ओवरों में ढेर हो गया। उन्होंने रॉस एडायर, हैरी टेक्टर और कर्टिस कैम्फर जैसे खिलाड़ियों को आउट किया और गेंद से बेहतरीन प्रदर्शन किया।

डी कॉक ने धोनी के एक विश्व रिकार्ड की बराबरी की

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक कनाडा के खिलाफ हुए टी20 विश्वकप क्रिकेट मैच में बल्लेबाजी में तो असफल रहे पर उन्होंने इस मैच में भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के एक विश्व रिकार्ड की जरुर बराबरी कर ली। डी कॉक ने कनाडा के खिलाफ हुए मुकाबले में दो कैच पकड़े। इसी के साथ उन्होंने धोनी के टी20 विश्वकप में विकेटकीपर के तौर पर सबसे अधिक 32 खिलाड़ियों को आउट करने के रिकार्ड की बराबरी कर ली। अब डी कॉक के पास अगले मैच में धोनी का रिकार्ड तोड़ने का अच्छा अवसर है।

टी20 विश्वकप में विकेटकीपर के तौर पर सबसे ज्यादा आउट करने वाले खिलाड़ियों में तीसरे नंबर पर पाकिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज कामरान अकमल हैं। कामरान ने विकेट के पीछे 30 शिकार किये हैं। वहीं वेस्टइंडीज के दिनेश रामदीन चौथे 27 और श्रीलंके के पूर्व कप्तान कुमार संगाकारा 26 शिकार के साथ ही पांचवें पायदान पर हैं। मैच की बात करें तो दक्षिण अफ्रीका ने कप्तान एडन मार्करम के 59 रनों की पारी से निर्धारित 20 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 213 रन बनाए। वहीं कनाडा की ओर से अंश पटेल ने 31 रन देकर 3 विकेट लिए। इसके बाद जीत के लिए मिले 214 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए कनाडा की टीम 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 156 रन पर ही आउट हो गयी। केवल नवनीत धालीवाल ही 64 बना पाये। वहीं बाकि बल्लेबाज असफल रहे।

टी20 विश्वकप : वेस्टइंडीज के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी इंग्लैंड

मुंबई (एजेंसी)। इंग्लैंड की टीम बुधवार को ग्रुप सी के अपने दूसरे मैच में वेस्टइंडीज के खिलाफ बड़ी जीत के इरादे से उतरेगी। इंग्लैंड को पहले मैच में नेपाल जैसी कमजोर टीम के खिलाफ कड़ा संघर्ष करने के बाद भी केवल 4 रनों से ही जीत मिली थी। ऐसे में उसका लक्ष्य वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना रहेगा। उसके लिए ये इतना भी कठिन नहीं है क्योंकि वेस्टइंडीज टीम भी काफी कमजोर है और उसके खिलाड़ी लय में नहीं हैं।

टी20 में हालांकि किसी भी टीम को कम नहीं आंका जा सकता है। हैरी ब्रुक की कप्तानी वाली इंग्लैंड टीम के पास सैम करन जैसे अच्छा गेंदबाज है। नेपाल के खिलाफ सैम ने अंतिम ओवर में केवल 5 रन ही देकर अपनी टीम को जीत दिलायी थी। उन्होंने अंतिम ओवर में लाइन और लेंथ से नेपाल के बल्लेबाजों को रन बनाने का कोई अवसर नहीं दिया। इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने हालांकि मैच में अच्छा प्रदर्शन किया था पर उसके स्पिनर आदिल राशिद और तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर प्रभावित नहीं कर पाये। इससे नेपाल के बल्लेबाज मैच को अंत तक ले जाने में सफल रहे। मैच में कप्तान हैरी और युवा जैकब बेथेल ने अर्धशतक लगाए। इसके अलावा अन्य बल्लेबाजों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया। इंग्लैंड की टीम इस मैच में अपना रन औसत भी बेहतर करना चाहेगी। नेपाल के खिलाफ जीत के बाद भी उसका औसत 0.200 है और वह तीसरे स्थान पर हैं जबकि स्कॉटलैंड दो अंकों और 0.950 के नेट रन औसल के साथ दूसरे स्थान पर है। वहीं वेस्टइंडीज के भी दो अंक हैं और उसका नेट रन औसत 1.750 है। दूसरी ओर वेस्टइंडीज जानता है कि इस मैच में उसे हर हाल में जीतना होगा।

वानखेड़े स्टेडियम में छोटी बाउंड्री से भी इस मैच में रनों को बनाना आसान रहेगा। वेस्टइंडीज ने अपने पहले मैच में शिमरोन हेटमायर के अर्धशतक 64 रनों के अलावा रोमारियो शेफर्ड के पांच विकेटों की सहायता से स्कॉटलैंड को हराया था पर उसे इसके लिए काफी संघर्ष करना पड़ा था। ऐसे में अगर उसे इस मैच में जीतना है तो सभी खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

सूर्यकुमार ने कप्तान के तौर पर अपने को साबित किया : गंभीर

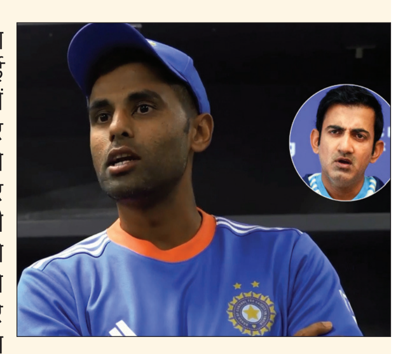

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कप्तान सूर्यकुमार यादव की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह मेरा काम आसान कर देते हैं। गंभीर ने कहा कि टी20 प्रारुप में कप्तान बनाये जाने के बाद से ही सूर्या ने अपनी जिम्मेदारी काफी अच्छे से निभाई है। वह हर प्रकार से सफल रहे है। दबाव के बीच भी उनकी नेतृत्व क्षमता को सभी ने देखा है। एक वीडियो में गंभीर ने कहा कि टीम में सूर्यकुमार जैसे आक्रामक बल्लेबाज से भारतीय टीम को काफी लाभ होता है। टीम के लिए ये खुशी की बात है कि उसे ऐसा कप्तान और बल्लेबाज मिला है जो संयमित रहते हुए सभी का सही उपयोग करता है। इससे कोच के तौर पर मेरा काम भी आसान हो गया है। गंभीर ने कहा, 'सूर्यकुमार ने इस प्रारूप में मेरा काम कर कर दिया है। वह लोगों के लिए एक बेहतरीन कप्तान हैं, यह केवल नहीं कि वह मैदान पर क्या करते हैं, या बल्लेबाज के रूप में कैसे हैं, या उनके शॉट्स इस प्रारूप में किस प्रकार के हैं।' कोच के तौर पर दिमाग में कई बातें चल रही होती हैं पर सूर्यकुमार माहौल को शांत बनाए रखते है, जो हर कोच चाहता है।' सूर्यकुमार ने पहले ही मैच में अमेरिका के खिलाफ पारी को संभालकर टीम को जीत दिलायी। उन्होंने एक छोर से विकेटों के गिरने के बची भी 49 गेंदों में नाबाद 84 रन बनाकर टीम को मैच में बनाये रखा। गंभीर ने कहा, 'मेरे लिए खिलाड़ी सूर्यकुमार को अलग रखा जा सकता है पर कप्तान सूर्यकुमार के तौर पर वह हर परीक्षा खरे उतरे हैं। इससे मुझे भी काफी आराम मिल गया है क्यों मेरा काफी काम वहीं कर देते हैं। वह वास्तव में एक शानदार नेतृत्वकर्ता हैं।' यह सौभाग्य की बात है कि देश का नेतृत्व उनके जैसे खिलाड़ी के हाथ में है, क्योंकि उनका दिल सही जगह पर है और दबाव में वह सही फैसला लेते हैं।' गौरतलब है कि रोहित शर्मा के टी20 से संन्यास के बाद गंभीर ने ही सूर्या को कप्तानी देने की मांग की थी।

यूएफा महिला चैंपियंस लीग खेलने वाली पहली भारतीय महिला फुटबॉलर हैं मनीषा, एलियांजा लीमा क्लब से खेलेंगी

लीमा। भारतीय महिला फुटबॉलर मनीषा कल्याण मनीषा यूएफा महिला चैंपियंस लीग में खेलने वाली पहली भारतीय फुटबॉलर हैं। इसके बाद से ही उन्हें विदेशी लीग से प्रस्ताव मिलने शुरु हुए। अब मनीषा पेरु के क्लब एलियांजा लीमा से खेलती हुई नजर आयेंगी। मिडफील्डर मनीषा ने हाल ही में इस क्लब से करार किया है। मनीषा के अनुसार इससे उन्हें काफी कुछ सीखने का अवसर मिलेगा। मनीष के अनुसार वह इस टीम की ओर से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का प्रयास करेंगी। उन्होंने कहा, ''मैं इस क्लब में आकर बहुत खुश हूं। मुझे उनका खेलने का अंदाज काफी अच्छा लगता है।मैं अब इस नई चुनौती को लेकर बेहद उत्साहित हूं। वहीं क्लब एलियांजा ने कहा, ''मनीषा के साथ करार से हमें खुशी हुई है। उनके आने से हैं टीम को मजबूत मिलेगी। उन्होंने यूरोपीय फुटबॉल के शीर्ष स्तर पर खेला है जिसका लाभ क्लब को मिलेगा।'' साथ ही कहा, ''कल्याण ने क्लब और राष्ट्रीय टीम दोनों स्तर पर शानदार प्रदर्शन किया है। उनके पेशेवर करियर में भारत, साइप्रस और यूनान की लीग में खेलने का अनुभव शामिल है।'' वहीं मनीषा ने कहा कि उसका प्रयास क्लब के लिए बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। उनका घ्यान अपना सौ फीसदी देने पर रहेगा।

कतर ओपन : झेंग की दमदार वापसी, एंड्रीएवा अंतिम-16 में

दोहा। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता झेंग किनवेन ने चोट से वापसी करते हुए कतर ओपन टेनिस टूर्नामेंट में शानदार जीत दर्ज की। झेंग ने सोमवार को खेले गए मुकाबले में 2020 ऑस्ट्रेलियन ओपन विजेता सोफिया केनिन को तीन सेटों के संघर्षपूर्ण मैच में 4-6, 6-1, 6-2 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। अब उनका सामना एलिसिया पार्क्स से होगा। सितंबर पिछले साल के बाद पहली बार प्रतिस्पर्धी टेनिस में उतरीं झेंग इस समय विश्व रैंकिंग में 26वें स्थान पर हैं। सीजन के अपने पहले ही मैच में उन्होंने 20 ऐस जमाकर जोरदार संदेश दिया। मैच के बाद झेंग ने कहा, 'चोट के बाद वापसी कभी पूरी तरह दर्द-मुक्त नहीं होती। लेकिन मुझे लगता है कि मेरी कोहनी सही दिशा में ठीक हो रही है। मैं अच्छी स्थिति में हूं और दो घंटे तक सर्व करते हुए खेल जारी रख सकती हूं।' उधर, पांचवीं वरीयता प्राप्त मिर्रा एंड्रीएवा ने राउंड ऑफ 64 में बाई मिलने के बाद अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की। उन्होंने मग्दा लिनेट को 7-6 (7/0), 6-1 से हराकर अंतिम-16 में जगह बनाई। दिन के मुकाबलों में कुछ बड़े उलटफेर भी देखने को मिले। तीसरी वरीयता प्राप्त अमांडा एनिसिमोवा करोलिना प्लिस्कोवा के खिलाफ तीसरे सेट में पिछड़ते हुए मुकाबले से हट गईं। वहीं, पूर्व यूएस ओपन चैंपियन एमा राडुकानू को भी कैमिला ओसोरियो के खिलाफ निर्णायक सेट में रिटायर होना पड़ा। मंगलवार को शीर्ष दो वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक और एलेना रयबाकिना राउंड ऑफ 32 में अपने-अपने अभियान की शुरुआत करेंगी। चौथी वरीयता कोको गॉफ भी सिंगल्स में अपना पहला मुकाबला खेलेंगी। गॉफ को सोमवार को उभरती स्टार विक्टोरिया म्बोको के साथ डबल्स में हार का सामना करना पड़ा था।

पाकिस्तान के यू-टर्न के बाद सौरव गांगुली का बड़ा बयान, टी20 वर्ल्ड कप में भारत से जीतना मुश्किल

मुम्बई (एजेंसी)। भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने 15 फरवरी को कोलंबो में अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले बहुप्रतीक्षित मुकाबले के लिए अपनी उत्सुकता व्यक्त की और भारतीय टीम के अपने पसंदीदा खिलाड़ियों के नाम भी बताए। पाकिस्तान के खिलाफ ग्रुप ए के मैच पर प्रतिक्रिया देते हुए गांगुली ने कहा कि यह विश्व कप का एक बड़ा मुकाबला होगा। मैच 15 फरवरी को है, पाकिस्तान के लिए भारत को हराना आसान नहीं होगा। भारत एक बहुत अच्छी टीम है।

बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष की यह टिप्पणी पाकिस्तान सरकार द्वारा सोमवार को दिए गए निर्देश के बाद आई है, जिसमें उन्होंने अपनी राष्ट्रीय क्रिकेट टीम को आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप में मौजूदा चैंपियन भारत के खिलाफ 15 फरवरी को होने वाले मैच के लिए मैदान में उतरने का निर्देश दिया था। पाकिस्तान सरकार द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को पीसीबी, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के बीच हुई उच्च स्तरीय वार्ता के परिणामों से अवगत कराया, जिसके बाद यह निर्णय लिया गया।

गौरतलब है कि पाकिस्तान ने पहले बांग्लादेश के समर्थन में अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी भारत के खिलाफ समूह चरण के विश्व कप मैच का बहिष्कार करने का फैसला किया था। बांग्लादेश को आईसीसी द्वारा सुरक्षा चिंताओं के कारण भारत से बाहर मैच आयोजित करने के अनुरोध को अस्वीकार करने के बाद टूर्नामेंट से बाहर कर दिया गया था। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके से भी चुनौतीपूर्ण समय में देश के समर्थन पर चर्चा की। आईसीसी और अन्य देशों के साथ चर्चा के बाद, पाकिस्तान सरकार ने अपनी क्रिकेट टीम को भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप मैच खेलने का निर्देश दिया है।

आईसीसी ने रविवार को लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में पीसीबी और बीसीबी के साथ बैठक की, जिसमें कोलंबो में भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप 2026 मैच के पाकिस्तान के बहिष्कार के फैसले पर चर्चा की गई। इसके बाद, बीसीबी अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम बुलबुल ने सोमवार को पाकिस्तान से 15 फरवरी को भारत के खिलाफ आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप मैच खेलने का आग्रह किया।

क्या दो हिस्सों में रिलीज होगी 'वाराणसी'? राजामौली ने अटकलों पर लगाया विराम

एसएस राजामौली इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'वाराणसी' की शूटिंग में बिजी हैं। यह प्राचीन पौराणिक कथाओं पर आधारित है और रामायण से जुड़ी है। जिस दिन से इसका एलान हुआ है, तभी से कयास लगाए जा रहे हैं कि यह फिल्म दो हिस्सों में बनेगी। अब राजामौली ने बताया है कि इस फिल्म का पार्ट 2 आएगा या नहीं।

राजामौली ने फिल्म 'बाहुबली' को दो हिस्सों में बनाया था, इसलिए 'वाराणसी' को लेकर भी अटकलें लगाई जा रही थीं कि यह दो हिस्सों में बनेगी। हालांकि एसएस राजामौली ने लंबे समय से चल रहे इस सस्पेंस को आखिरकार खत्म कर दिया है। मीडिया से राजामौली की बातचीत सामने आई है। इसमें उन्होंने इस मामले पर अपनी बात रखी है।

क्या दो हिस्सों में बनेगी 'वाराणसी'?

नवंबर 2025 में हैदराबाद में 'वाराणसी' की झलक लॉन्च के दौरान न्यूज एजेंसी स्क्रीन रेंट से बात करते हुए राजामौली ने साफ किया कि 'वाराणसी' एक सिंगल-पार्ट फिल्म होगी। इसका रनटाइम लगभग तीन घंटे होगा। उन्होंने बताया कि टीम ने शुरू में इसे दो हिस्सों में बनाने का विचार किया था, लेकिन प्रोडक्शन शुरू होने के कुछ ही समय बाद यह प्लान बदल गया। उन्होंने बताया कि उन्हें भरोसा है कि अगर दर्शक कहानी में खो जाते हैं और उसमें दिलचस्पी लेते हैं, तो रन टाइम ज्यादा लंबा नहीं लगेगा।

'वाराणसी' की स्टारकास्ट

फिल्म 'वाराणसी' साल 2027 में रिलीज होने वाली है। इसमें प्रियंका चोपड़ा के साथ महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन अहम किरदारों में होंगे। रिलीज से काफी पहले फिल्म दुनिया भर में चर्चा बटोर रही है। नवंबर 2025 में 'वाराणसी' की एक झलक दिखाई गई थी। इसे दर्शकों ने काफी पसंद किया था।

वाराणसी के अलावा इस भारतीय फिल्म से जुड़ रही प्रियंका चोपड़ा

लंबे समय से हिंदी फिल्मों से दूर प्रियंका चोपड़ा अब सुर्खियों में आने लगी हैं। खबरें हैं कि प्रियंका चोपड़ा ऋतिक रोशन के साथ 'कृष 4' में लीड रोल में नजर आने वाली हैं। फैंस के लिए यह अच्छी खबर है। प्रियंका चोपड़ा 'कृष' फ्रेंचाइजी की दो फिल्मों में लीड एक्ट्रेस रही हैं।

'कृष 4' का हिस्सा होंगी प्रियंका?

फैंस लंबे समय से इस बात को लेकर कशमकश में थे कि 'कृष 4' में फीमेल लीड के तौर पर कौन होगा। अब बॉलीवुड हंगामा ने यह खबर दी है कि फिल्म में प्रियंका चोपड़ा लीड रोल में होंगी। इस खबर से फैंस उत्साहित हैं।

दो फिल्मों में निभाया लीड रोल

प्रियंका चोपड़ा 'कृष' से काफी पहले से जुड़ी रही हैं। दो फिल्मों में उन्होंने ऋतिक रोशन के साथ अहम किरदार निभाया है। दर्शकों ने फिल्म में उनकी और ऋतिक की केमिस्ट्री को पसंद किया है। ऐसे में लगता है कि वह फिल्म में वापसी कर सकती हैं।

कौन होगा निर्देशक?

ऋतिक रोशन न सिर्फ 'कृष 4' में अभिनय करेंगे बल्कि वह इसका निर्देशन भी करेंगे। उनके निर्देशन में बनने वाली यह पहली फिल्म होगी। फैंस इस बात को लेकर उत्साहित हैं कि ऋतिक कैसे कैमरे के पीछे से चीजें संभालेंगे।

प्रियंका का वर्कफ्रंट

आपको बता दें कि प्रियंका चोपड़ा आखिरी बार फिल्म 'द स्काइ इज पिंक' में नजर आई थीं। इसमें उनके साथ फरहान अख्तर और जायरा वसीम थीं। इसके बाद उन्होंने विदेशी फिल्मों में काम किया। वह जल्द ही फिल्म 'वाराणसी' से भारतीय सिनेमा में वापसी कर रही हैं।

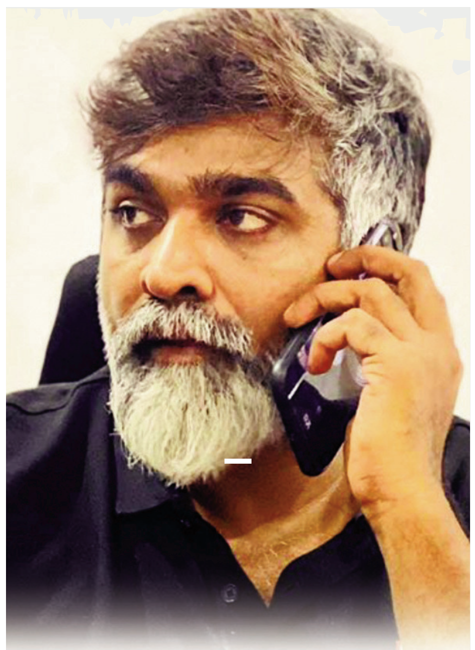

नितेश तिवारी की 'रामायण' में विभीषण के रोल में दिखाई देंगे विजय सेतुपति

फिल्म 'रामायण' को नितेश तिवारी निर्देशित कर रहे हैं। इसका पहला पार्ट इस साल दिवाली पर रिलीज होगा, वहीं दूसरा पार्ट अगले साल की दिवाली पर रिलीज किया जाएगा। हाल ही में फिल्म को लेकर नया अपडेट सामने आया है। फिल्म में रणबीर कपूर जहां राम भगवान का किरदार निभा रहे हैं। वहीं साउथ एक्टर यश, रावण के किरदार में नजर आएंगे। हाल ही में एक यह खबर सामने आई है कि फिल्में विजय सेतुपति भी होंगे।

रिपोर्ट के अनुसार फिल्म 'रामायण' में विजय सेतुपति रावण के रोल भाई का रोल करेंगे वह विभीषण के रोल में दिखाई देंगे। फिल्म में यह किरदार अच्छाई का प्रतीक है। फिल्म में विजय सेतुपति यह किरदार निभाएंगे, इसे लेकर मेकर्स ने अभी तक कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की है। फिल्म 'रामायण' में रणबीर कपूर, यश के अलावा सनी देओल, रवि दुबे और साई पल्लवी जैसे एक्टर्स भी नजर आंएगे। फिल्म को मेकर्स पैन इंडिया रिलीज करने वाले हैं। फिल्म का म्यूजिक एआर रहमान और हॉलीवुड कंपोजर हंस जिमर बना रहे हैं।

खाकी पहनकर 'कर्तव्य' निभाने निकले सैफ! 'गांधारी' बनीं तापसी 'टोस्टर' में उलझे राजकुमार

नेटफ्लिक्स साल 2026 में भारतीय दर्शकों मनोरंजन के लिए क्या खास पेश करने वाला है? आज मंगलवार को एक इवेंट में इसका एलान कर दिया गया है। इस बार नेटफ्लिक्स के पिटारे में काफी कुछ खास है। इसने आज करीब 21 फिल्मों और सीरीज से पर्दा उठाया है। कुछ फिल्मों के टीजर जारी किए हैं, कुछ के ट्रेलर तो कुछ का एलान अनाउंसमेंट वीडियो के साथ किया गया है। इसके अलावा कुछ ऐसे प्रोजेक्ट हैं, जिनके फर्स्ट लुक पोस्टर रिलीज हुए हैं।

'कर्तव्य' में खाकी पहने दिखे सैफ अली खान

नेटफ्लिक्स ने आज सैफ अली खान अभिनीत दो फिल्मों का एलान किया है। पहली फिल्म है 'हम हिंदुस्तानी'। इसका टीजर रिलीज हुआ है। सच्ची कहानी से प्रेरित इस फिल्म में भारत के पहले चुनाव की कहानी दिखाई जाएगी। वहीं, एक अन्य फिल्म है, 'कर्तव्य'। इस फिल्म में सैफ अली खान खाकी पहनकर कर्तव्य अदा करते दिखाई देंगे। नेटफ्लिक्स पर जारी पोस्टर में कैप्शन में लिखा है, 'धर्म और कर्म के युद्ध में, क्या कर्तव्य जीत पाएगा?' यह नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। इसमें रसिका दुग्गल और संजय मिश्रा भी नजर आएंगे। सैफ अली खान की इस फिल्म के साथ एक जर्नलिस्ट अपनी एक्टिंग की पारी शुरू करने जा रहे हैं।

'गांधारी' के पोस्टर में तापसी की झलक

तापसी पन्नू की आगामी फिल्म 'गांधारी' भी नेटफ्लिक्स पर इस साल रिलीज होगी। इसका आधिकारिक एलान कर दिया गया है और साथ ही पोस्टर जारी किए गए हैं। इनमें तापसी पन्नू का खौफनाक अंदाज देखने को मिल रहा है। 'गांधारी' के पोस्टर के साथ कैप्शन लिखा है, 'आपने एक मां का प्यार देखा है। अब उसके गुस्से से मिलिए'। इस फिल्म में इशवाक सिंह भी नजर आएंगे।

'टोस्टर' का पोस्टर जारी

राजकुमार राव और सान्या मल्होत्रा की फिल्म 'टोस्टर' का पोस्टर भी रिलीज किया गया है। यह नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। इस कॉमेडी ड्रामा फिल्म में अभिनेता कंजूस व्यक्ति का किरदार निभा रहे हैं। इस फिल्म में राजकुमार और सान्या के अलावा फराह खान, अर्चना पूरन सिंह और अभिषेक बनर्जी भी नजर आने वाले हैं। सभी की झलक दिखाई दी है।

अपने आप से लड़कर मैंने खुद को पाया है

फिल्मी दुनिया में कई कलाकार ऐसे होते हैं, जो कैमरे के सामने तो मजबूत दिखाई देते हैं, लेकिन उनके भीतर एक लड़ाई चल रही होती है। हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'बॉर्डर 2' के जरिए चर्चा में आई अभिनेत्री मेधा राणा भी उन्हीं कलाकारों में से एक हैं, जिन्होंने अपने अंदर चल रहे सवालों, असमंजस और आत्मसंदेह की जंग को जीतकर अपने ऊपर भरोसा करना सीखा और इस मुकाम तक का सफर तय किया। उन्होंने खास बातचीत के दौरान अपने जीवन में आए बदलावों पर बात की। आईएएनएस से बात करते हुए मेधा राणा ने कहा, ''साल 2022 से लेकर अब तक उनके भीतर सबसे बड़ा बदलाव आत्मस्वीकृति और आत्मविश्वास का रहा है। शुरुआत में मैं खुद को लेकर बहुत उलझन में रहती थीं। मुझे अक्सर लगता था कि शायद मैं इस इंडस्ट्री के लिए बनी ही नहीं हूं। ऐसे विचार मुझे भीतर से कमजोर बनाते थे और आगे बढ़ने में बाधा भी बनते थे।'' उन्होंने कहा, ''जब मैंने मनोरंजन जगत में काम करना शुरू किया, तो शुरुआती दिन बेहद कठिन थे। मैं लगातार खुद पर शक करती थी और अपने फैसलों को लेकर आश्वस्त नहीं थी। इस असमंजस से बाहर निकलने में मुझे काफी समय लगा। इंडस्ट्री को समझना, अपने आप को पहचानना और हालात को स्वीकार करना एक लंबी सीख की प्रक्रिया रही।''

जब उनसे पूछा कि 2022 से अब तक उनके जीवन में सबसे बड़ा निजी बदलाव क्या रहा है, तो मेधा ने कहा, ''मैंने अपने आप से लड़कर खुद को पाया है। अब मैं खुद को पहले से ज्यादा स्वीकार करने लगी हूं। मैं अपनी कमियों और खूबियों दोनों को समझती हूं और उन्हें लेकर सहज हूं। यही स्वीकार्यता मेरे आत्मविश्वास की सबसे बड़ी वजह बनी है।'' मेधा राणा ने कहा, ''फिल्म 'बॉर्डर 2' मेरे करियर का एक अहम मोड़ साबित हुई है। इस फिल्म का हिस्सा बनने के बाद और दर्शकों से मिली प्रतिक्रिया ने मेरे भीतर एक नया भरोसा पैदा किया। जब किसी कलाकार को उसके काम के लिए सराहना मिलती है, तो वह खुद पर यकीन करने लगता है। 'बॉर्डर 2' के अनुभव ने मुझे यह एहसास दिलाया कि मैं अपने हुनर में सक्षम हूं और मेहनत रंग ला सकती है।'' उन्होंने कहा, ''अब मैं खुद को लेकर ज्यादा आश्वस्त महसूस करती हूं। अपने अभिनय कौशल और फैसलों पर मेरा भरोसा बढ़ा है। यह आत्मविश्वास मेरे जीवन की अब तक की सबसे बड़ी ग्रोथ है, जो मुझे आगे और बेहतर काम करने की प्रेरणा देता है।''

अच्छा इंसान मिल जाए तो झटपट शादी कर लूं

छोटे पर्दे से अपने करियर की शुरुआत करने वाली मृणाल ठाकुर ने अपने छोटे से करियर में लंबा सफर तय किया है। मराठी फिल्म में काम कर चुकी मृणाल हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के अलावा तेलुगू इंडस्ट्री में भी काफी एक्टिव हैं। इन दिनों वह चर्चा में हैं अपनी नई फिल्म 'दो दीवाने शहर में' को लेकर। इस खास मुलाकात में मृणाल प्यार-मोहब्बत, शादी और जीवनसाथी पर खुल कर बात करती हैं।

ऋतिक, शाहिद और जॉन को लेकर थी पागल

अपने बचपन और ग्रोइंग इयर्स के अट्रैक्शन के बारे में वे हंसते हुए वे कहती हैं, 'वो इनफैचुएशन नहीं बल्कि ऑब्सेशन था और वो था तीन हीरोज के प्रति। मेरी किताबों में इन हीरोज के कटआउट्स हुआ करते थे। उन फोटो के कटआउट्स को मैं छिपा-छिपा कर रखती थी और वो हीरो थे, ऋतिक रोशन, शाहिद कपूर और जॉन अब्राहम। आपको हंसी आएगी सुनकर, मगर जो साड़ी के बॉक्स आते थे, उस पर मैं और मेरी बहन इन हीरोज के फोटो काट कर चिपका देते और उन्हें बुकमार्क के रूप में संजो कर रखते थे। पापा को पता चलता कि हम लोग हीरोज के पिक्स काट-काट कर लगाते हैं, तो बहुत डांट पड़ती थी कि हम पढ़ाई के बजाय ये क्या कर रहे हैं? तकदीर देखिए, इन तीनों हीरोज के साथ मुझे काम करने का मौका मिला। रितिक के साथ मैंने सुपर 30 की, शाहिद कपूर के साथ जर्सी तो जॉन अब्राहम संग बाटला हाउस। मैं और मेरी बहन कई बार एक -दूसरे को देख कर बातें करते, हम लोग कहां से आए और आज कहां पहुंच गए। वाकई कई बार चूंटी काटने को दिल करता कि क्या ये सच है। सच में रितिक, जॉन और शाहिद के साथ काम करते हुए कई बार मंत्रमुग्ध भी हुई हूं। जॉन को हम जोनेमन बुलाते हैं। वो अक्सर मेरी बहन का हाल-चाल पूछने के लिए मुझे कॉल करते हैं। शाहिद को मैं एक एक्टर के रूप में बहुत पसंद करती हूं, तो कई बार मैं इतनी खो जाती कि अपने डायलॉग्स भूल जाया करती थी। शाहिद के साथ शूटिंग के पहले ही दिन मुझे थप्पड़ मारना था, मेरा तो कल्याण ही हो गया था। मैं बहुत नर्वस थी। वाकई बहुत ही अविश्वसनीय है ये जर्नी। मेरी बहन मेरा मेकअप भी करती है, तो आज ही सुबह वो रो पड़ी थी, ये सोचा कर कि हम जिस इंडस्ट्री में यहीं, हमने उसके बारे में सोचा ही नहीं था।'

झगड़े के बाद भी वो मुझे गले लगाए

अपने भावी साथी को लेकर भी मृणाल ने हमसे बात की। उन्होंने कहा, 'मुझे एक अच्छा इंसान मिल जाए, जिससे मेरा दिल भी मिले, हमारे बीच कंपैटिबलिटी हो और मुझे सारी चीजें आसान लगे, तो मैं बेशक झटपट कर लूंगी शादी। आज कल डिवोर्स रेट बढ़ गए हैं और शादियां करने से लोग कतराने लगे हैं। तो मुझे बेमेल शादी करके वो गलती नहीं करनी। मेरा तो बचपन से ख्वाब रहा है शादी करने का। मुझे लगता है शादी हर लड़की का ख्वाब होता है, मगर बस जरूरत होती है एक ऐसे इंसान की, जिसे देखकर लगे हां, यही है वो। मैं जीवनसाथी के रूप में एक ऐसा लड़का चाहती हूं, जो मेरे मामले में हार न माने। मैं जानती हूं कि कई बार मैं जरूरत से ज्यादा इमोशनल हो जाती हूं। हर किसी में नेगेटिव ट्रेट्स होते हैं, मगर मुझे लगता है कि एक ऐसा इंसान हो जो भयंकर झगड़े के बावजूद मुझे गले लगाए। मृणाल रिलेशनशिप की अहमियत को समझाते हुए कहती हैं, 'मेरे लिए तो रिलेशनशिप में सबसे अच्छी बड़ी बात ये है कि मैं जैसी हूं, मुझे उसी रूप में स्वीकार करें और तुम जैसे हो, मेरे लिए काफी हो। तुम्हारी खामियां मेरे लिए मायने नहीं रखती। मेरे लिए अहम है कि मैं तुम्हारे साथ खुश रहूंगी। रिलेशनशिप में एक-दूसरे का उत्थान करके अगर हम बेहतर इंसान बन पाएं, प्रोग्रेस और ग्रो करें।'

सही समय पर शादी होना जरूरी है

मृणाल ठाकुर ने शादी के बारे में अपने विचार शेयर करते हुए उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है, चाहे वे मेरे पैरंट्स हों या किसी और के शादी के बारे में जो कहते हैं, गलत नहीं कहते। शादी समय पर होना जरूरी है। मैं पहले इस बात को नहीं समझती थी, मगर अब समझती हूं। जैसे हमारी हथेली की पांचों उंगलियां एक जैसी नहीं हो सकती, वैसे ही जिंदगी में सब कुछ एक समान नहीं हो सकता। पहले मैं सोचती थी कि करियर सेटल कर लूं तब शादी करूं, मगर अब ऐसा नहीं सोचती। हमारी इंडस्ट्री में कई हीरोइन ऐसी हैं, जिनकी शादी भी हो गई, करियर भी अच्छा चल रहा है और बच्चे भी हो गए हैं, क्योंकि आप अभी नहीं करेंगे, तो कब शादी करेंगे? मगर मैंने अपने माता-पिता को एक बात समझाई कि मुझे करने के लिए नहीं करनी शादी।'

संक्षिप्त समाचार

थाईलैंड : अनुतिन की पार्टी सबसे आगे लेकिन बहुमत से दूर

बैंकॉक, एजेंसी। थाईलैंड के आम चुनाव में प्रधानमंत्री अनुतिन चार्नवीराकुल की अगुवाई वाली भुमजैथाई पार्टी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है, लेकिन अपने दम पर सरकार बनाना उसके लिए मुश्किल दिख रहा है। शुरुआती नतीजों के मुताबिक, करीब 90 फीसदी मतगणना पूरी होने तक पार्टी को 500 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में 195 सीटें मिली हैं।

ओलंपिक विरोध के दौरान हिंसा मेलनी बोलीं- ये इटली के दुश्मन

मिलान, एजेंसी। इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलनी ने मिलान विंटर ओलंपिक के विरोध में हुई हिंसा की कड़ी निंदा की है। उन्होंने प्रदर्शनकारियों को इटली का दुश्मन करार दिया। शनिवार रात मिलान में लगभग 10,000 लोग आवास और पर्यावरण के मुद्दों पर प्रदर्शन कर रहे थे। इसी दौरान कुछ उपद्रवियों ने पुलिस पर हमला किया स को वाटर कैनन का इस्तेमाल करना पड़ा।

वेनेजुएला : राजनीतिक बंदियों की रिहाई के लिए जेल पर प्रदर्शन

काराकस, एजेंसी। वेनेजुएला की राजधानी काराकस में शनिवार को दर्जनों लोगों ने कुख्यात हेलिकॉइड जेल के बाहर प्रदर्शन कर अपने प्रियजनों की रिहाई की मांग की। प्रदर्शनकारियों में विपक्षी नेताओं और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं के परिजन शामिल थे। हालांकि, सरकार ने पिछले महीने कैदियों को मुक्त करने का वादा किया था, लेकिन परिवारों ने रिहाई की धीमी गति को लेकर जेल के बाहर प्रदर्शन किया। कार्यकारी राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज ने इस जेल को बंद कर सांस्कृतिक केंद्र में बदलने का भी वादा किया है।

कैलिफोर्निया : लोगों पर चढ़ाई कार, बच्चों समेत चार घायल

सैक्रामेंटो, एजेंसी। कैलिफोर्निया के पहाड़ी शहर ट्रकी में शनिवार दोपहर एक 49 वर्षीय व्यक्ति ने अपनी कार एक किराना भंडार के बाहर खड़े लोगों पर चढ़ा दी। इस घटना में बच्चों सहित चार लोग घायल हो गए, हालांकि उनकी चोटें जानलेवा नहीं हैं। पुलिस का मानना है कि आरोपी ने जानबूझकर पैदल यात्रियों और स्टोर को निशाना बनाया। पुलिस ने हमलावर को गिरफ्तार कर लिया है, जो सैन जोकिन वैली का निवासी बताया जा रहा है।

सैनिकों को कांगो से वापस बुलाएगा दक्षिण अफ्रीका

किंशासा, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका ने कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में संयुक्त राष्ट्र के शांति मिशन से अपने सैनिकों को वापस बुलाने का फैसला किया है। राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा के कार्यालय ने बताया कि संसाधनों के पुनर्गठन की आवश्यकता के चलते यह कदम उठाया गया है। दक्षिण अफ्रीका पिछले 27 वर्षों से कांगो में शांति प्रयासों का समर्थन कर रहा है और वर्तमान में उसके 700 से अधिक सैनिक कांगो में तैनात हैं।

बांग्लादेश ने हादी हत्याकांड की जांच में यूएन से मांगी मदद

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या की निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच के लिए संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार कार्यालय से मदद मांगी है। इंकलाब मोर्चा के प्रवक्ता हादी (32) को चुनाव प्रचार के दौरान गोली मार दी गई थी। सिंगापुर में इलाज के दौरान हादी की 18 दिसंबर को मौत हो गई थी।

रूस : चाकू हमले में घायल भारतीयों से मिले दूतावास अधिकारी

मास्को, एजेंसी। रूस के एक विश्वविद्यालय में हुए हमले में घायल हुए चार भारतीय मेडिकल छात्रों की हालत स्थिर है। वे तेजी से ठीक हो रहे हैं। कजान के भारतीय वाणिज्य दूतावास के अधिकारियों ने रविवार को चारों छात्रों से अस्पताल में मुलाकात की व उनका हालचाल जाना।

पुतिन से नजदीकी बढ़ाना चाहता था यौन अपराधी एपस्टीन

नए दस्तावेजों से खुलासा, रूस की मदद करने का ऑफर दिया था

वॉशिंगटन डीसी/मॉस्को, एजेंसी। अमेरिका जस्टिस डिपार्टमेंट (डीओजे) के नए दस्तावेजों से खुलासा हुआ है कि यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के करीब जाने की कोशिश कर रहा था। एपस्टीन ने कई मौकों पर पुतिन और उनके करीबी अधिकारियों तक पहुंच बनाने के प्रयास किए। एपस्टीन 2018 में रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के जरिए पुतिन तक अपनी बात पहुंचाना चाहता था। उसने इसके लिए नॉर्वे के पूर्व पीएम थॉर्बजॉर्न यागलैंड से संपर्क किया था।

जून 2018 के एक ईमेल में एपस्टीन ने नॉर्वे के पूर्व पीएम थोर्ब्योर्न यागलैंड से कहा था कि वह पुतिन को यह सुझाव दें कि रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव उससे बातचीत करें। दस्तावेजों के मुताबिक, एपस्टीन खुद को एक ऐसे प्रभावशाली व्यक्ति के तौर पर पेश कर रहा था, जो अंतरराष्ट्रीय राजनीति और निवेश जैसे मुद्दों पर रूस की मदद कर सकता है।

रूसी राजदूत से मिलता था अपराधी एपस्टीन : सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक दस्तावेजों से खुलासा हुआ है कि एपस्टीन न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र में रूस के तत्कालीन राजदूत विटाली चुरकिन के साथ नियमित संपर्क में था। विटाली चुरकिन 2006 से 2017 तक संयुक्त राष्ट्र में रूस के स्थायी प्रतिनिधि रहे। इसी दौरान एपस्टीन की उनसे न्यूयॉर्क में मुलाकातें और बातचीत होती थीं। एपस्टीन ने चुरकिन के बेटे मैक्सिम को न्यूयॉर्क की एक वेल्थ मैनेजमेंट फर्म में नौकरी दिलाने में मदद की पेशकश भी की थी। यह बात एपस्टीन के ईमेल्स में सामने आई है। एपस्टीन ने चुरकिन को लेकर यह भी दावा किया कि वह उसकी बातचीत के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को बेहतर तरीके से समझने लगे थे। हालांकि दस्तावेजों में इस दावे का कोई सबूत नहीं मिला है। फरवरी 2017 में विटाली चुरकिन की न्यूयॉर्क में अचानक मौत हो गई थी। इसके बाद एपस्टीन ने 2018 के एक ईमेल में लिखा कि अब वह रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के जरिए फिर से संपर्क बनाना चाहता है।

2013 से ही पुतिन से मुलाकात की कोशिश कर रहा था : दस्तावेज बताते हैं कि मई 2013 में एपस्टीन ने इजराइल के पूर्व प्रधानमंत्री एहुद बराक को ईमेल कर कहा था कि यागलैंड पुतिन से मिलने वाले हैं और उन्होंने पूछा है कि क्या एपस्टीन भी पुतिन से मिल सकता है। एपस्टीन ने दावा किया था कि वह रूस को पश्चिमी देशों से निवेश लेने के तरीकों पर सलाह दे सकता है। एक अन्य ईमेल में उसने कहा कि अगर पुतिन मिलना चाहते हैं तो उन्हें दो से तीन घंटे का समय देना होगा। मई 2013 के ही एक ईमेल में एपस्टीन ने बिना सबूत के यह दावा किया कि उसने सेंट पीटर्सबर्ग में एक आर्थिक सम्मेलन के दौरान पुतिन से मिलने का अनुरोध ठुकरा दिया था। हालांकि दस्तावेजों में यह साफ नहीं है कि पुतिन ने वास्तव में ऐसी कोई मुलाकात चाही थी या नहीं।

पोलैंड में एपस्टीन और रूस के कनेक्शन जांच शुरू : पोलैंड में जेफ्री एपस्टीन के रूस से कथित संबंधों को लेकर जांच शुरू की गई है। पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने कहा है कि एपस्टीन और रूसी खुफिया एजेंसियों के संभावित रिश्तों को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। कैबिनेट बैठक में टस्क ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मीडिया में सामने आ रही जानकारियां इस ओर इशारा करती हैं कि यह यौन शोषण कांड किसी संगठित खुफिया ऑपरेशन का हिस्सा हो सकता है। उन्होंने इसे पोलैंड की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बताया। रूस ने एपस्टीन के रूसी खुफिया एजेंसियों से जुड़े होने के आरोपों को पूरी तरह खारिज कर दिया है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि एपस्टीन को लेकर चल रही जासूसी थ्योरी को गंभीरता से लेने की जरूरत नहीं है। जेफ्री एपस्टीन न्यूयॉर्क का करोड़पति फाइनेंसर था। उसकी बड़े नेताओं और सेलिब्रिटीज से दोस्ती थी। उस पर 2005 में नाबालिग लड़की के साथ यौन उत्पीड़न का आरोप लगा। 2008 में उसे नाबालिग से सेक्स की मांग करने का दोषी ठहराया गया। उसे 13 महीने की जेल हुई। 2019 में जेफ्री को सेक्स ट्रैफिकिंग के आरोपों में गिरफ्तार किया गया। लेकिन मुकदमे से पहले ही उसने जेल में आत्महत्या कर ली। उसकी पार्टनर घिसलीन मैक्सवेल को 2021 में उसकी मदद करने के आरोपों में दोषी करार दिया गया।

बांग्लादेश में चुनाव से ठीक पहले जबरदस्त हिंसा, बीएनपी-जमात कार्यकर्ताओं की भिड़त में दर्जनों घायल

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में चुनाव से पहले सड़कों पर भीषण हिंसा की खबरें सामने आई हैं। 12 फरवरी को होने वाले मतदान से मात्र 72 घंटे पहले देश की सड़कें बीएनपी और जमात के कार्यकर्ताओं के बीच जंग का अखाड़ा बन गई हैं। रविवार कल रात बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और जमात-ए-इस्लामी के कार्यकर्ताओं के बीच भिड़त में 40 से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं।

इनमें महिलाएं भी शामिल हैं। इंडिया टुडे की एक रिपोर्ट के मुताबिक जमात के एक कार्यक्रम में कैश बांटने के आरोपों के बाद दोनों पक्षों में हिंसा हुई है। यह हिंसा तब भड़की जब बीएनपी के कुछ कार्यकर्ताओं ने जमात-ए-इस्लामी पर देर रात एक कार्यक्रम में शामिल लोगों को पैसे बांटने का आरोप लगाया। जानकारी के मुताबिक, क्क्क्ककार्यकर्ता विरोध दर्ज कराने के लिए कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे, जिसके बाद जमात ने भी अपने समर्थकों को इकट्ठा कर लिया, जिसके बाद दोनों गुटों में खूब मारपीट हुई। चुनाव से पहले बढ़ी हिंसा बता दें कि चुनाव की घोषणा के बाद से ही बांग्लादेश में हिंसा की घटनाओं में लगातार बढ़ोतरी हुई है। देशभर में कई जगहों पर विरोध प्रदर्शन जारी हैं जिनमें कई जगह भारत विरोधी नारेबाजी भी हुई है। पिछले छह हफ्तों में पूरे बांग्लादेश में चुनाव से जुड़ी हिंसा में कई लोग घायल हो चुके हैं।

हसीना की सरकार के पतन के बाद पहला चुनाव : बांग्लादेश में जुलाई 2024 में प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार के पतन के बाद यह पहला चुनाव है। 12 फरवरी के आम चुनाव में सीधा मुकाबला बीएनपी और जमात के नेतृत्व वाले गठबंधन के बीच ही है। ऐसे में ये दोनों गुट चुनाव में पूरी जी जान लगा रहे हैं। जहां एक तरफ बीएनपी के तारिक रहमान ने बांग्लादेश फर्स्ट का नारा दिया है, वहीं जमात को अपने पारम्परिक इस्लामी वोटर्स से उम्मीदें हैं।

'रिहाई के कुछ घंटे बाद ही सहयोगी का अपहरण हुआ'; वेनेजुएला की विपक्षी नेता मचाडो का गंभीर आरोप

काराकास , एजेंसी। वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो ने सोमवार को कहा कि जेल से रिहा होने के कुछ घंटों बाद ही उनके सबसे करीबी सहयोगियों में से एक का अपहरण कर लिया गया। सरकार ने रविवार को नजरबंद विपक्ष के कई प्रमुख सदस्यों को जेल से रिहा कर दिया था। वहीं, मचाडो ने सोशल मीडिया पर कहा कि जुआन पाब्लो गुआनिपा को राजधानी काराकास के एक आवासीय इलाके में आधी रात के आसपास अगवा कर लिया गया था।

मोरक्को में तूफान मार्टा से कम से कम 4 लोगों की मौत : रबात, एजेंसी। मोरक्को में तूफान मार्टा से कम से कम 4 लोगों की मौत हो गई है। गौरतलब है कि देश बाढ़ से जूझ रहा है। स्थानीय अधिकारियों ने रविवार को बताया कि उत्तरी मोरक्को में तूफान के कारण आई अचानक बाढ़ में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई। देश में कई दिनों से हो रही भारी बारिश और ओवरफ्लो हो चुके बांधों से पानी छोड़े जाने के कारण बड़े पैमाने पर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। राजधानी रबात से लगभग 270 किलोमीटर उत्तर में स्थित टेटुआन के पास एक गांव में कार के बह जाने से तीन बच्चों (2 से 14 वर्ष की आयु की एक लड़की और दो लड़के) और 30 वर्ष की आयु के एक व्यक्ति की मौत हो गई। गृह मंत्रालय ने स्थानीय अधिकारियों के हवाले से एक बयान में यह जानकारी दी है। एक अन्य व्यक्ति अभी भी लापता है। स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि वे इस घटना की जांच शुरू करेंगे। मोरक्को के मौसम विज्ञान महानिदेशालय के हुसैन युआबेद ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि मार्टा नामक तूफान के कारण अचानक बाढ़ आई, जो सप्ताहांत में मोरक्को में पहुंचा और उत्तरी शहरों में 92 मिमी तक बारिश हुई। तूफान मार्टा पड़ोसी देशों स्पेन और पुर्तगाल तक भी पहुंचा।

इस्त्राइल का वेस्ट बैंक पर कड़ा कदम: बसावट और जमीन पर नियंत्रण बढ़ाया

यरूशलम, एजेंसी। इस्त्राइल अब वेस्ट बैंक में अपने नियंत्रण को और मजबूत करने और फलस्तीन की सीमित सत्ता को और कमजोर करने की दिशा में काम कर रहा है। इसके लिए इस्त्राइल की सुरक्षा कैबिनेट ने रविवार को कई अहम फैसले लिए हैं। वित्त मंत्री बेजल एल स्मोट्रिच के नेतृत्व में कैबिनेट ने जमीन की बिक्री, रिकॉर्ड सार्वजनिक करने और संवेदनशील क्षेत्रों में निर्माण पर इस्त्राइली नियंत्रण बढ़ाने का निर्णय लिया। इन फैसलों को लेकर उनका कहना है कि हम फलस्तीनी राज्य की धारणा को दफन करना जारी रखेंगे। माना जा रहा है कि इस्त्राइल कैबिनेट का यह फैसला फलस्तीनी सत्ता को कमजोर और यहूदी बसावटों के विस्तार को आसान बनाएंगे। हालांकि फलस्तीन और अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने इसे खतरनाक और अवैध कदम बताया है। इस्त्राइल विरोधी संगठन पीस नाउ के शोधकर्ता ने इस फैसले को बहुत महत्वपूर्ण बताया, लेकिन कहा कि इसे लागू करने के लिए वेस्ट बैंक में इस्त्राइल के शीर्ष कमांडर की मंजूरी भी जरूरी है।

फलस्तीन के राष्ट्रपति ने बताया खतरनाक : फलस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास ने इस निर्णय को खतरनाक और बसावटों को कानूनी रूप देने का खुला प्रयास बताया। उन्होंने अमेरिका और यूएन सुरक्षा परिषद से तुरंत हस्तक्षेप की अपील की। जॉर्डन की विदेश मंत्रालय ने भी इस फैसले की आलोचना की और कहा कि यह अवैध इस्त्राइली अधिकार थोपने और बसावटों को मजबूत करने का प्रयास है। अब समझिए इस फैसले की अहम बातें वेस्ट बैंक में यहूदी नागरिकों को फलस्तीनी जमीन खरीदने की रोक हटाना। जमीन के रिकॉर्ड सार्वजनिक करना ताकि बसावटें आसानी से बनाई जा सकें। हिब्रोन जैसे संवेदनशील धार्मिक क्षेत्रों में निर्माण की योजना इस्त्राइली अधिकारियों को सौंपना। पर्यावरण और पुरातात्विक मामलों में इस्त्राइल को फिलिस्तीनी क्षेत्रों में हस्तक्षेप की अनुमति। एक कमिटी को पुनर्जीवित करना, जो इस्त्राइल को प्रोएक्टिव तरीके से जमीन खरीदने की अनुमति देगी। बता दें कि वर्तमान में वेस्ट बैंक का 40 प्रतिशत हिस्सा फलस्तीन के नियंत्रण में है, जबकि शेष हिस्सा इस्त्राइल नियंत्रित है। फलस्तीनियों को निजी तौर पर यहूदी नागरिकों को जमीन बेचने की अनुमति नहीं है। वेस्ट बैंक और पूर्वी यरुशलम में 7 लाख से ज्यादा यहूदी रहते हैं। यह क्षेत्र 1967 में इस्त्राइल ने कब्जा किया था और फलस्तीन इसे भविष्य के राज्य के लिए मांगते हैं। अंतरराष्ट्रीय समुदाय बसावटों को अवैध मानता है और इसे शांति की राह में बाधा समझता है। हालांकि इससे पहले दिसंबर में इस्त्राइल की कैबिनेट ने वेस्ट बैंक में 19 नई यहूदी बसावटों को मंजूरी दी थी। जनवरी में यरुशलम के पास एक विवादित बसावट परियोजना का निर्माण शुरू करने का रास्ता भी साफ कर दिया गया, जिससे वेस्ट बैंक आधे में कट जाएगा। यह फैसले फिलिस्तीन के लिए बड़े राजनीतिक और भू-राजनीतिक खतरे को जन्म दे रहे हैं और भविष्य के फिलिस्तीनी राज्य की संभावनाओं को और कमजोर कर रहे हैं।

कनाडा से रिश्ते बेहतर करने की तैयारी, एनएसए अजीत डोभाल ने कनाडा में उच्च स्तरीय बैठकें की

ओटावा, एजेंसी। कनाडा के पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रुडो के शासनकाल में भारत और कनाडा के रिश्ते बेहद खराब हो गए थे। अब मौजूदा पीएम मार्क कार्नी की सरकार में फिर से भारत और कनाडा के रिश्तों को बेहतर करने की कोशिशें की जा रही हैं। इसी के तहत भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने कनाडा का दौरा किया और वहां ओटावा में कनाडा के प्रधानमंत्री की उप सचिव और राष्ट्रीय सुरक्षा एवं खुफिया सलाहकार नताली जी. ड्रौइन से मुलाकात की।

दोनों देशों के संबंधों को बेहतर करने की तैयारी : दोनों देशों के संबंधों को फिर से मजबूत करने के प्रयासों की दिशा में यह बातचीत अहम मानी जा रही है। डोभाल ने कनाडा के विदेश मंत्रालय द्वारा जारी बयान के अनुसार, यह बैठक दोनों देशों के बीच नियमित द्विपक्षीय सुरक्षा वार्ता का हिस्सा थी। दोनों पक्षों ने अपने राष्ट्रों और नागरिकों की सुरक्षा के लिए चल रहीं पहल की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा और कानून प्रवर्तन मामलों पर भविष्य के सहयोग के लिए एक साझा कार्य योजना पर भी सहमति जताई। इस कदम से अधिक व्यावहारिक संयुक्त प्रयासों की राह बनेगी। इस बातचीत में एक अहम निर्णय ये रहा कि दोनों देशों में सुरक्षा और कानून प्रवर्तन संपर्क अधिकारियों की नियुक्ति की जाएगी। इस कदम का उद्देश्य दोनों देशों के बीच संचार चैनलों को बेहतर बनाना और नशीली दवाओं की अवैध तस्करी, विशेष रूप से फेंटानिल और अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध नेटवर्क की गतिविधियों सहित साझा खतरों पर जानकारी का आदान-प्रदान करना है। दोनों अधिकारियों ने साइबर सुरक्षा में सहयोग पर भी सहमति जताई, जिसमें नीतिगत समन्वय और साइबर खतरों पर सूचनाओं का आदान-प्रदान शामिल है। उन्होंने प्रत्येक देश के घरेलू कानूनों और अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं का सम्मान करते हुए, धोखाधड़ी की रोकथाम और आव्रजन प्रवर्तन से संबंधित संयुक्त कार्यों पर बातचीत को आगे बढ़ाने का फैसला किया। अजीत डोभाल के इस दौरे से दोनों देशों के संबंधों में अतीत में आए तनाव के बावजूद व्यावहारिक सुरक्षा संबंधों को और मजबूत करने में दोनों देशों की आपसी रुचि भी स्पष्ट हुई। दो दिवसीय यात्रा के दौरान, डोभाल ने कनाडा के सार्वजनिक सुरक्षा मंत्री से भी मुलाकात की। ये मुलाकातें भारत-कनाडा सुरक्षा संबंधों में सकारात्मक गति का संकेत देती हैं, जिनमें मादक पदार्थों की तस्करी और संगठित अपराध जैसी सीमा पार चुनौतियों से निपटने के लिए ठोस उपायों पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

चीन को महिला मानवाधिकार कार्यकर्ता की गिरफ्तारी मामले में यूएन ने दी चेतावनी

बीजिंग, एजेंसी। चीन में एक महिला मानवाधिकार कार्यकर्ता की गिरफ्तारी और कथित उत्पीड़न का मामला अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठ गया है। संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार विशेषज्ञों ने इस पर कड़ी चिंता जताई है। जो चीन गिरफ्तारी और अपनी तानाशाही के लिए पूरे दुनिया में कुख्यात है। उसी चीन को अब उसकी ही चाल भारी पड़ गई है। दरअसल ये देश मानवाधिकार की धज्जियां उड़ानें में प्रसिद्ध है। और अगर कोई आवाज उठाए तो उसके लिए जेल के दरवाजे होते हैं। कुछ ऐसा ही चीन ने एक महिला मानवाधिकार कार्यकर्ता के साथ किया। लेकिन उकी ये चाल किसी काम नहीं आई। बल्कि जिनपिंग का पासा उलटा पड़ गया। क्योंकि ये मामला अब यून में उठ गया। यूएन ने चीन सरकार को चेतावनी दी है। यूएन ने कहा है कि कार्यकर्ता यांग ली को तुरंत पर्याप्त मेडिकल इलाज और स्वतंत्र आवाजाही की अनुमति दी जानी चाहिए। विशेषज्ञों ने कार्रवाई को अधिकारों के शांतिपूर्ण इस्तेमाल को रोकने की कोशिश बताया है।

यूएन विशेषज्ञों के बयान के अनुसार यांग ली को कई बार बीजिंग जाने से रोका गया, जहां वह मेडिकल अपॉइंटमेंट और याचिका प्रक्रिया के लिए जाना चाहती थीं। हर बार रास्ते में रोककर उन्हें हिरासत में लिया गया। विशेषज्ञों का कहना है कि यह मनमानी हिरासत का मामला लगता है। उन्होंने कहा कि यांग ली गंभीर किडनी बीमारी के अंतिम चरण से जूझ रही हैं और उन्हें तत्काल विशेष इलाज की जरूरत है। इलाज से वंचित रखने पर आपत्ति यूएन मानवाधिकार विशेषज्ञों ने कहा कि बार-बार इलाज से वंचित रखने, जेल में खराब व्यवहार और लगातार दबाव के कारण उनकी हालत बिगड़ी है। बयान में कहा गया कि पर्याप्त चिकित्सा सुविधा न देना मानवाधिकार का गंभीर उल्लंघन है। विशेषज्ञों ने चीन से कहा है कि यांग ली और उनके परिवार के खिलाफ डराने और दबाव की कार्रवाई तुरंत बंद की जाए और उन्हें अपनी पसंद के अस्पताल में इलाज की अनुमति दी जाए। यांग ली जियांगसू प्रांत के जिंतन क्षेत्र की रहने वाली हैं। वह वर्ष 2009 से जमीन अधिग्रहण और फसल हटाने की सरकारी कार्रवाई के खिलाफ आवाज उठाती रही हैं। अपने परिवार और स्थानीय समुदाय की ओर से उन्होंने कई याचिकाएं दायर कीं। यूएन मानवाधिकार कार्यालय के अनुसार 2014 से उन्हें कई बार प्रशासनिक हिरासत में लिया गया। अक्टूबर 2024 में यांग ली को झगड़ा भड़काने और परेशानी पैदा करने के आरोप में आपराधिक हिरासत में लिया गया। बाद में आरोप बदलकर राज्य संस्थानों के कामकाज में बाधा कर दिया गया। सितंबर 2025 में उन्हें 15 महीने की सजा सुनाई गई। यूएन विशेषज्ञों ने कहा कि मुकदमे की प्रक्रिया में निष्पक्ष सुनवाई से जुड़ी कई खामियां दिखाई दीं। यूएन एजेंसी के अनुसार जेल में किडनी बीमारी के इलाज से वंचित किए जाने के विरोध में यांग ली ने भूख हड़ताल की। इसके बाद उन्हें जबरन नाक के जरिये भोजन दिया गया।

जापान चुनाव में पीएम तकाइची की बड़ी जीत:उनकी पार्टी एलडीपी ने 465 में से 316 सीटें जीतीं; मोदी-ट्रम्प ने बधाई दी

टोक्यो, एजेंसी। जापान में रविवार को हुए आम चुनाव में प्रधानमंत्री साने ताकाइची की लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) ने बड़ी जीत दर्ज की है। क्क्क्ष्ट के मुताबिक, एलडीपी के गठबंधन को 465 में से 352 सीटें मिली हैं। एलडीपी अकेले 316 सीटें जीती हैं, जो बहुमत के लिए जरूरी 233 सीटों से काफी ज्यादा हैं। यह पार्टी की अब तक की सबसे बड़ी जीतों में से एक मानी जा रही है। इससे पहले 1986 में पार्टी ने 300 सीटें जीती थीं। चुनाव जीतने के बाद ताकाइची ने कहा कि वह जापान को मजबूत और समृद्ध बनाने पर काम करेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि जरूरत पड़ी तो विपक्ष के साथ मिलकर काम करेंगी। इस जीत के बाद ऊपरी सदन में विपक्ष के नियंत्रण के बावजूद पीएम ताकाइची को कानून पास करने की ताकत मिल गई है। तकाइची की जीत पर पीएम मोदी ने उन्हें बधाई दी। उन्होंने एम्स पोस्ट में लिखा- मुझे विश्वास है आपके कुशल नेतृत्व में हम भारत-जापान मित्रता को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भी साने ताकाइची को बधाई दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि ताकाइची अपने मजबूत और कंजरवेटिव एजेंडे में सफल हों।

तकाइची ने चीन के खिलाफ रुख मजबूत किया : तकाइची ने चीन के खिलाफ मजबूत रुख अपनाते हुए सैन्य खर्च बढ़ाया है, आर्थिक पैकेज और टैक्स कटौती की घोषणा की है। उन्होंने खाद्य पदार्थों पर 8% सेल्स टैक्स को दो साल के लिए निलंबित करने का वादा किया है ताकि बढ़ती महंगाई से लोगों को राहत मिले। रणनीतिक सलाहकार कंपनी एफजीएस ग्लोबल के मैनेजिंग डायरेक्टर सेइजी इनाडा के मुताबिक, 'अगर तकाइची बड़ी जीत दर्ज करती हैं, तो उन्हें टैक्स में कटौती जैसे अहम फैसलों को लागू करने की आजादी मिलेगी।' ट्रम्प बोले थे- तकाइची शक्तिशाली और बुद्धिमान नेता डोनाल्ड ट्रम्प ने 5 फरवरी को एक पोस्ट में साने तकाइची को पूर्ण समर्थन दिया है। उन्होंने तकाइची को मजबूत, शक्तिशाली और बुद्धिमान नेता कहा, जो अपने देश से सच्चा प्यार करती हैं और जापान के लोगों को निराश नहीं करेंगी। ट्रम्प ने बताया कि वह 19 मार्च 2026 को व्हाइट हाउस में तकाइची से मुलाकात करेंगे। यह समर्थन जापान के 8 फरवरी 2026 के चुनाव से ठीक दो दिन पहले आया है। यह पहली बार है जब किसी अमेरिकी राष्ट्रपति ने जापान के किसी नेता को चुनाव में खुलकर समर्थन दिया है।

सोशल मीडिया पर साने तकाइची का क्रेज बढ़ा : सोशल मीडिया पर साने तकाइची को लेकर 'सानाकात्सु' नाम का ट्रेंड भी चर्चा में है। इसमें उनके इस्तेमाल किए गए सामान, जैसे हैंडबैग और संसद में इस्तेमाल किया जाने वाला गुलाबी पेन, युवाओं के बीच लोकप्रिय हो गए हैं। एक हालिया सर्वे में 30 साल से कम उम्र के 90% से ज्यादा मतदाताओं ने तकाइची के पक्ष में रुझान दिखाया, हालांकि यह वर्ग आमतौर पर कम मतदान करता है।

लोगों ने बर्फबारी की बीच वोट डाले : रविवार को मतदान के दौरान कई इलाकों में बर्फीले तूफान जैसे हालात रहे। परिवहन मंत्रालय के मुताबिक, दर्जनों ट्रेन सेवाएं रोकी गईं और 230 घरेलू उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। कई मतदान केंद्रों को समय से पहले बंद करना पड़ा। इसके बावजूद लोग बर्फ और कड़ाके की ठंड में मतदान के लिए पहुंचे। निजी अखबार निक्केई के अनुसार, मतदान खत्म होने से चार घंटे पहले तक टर्नआउट 21.6% रहा, जो 2024 के चुनाव से 2.65 प्रतिशत अंक कम था। पिछले कुछ चुनावों में लोअर हाउस का टर्नआउट करीब 55% के आसपास रहा है। अगर इस बार मतदान और घटता है, तो संगठित वोटिंग ब्लॉक्स का असर और बढ़ सकता है। वोटिंग 289 सिंगल-सीट सीटों पर सीधे मुकाबले से होगी, जबकि बाकी सीटें प्रपोर्शनल रिप्रेजेंटेशन से तय होंगी। तकाइची ने संसद भंग कर चुनाव की घोषणा की थी यह चुनाव इसलिए खास है क्योंकि यह न केवल जापान की आंतरिक राजनीति को प्रभावित करेगा, बल्कि इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में सुरक्षा, आर्थिक नीतियां और अंतरराष्ट्रीय संबंधों पर भी गहरा असर डालेगा। 2024 के चुनाव में एलडीपी को भारी नुकसान हुआ था और पूर्व प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा की सरकार अल्पमत में आ गई थी। उसके बाद 2025 में एलडीपी की प्रेसिडेंशियल इलेक्शन में तकाइची ने जीत हासिल की और जापान इनोवेशन पार्टी के साथ गठबंधन बनाकर सरकार बनाया।

गुलाब, लिली, ट्यूलिप... कितने फूलों के नाम जानते हो तुम। लिस्ट बनाने लगोगे तो काफी लंबी हो जाएगी। और हो भी क्यों ना, हमारे देश भारत में कई हजार फूलों की किस्में मिलती हैं। तभी तो बनता है सुंदर गुलदस्ता अपने दोस्त के लिए, टीचर्स के लिए... चलो, बताते हैं इस मौसम में तुम्हारे बाग को सुंदर बनाने में कौन से फूल करेंगे तुम्हारी मदद।

तुमसे मिलने आए हैं रंग-बिरंगे फूल

गुलदाउदी के घने फूल

गुलदाउदी के फूल कितने घने लगते हैं ना देखने पर। पतली पतली पत्तियां, इतनी सुंदर बनावट। कौन नहीं लगाना चाहेगा अपने गमले में इसे। इसे लगाने के लिए बड़ा गमला ही उपयोग में लाओ। और एक गमले में चार-पांच पौधे लगाने चाहिए, ताकि गमला भरा रहे। यह बारहमासी सजावटी पौधा है। इसकी लगभग 30 प्रजातियां पाई जाती हैं। तुम्हें जानकर हैरानी होगी कि इस फूल का उपयोग कीटनाशक के तौर पर भी किया जाता है।
क्या है खासियत - गुलदाउदी संसार के सबसे प्रसिद्ध एवं शरद ऋतु में फूलने वाले पौधों में से एक है। यह बहुत से रंगों में पाया जाता है, जैसे लाल, गुलाबी, पीला, बैंगनी और मिले-जुले रंग।

गुलाब

फूलों की बात हो तो सबसे पहले राजा ही आएगा ना... यानी गुलाब। लाल, सफेद, गुलाबी कितने ही रंगों में खिलने वाला यह फूल अपने आप में ही खास है। खास खुशबू और खूबसूरती के कारण ही ये फूलों का राजा कहलाता है। इसकी लगभग 100 प्रजातियां पाई जाती हैं। इन खूबसूरत फूलों के साथ कांटे भी लगे होते हैं। इसका इंग्लिश नाम रोज फ्रांसीसी शब्द से आया है। गुलाब का पौधा सजावटी पौधे के तौर पर लगाया जाता है। साथ ही इसका व्यापार भी किया जाता है। इससे तैयार होने वाले परफ्यूम की बाजार में बड़ी मांग है।
क्या है खासियत - गुलाब की पत्तियां गुलाब-जल बनाने के लिए भी उपयोग की जाती हैं। तुम्हारे गार्डन में है यह फूल, नहीं तो तैयारी कर लो इसे लगाने की।

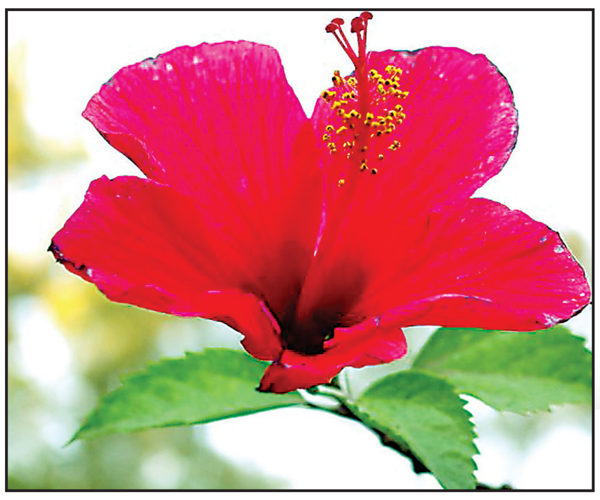

लाल-लाल गुड़हल

पूजा-पाठ में उपयोग होने वाले इस फूल के बारे में हमारी किताबों में भी पढ़ाई होती है। यह सिर्फ देखने में ही सुंदर नहीं होता, बल्कि यह सेहत का खजाना भी लिए हुए होता है। इसे हिबिसकस या जवाकुसुम भी कहते हैं।
यह विभिन्न रंगों में तो मिलते ही हैं, साथ ही इनका आकार भी कई तरह का होता है। इसकी करीब 200 से 220 प्रजातियां पाई जाती हैं। इस फूल की दो प्रजातियां तो मलेशिया तथा दक्षिण कोरिया का राष्ट्रीय पुष्प भी हैं। गुड़हल की कुछ प्रजातियों को उनके सुन्दर फूलों के लिए उगाया जाता है। नींबू पुदीने आदि की तरह गुड़हल की चाय भी सेहत के लिए अच्छी मानी जाती है। यह फूल सर्दियों में खूब फलता है। इसे भी धूप की आवश्यकता कम ही होती है। हफ्ते में दो बार पानी डालने से भी इसका काम चलता है। तो देर किस बात की, इस सुंदर लाल फूल को तुम घर के बाहर या भीतर गमले में लाकर लगा सकते हो।
क्या है खासियत- गुड़हल की एक प्रजाति कनाफ का प्रयोग कागज बनाने में किया जाता है। एक अन्य प्रजाति 'रोजैल' का प्रयोग प्रमुख रूप से कैरेबियाई देशों में सब्जी, चाय और जैम बनाने में किया जाता है।

खूबसूरत फूल डहेलिया

ज्यादातर बगीचों के लिए यह सबसे जरूरी फूल है। इसके कितनी ही जाति के फूल पाए जाते हैं। डहेलिया बड़े आकार का अनेक रंगों और आकारों में पाया जाने वाला आकर्षक फूल है। इसकी 50,000 से अधिक प्रजातियां पाई जाती हैं। इसके लिए सामान्य वर्षा वाली ठंडी जलवायु की आवश्यकता होती है। इसके लिए खुली धूप वाली भूमि अच्छी रहती है। इसके फूल बड़े आकार के बनते हैं, जो देखने में काफी आकर्षक होते हैं।
क्या है खासियत - यह लाल, पीला, गुलाबी, बैंगनी, दोहरे रंगों में मिलता है। इसके फूल कई दिनों तक डाल पर बने रहते हैं और काफी बड़े होते हैं। ये जाड़ों का फूल है, इसलिए पानी का ध्यान रखना जरूरी है। और हां, बीच में खाद देनी चाहिए। धूप की जरूरत होती है इसे। इसे अपने गार्डन में जरूर लगाना।

ट्यूलिप

जैसे ऋतुओं में राजा वसंत होता है, फलों में राजा आम होता है, वैसे ही फूलों में भी राजा होता है। ठंड के फूलों का राजा ट्यूलिप को कहा जाता है। ट्यूलिप काफी खूबसूरत और मनमोहक होता है। इसे देखकर ऐसा लगता है, मानो यह आर्टिफिशियल फूल है। भारत में कश्मीर में और विदेशों में कई जगहों पर व्यापक पैमाने पर इसकी खेती की जाती है। कश्मीर में तो कई जगहों पर ट्यूलिप के बाग हैं। ट्यूलिप 109 प्रजाति के पाए जाते हैं। दक्षिणी यूरोप, उत्तरी अफ्रीका और ईरान से इस फूल की उत्पत्ति हुई थी। यह लाल, गुलाबी, पीला, नीला, बैगनी रंगों में पाया जाता है।

मन को मोह लें पैंसी के फूल

पैंसी के नीले-पीले फूल किसे पसंद नहीं। इनका नीला रंग तो तुम्हें भी पसंद होगा। चार पत्तियों वाले इस फूल के पौधे को ठंडा मौसम बहुत पसंद है। और हां, जब इसमें फूलों की रफ्तार कम हो तो इसे उखाड़ फेंकने की जरूरत नहीं, बल्कि थोड़ी सी देखभाल करो ये दोबारा फूलों से भर जाएंगे। इसकी मिट्टी में हमेशा पानी डाल कर ठंडक बनाए रखो तो ये हमेशा खिल कर तुम्हारे गार्डन को खूबसूरत बनाए रखेंगे। इसकी लंबी शाखाओं की काट-छांट करते रहना चाहिए।
क्या है खासियत - ठंड का मौसम आ गया है। अगर पैंसी नहीं है तुम्हारे गार्डन में तो लगा लो। इन्हें ज्यादा धूप की जरूरत नहीं पड़ती। छाया में ये ज्यादा अच्छी तरह से बढ़ते हैं।

ऑर्केड

ऑर्केड के फूल कई तरह के होते हैं, जिनके खिलने की उम्र भी अलग-अलग होती है। कुछ एक माह तक, तो कुछ तीन से चार माह तक खिले रह सकते हैं। इनकी खुशबू मनमोहक होती है। कुछ ऑर्केड्स की खुशबू चॉकलेट, नारियल की तरह होती है, तो कुछ फलों जैसी खुशबू देते हैं।

स्टोकस्टोक

स्टोकस्टोक काफी स्वीट और स्पाइसी सी खुशबू देने वाला फूल है। यह दिखने में काफी आकर्षक लगता है। एक पौधे में एक इंच के डाइमीटर में एक ही फूल होता है। गार्डन सजाने में और बुके में इसका काफी इस्तेमाल किया जाता है। यह सफेद, क्रीम, पीला, गुलाबी, पर्पल, पीच जैसे कई आकर्षक रंगों में पाया जाता है। यह फूल इस मौसम में लगाना चाहिए।

लिली के फूल के हैं कई रंग

लिली के फूल देखे हैं न तुमने... सुंदर और सफेद, ऑरेंज, पीले और लाल रंग के। ये अगस्त के महीने में खिलते हैं। कुछ वर्ष पहले तक हम गुलाब की कुछ विशेष प्रजातियों का ही निर्यात करते थे, लेकिन अब लिली की प्रजातियां भी भारत में उगाई जा रही हैं। साथ ही इनका बड़ी तादाद में जापान, सऊदी अरब और पाकिस्तान जैसे देशों में निर्यात भी किया जा रहा है। इनके बीज मुख्यत: हॉलैंड से आते हैं। सामान्यत: ये फूल नवंबर तक बाजार में आ जाते हैं और फरवरी तक बाजार में रहते हैं।
क्या है खासियत - इसमें ज्यादा मेहनत की जरूरत नहीं है, क्योंकि किसी भी लोकेशन में ये खिल जाते हैं। ये बीज के द्वारा आसानी से लगाए जा सकते हैं।

ये भी हैं खास

गेंदा - इसे तो तुम नवम्बर, जनवरी और मई-जून में से किसी भी महीने में लगा सकते हैं। यह बारहमासी पौधा है और इसके पीले फूल सबको आकर्षित करते हैं। इस प्रकार पूरे साल ये तुम्हारे लिए हाजिर रहता है। इस पर मेहनत भी कम लगती है। यह बहुत आसानी से उगाया जाता है। यह एक सजावटी पौधा है। इसकी भी कई किस्में होती हैं, जैसे हजारा गेंदा, मेरी गोल्ड, बनारसी या जाफरानी, जो कि बहुत छोटे फूल देता है।

बेला से तो दोस्ती होगी तुम्हारी

यह मौसम बेले को अपने घर लाने का उचित समय है। मनमोहक खुशबू वाले सफेद फूलों का यह पौधा लाजवाब होता है। मोती बेला लम्बे पेंडुलम जैसे अधिक समय तक रहने वाले फूल देता है।

कैंडीटफ्ट से करो फेंसिंग

ठंड के दिनों में आने वाले इन छोटे फूलों की फेंसिंग काफी सुंदर लगती है। नवंबर-दिसंबर इसको लगाने के लिए आदर्श समय है।

ग्लैडिओलस

इसे स्वोर्ड लिली के नाम से भी जाना जाता है। ये काफी खुशबू वाले फूल हैं, जो गुलाबी, बैंगनी और सफेद रंगों में मिलते हैं।

उपयोग इन फूलों के

खूशबूदार और देखने में सुंदर ये फूल काफी उपयोगी होते हैं हमारे लिए। फ्रेंड के जन्मदिन पर जा रहे हो तो गिफ्ट के तौर पर तुम फूल ले जा सकते हो। इसके अलावा फूलों की खुशबू सबको खुश कर देती है। फूलों से सजने के बाद घर हो या मंदिर काफी सुंदर लगने लगता है। फूल से घर सजाया है कभी तुमने और अपनी दादी और नानी की पूजा के लिए भी फूल लाते ही होगे तुम। गेंदा-गुलाब आदि के फूल तो हमेशा पूजा के लिए उपयोग में लाए जाते हैं। साथ ही कई फूलों का इस्तेमाल खाने, पीने या दवाओं के काम के लिए भी किया जा सकता है। इसलिए इन सर्दियों में अपने घर के भीतर और बाहर फूलों वाले पौधे जरूर लगाना।

सर्दियों के अन्य प्रमुख फूल

सांध्य मालती (पेटुनिया)
रजनीगंधा (ट्यूबेरोज)
ग्लैडिओली
कैलेन्डुला एन्टिरहिनम
एलिसम
डिमोरफोथेका
एसोलिझिया
लार्क्सपर
गजेनियां
गेरबेरा
गोडेतिया
लाइनेरिया
मेसमब्राइन्थेमम
ब्रासिका
मेतुसेरिया
वेरबेना
विओला कारनेशन

कोई नहीं डॉगी से वफादार

डॉगी पालतू जानवरों में सबसे अच्छे दोस्त साबित होते हैं। धीरे-धीरे ये तुम्हारी पसंद-नापसंद को भी समझने लगते हैं। तुम अगर उदास हो तो इनका मन भी किसी काम में नहीं लगता। लेकिन इसके अलावा भी डॉग्स की कई और खासियतें होती हैं, जिनके बारे में आज तुम्हें बता रहे हैं -

पालतू जानवरों में कुत्ते हमारे सबसे करीब होते हैं, क्योंकि कुत्तों को दोस्ती का हुनर मालूम होता है। ये जितने अच्छे दोस्त होते हैं, उतने ही अच्छे बॉडीगार्ड भी बन जाते हैं। किसी की भी भावनाओं को ये खूब अच्छी तरह समझ पाते हैं। कुत्तों के बारे में ऐसी ही कुछ आश्चर्यजनक बातें भी हैं, जो इन्हें सबसे अलग बनाती हैं। जैसे, कुत्तों के पास किसी खतरे को पहले से ही महसूस कर लेने की क्षमता होती है। अच्छा-बुरा क्या होने वाला है, कुत्ते अपनी हरकतों से बता देते हैं -
शिकार, खेती और सुरक्षा के अलावा कुत्ते विकलांगों को सहायता भी करते हैं। बुलडॉग, जर्मन शेफर्ड, कूली, गोल्डन रीट्राइवर, सेंट बरनार्ड, ग्रेहाउंड, ब्लडहाउंड, चीहुआहुआ, लैब्राडोर, डेन, रोटविलर, बॉक्सर और कॉकर स्पैनियेल समेत कुत्तों की दुनियाभर में सौ से ज्यादा प्रजातियां हैं। इनमें लैब्राडोर सबसे ज्यादा प्रचलित प्रजाति है। लैब्राडोर के सौम्य स्वभाव के चलते इसे सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है। लैब्राडोर जितना आज्ञाकारी होता है, उतना चालाक भी होता है। लैब्राडोर की एक और खास बात यह है कि इसमें अथाह ऊर्जा होती है। ये जल्दी थकता नहीं और इसीलिए लैब्राडोर को पुलिस गाइड की तरह भी इस्तेमाल करते हैं। कुत्तों के सुनने की क्षमता तेज होती है। ये मनुष्यों के मुकाबले चार गुना ज्यादा दूरी से आ रही आवाज को सुन सकते हैं। कुत्तों के सूंघने की क्षमता भी मनुष्यों से कई हजार गुना ज्यादा होती है। कुत्तों की जिंदगी दस से चौदह साल की होती है। पुराने जमाने में मिस्त्र के लोग कुत्तों से इतना प्यार करते थे कि उसके मर जाने पर उनका दाह संस्कार करते थे और पूरे दिन रोते थे। यही नहीं, शोक मनाने के लिए अपनी भौहें भी हटा देते थे और बालों पर गीली मिट्टी लगाते थे। अंगूर और किसमिस से कुत्तों का पेट खराब हो सकता है। चॉकलेट, पका प्याज या ऐसा कुछ जिसमें कैफीन की मात्रा पाई जाती है, वह कुत्तों की सेहत के लिए अच्छा नहीं होता। नवजात बच्चा जन्म के वक्त अंधा, बहरा होता है और उसके दांत नहीं होते। बेसेंजी विश्व का एक मात्र ऐसा कुत्ता है, जो कभी भौंकता नहीं है। अमेरिका में सबसे ज्यादा कुत्ते पाए जाते हैं। इस मामले में फ्रांस दूसरे स्थान पर है। मनुष्यों की उंगलियों की तरह कुत्तों की नाक खास होती है। फिंगर प्रिंट से जैसे किसी व्यक्ति को पहचाना जा सकता है, ठीक उसी तरह कुत्तों की नाक की छाप से भी उन्हें पहचाना जा सकता है। कुत्तों की सबसे पुरानी प्रजाति ग्रेहाउंड है। कुत्तों को मीठा बहुत पसंद होता है।

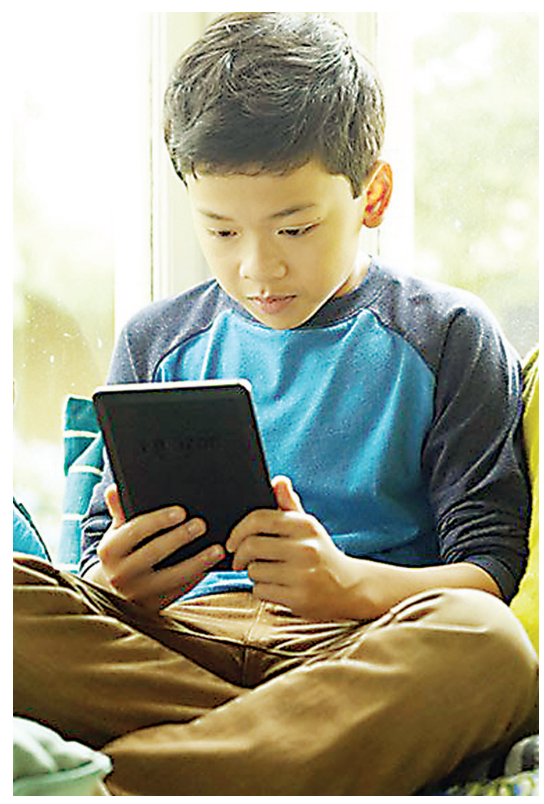

अंग्रेजी ग्रामर सीखो इस एप से

अंग्रेजी भाषा व्याकरण पर आधारित है। अगर तुम व्याकरण नियमों को ठीक से नहीं समझोगे तो अंग्रेजी लिखने और बोलने में दिक्कत होगी। तुम्हें इन नियमों को विस्तार से समझाने का काम यह एप करता है। यह एप्लिकेशन पॉकेट ग्रामर का काम करेगा। इसका नाम है 'इंग्लिश ग्रामर बुक'।

ग्रामर के सभी सेक्शन एक साथ

इस एप में इंग्लिश ग्रामर के सभी सेक्शन जैसे कि नाउन, प्रोनाउन, वर्ब, एडवर्ब, ऑक्ज्यूलरी वर्ब, प्रेपोजिशन, कंजंक्शन, टेंस आदि के बारे में काफी सरल व सहज तरीके से बताया गया है। इन टॉपिक्स को पढ़ते हुए तुम्हें किसी की मदद लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी। आसानी से तुम इन्हें समझ पाओगे।

प्रश्न बैंक करेगा राह आसान

इस एप में अंग्रेजी व्याकरण के सभी टॉपिक्स से संबंधित महत्वपूर्ण सवालों का एक डाटा बैंक दिया गया है। तुम्हें जिस किसी भी सेक्शन के प्रश्नों के बारे में जानकारी चाहिए, उस पर क्लिक करोगे तो तुम्हें उससे संबंधित सभी महत्वपूर्ण सवाल मिल जाएंगे। इन सवालों के नियमित अभ्यास से ग्रामर मजबूत हो जाएगी।